रोजनामा इन्डो गल्फ

www.Newsindogulf.com/Email:-Newsindogulf730@gmail.com

सच्चाई में है दम, सच लिखते हैं हम

पटना,शनिवार 11 जनवरी 2025 वर्ष : 03 अंक :11 पृष्ठ -12 PRGI NO - BIHHIN/2023/86924 मूल्य - ₹ 3 पटना संस्करण

ब्रीफ न्यूज

मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत की पत्नी पर नहीं करेंगे अपमानजनक टिप्पणी- संजय सिंह

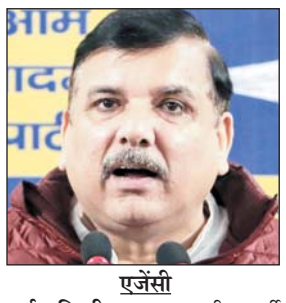

एजेंसी

नई दिल्ली:आम आदमी पार्टी (अअढ) सांसद संजय सिंह ने गोवा की एक अदालत में कहा है कि वे मुख्यमंत्री डॉ. प्रमोद सावंत की पत्नी सुलक्षणा सावंत के खिलाफ कोई अपमानजनक टिप्पणी नहीं करेंगे। संजय सिंह के वकील ने बिचोलिम की प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट अदालत में उनका पक्ष रखते हुए यह जानकारी दी।यह मामला सुलक्षणा सावंत द्वारा दायर 100 करोड़ रुपये की मानहानि याचिका से जुड़ा है। मुख्यमंत्री की पत्नी ने संजय सिंह पर कथित तौर पर नौकरी के बदले पैसे घोटाले में उनका नाम लेने का आरोप लगाया था। अदालत ने इस मामले में संजय सिंह से जवाब मांगते हुए शुक्रवार तक का समय दिया था। अब इस मामले की अगली सुनवाई 24 जनवरी को होगी।सुलक्षणा सावंत ने उत्तर गोवा के बिचोलिम स्थित सिविल जज (सीनियर डिवीजन) की अदालत में यह याचिका दायर की थी।

महाकुंभ 2025: प्रयागराज में कुंभ का आमंत्रण, पीएम मोदी से मिलने के लिए प्रधानमंत्री आवास पहुंचे सीएम योगी

महाकुंभ के बारे में व्यापक जानकारी प्रसारित करने के लिए ओटीटी-आधारित कुंभवाणी एफएम चैनल लॉन्च किया है। यूपी सरकार ने कहा कि 103.5 मेगाहर्ट्ज की आवृत्ति पर, चैनल 10 जनवरी से 26 फरवरी तक प्रसारित होगा, जो प्रतिदिन सुबह 5.55 बजे से रात 10.05 बजे तक संचालित होगा।

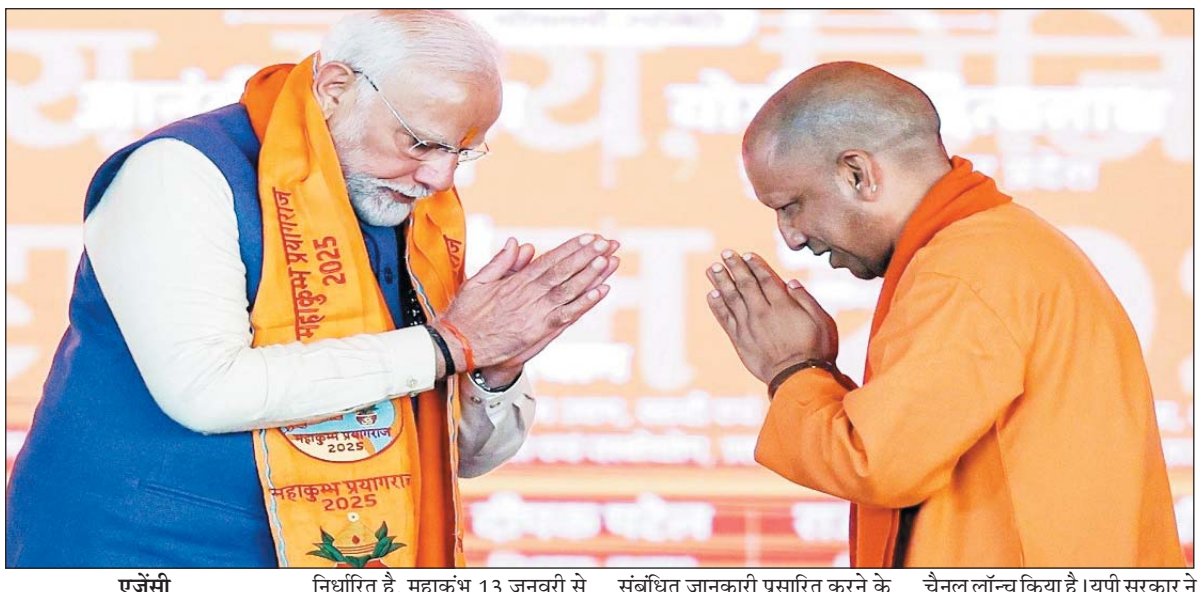

एजेंसी

नई दिल्ली:उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पीएम मोदी को प्रयागराज में कुंभ मेले के लिए आमंत्रित करने के लिए शुक्रवार को दिल्ली पहुंचे हैं। बैठक शाम 5 बजे निर्धारित है. महाकुंभ 13 जनवरी से 26 फरवरी तक चलने वाला है, जिसमें इस साल 40 करोड़ श्रद्धालुओं के आने की उम्मीद है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को महाकुंभ 2025 से संबंधित जानकारी प्रसारित करने के लिए समर्पित एक एफएम चैनल 'कुंभवाणी' का उद्घाटन किया। प्रसार भारती ने महाकुंभ के बारे में व्यापक जानकारी प्रसारित करने के लिए ओटीटी-आधारित कुंभवाणी एफएम चैनल लॉन्च किया है। यूपी सरकार ने कहा कि 103.5 मेगाहर्ट्ज की आवृत्ति पर, चैनल 10 जनवरी से 26 फरवरी तक प्रसारित होगा, जो प्रतिदिन सुबह 5.55 बजे से रात 10.05 बजे तक संचालित होगा। इसके अलावा, सीएम योगी आदित्यनाथ ने डिजिटल महाकुंभ अनुभव केंद्र का उद्घाटन किया था और कहा था कि यह धार्मिक सभा की दिव्यता और भव्यता को डिजिटल रूप से प्रदर्शित करता है। यह केंद्र महाकुंभ, समुद्र मंथन, प्रयाग महतम और त्रिवेणी संगम की कहानियों को डिजिटल रूप से प्रदर्शित करने के लिए आभासी वास्तविकता (वीआर), संवर्धित वास्तविकता प्रौद्योगिकियों, होलोग्राम और एलईडी डिस्प्ले का उपयोग करेगा। डिजिटल एक्सपीरियंस सेंटर कुंभ मेला क्षेत्र के सेक्टर 3 में 60,000 वर्ग फुट में फैला हुआ है और इसे 12 क्षेत्रों में विभाजित किया गया है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कुंभ मेले से 2 लाख करोड़ रुपये तक की आर्थिक वृद्धि होने का अनुमान है। महाकुंभ के आर्थिक प्रभाव को साझा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि 2019 के आयोजन ने राज्य की अर्थव्यवस्था में 1.2 लाख करोड़ रुपये का योगदान दिया।

पूर्वांचलियों के सम्मान में JDU भी मैदान में,

एजेंसी

दिल्ली:दिल्ली में जारी पूर्वांचलियों को लेकर राजनीति में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी भी सामने आ गई है। नीतीश की पार्टी ने अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधा है। केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन उर्फ ललन सिंह ने कहा कि केजरीवाल ने चुनाव आयोग के दफ्तर के सामने जो बयान दिया है, उससे उनकी हताशा स्पष्ट हो रही है। उन्होंने कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि उन्हें अपनी हार का आभास हो गया है। दिल्ली देश की राजधानी है, किसी की जागीर नहीं। जदयू नेता ने कहा कि बिहार और यूपी के लोग यहां अपने सम्मान के साथ रहते हैं और केजरीवाल जी उनके सम्मान को ठेस पहुंचाने का काम कर रहे हैं। इस चुनाव में उनका यह रवैया उन्हें भारी पड़ेगा। उन्होंने कहा कि कोरोना काल में केजरीवाल जी ने जिस तरह से बिहार और यूपी के लोगों को बॉर्डर पार कर छोड़ा था, वह उनकी नीयत पर सवाल खड़े करता है। अब हाल ही में उनके द्वारा दिए गए बयान से यह स्पष्ट हो गया है कि उनका पूर्वांचल के लोगों से कोई सरोकार नहीं है। उनकी राजनीति में दोहरे मापदंड दिखाई देते हैं- एक जनता को दिखाने के लिए और दूसरा अपने हित साधने के लिए। उनका मुख्य उद्देश्य सत्ता में बने रहना और उसका लाभ उठाना प्रतीत होता है। जनता उनके इस दोहरे चरित्र को पहचान चुकी है और इसका असर चुनाव में जरूर दिखेगा।बिहार के मंत्री और जदयू नेता अशोक चौधरी ने कहा कि बिहार और उत्तर प्रदेश के लोगों के प्रति अरविंद केजरीवाल का रवैया शुरू से ही अच्छा नहीं रहा है। उन्होंने कहा कि दिल्ली के लोग हमेशा बिहार और उत्तर प्रदेश के लोगों पर तल्ख टिप्पणी करते हैं जो गलत है।

नीतीश की पार्टी ने केजरीवाल को खूब सुनाया

जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने नागरिकों के लिए शुरू किया आरटीआई पोर्टल

एजेंसी

पटना:जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने सूचना के अधिकार कानून (आरटीआई) के तहत आवेदन को जमा करने, उनकी स्थिति का पता लगाने और इलेक्ट्रॉनिक रूप से उनका जवाब हासिल करने के लिए शुक्रवार को एक पोर्टल की शुरूआत की, ताकि लोगों को इस सिलसिले में सरकारी दफ्तरों के चक्कर न लगाने पड़ें।सामान्य प्रशासन विभाग आरटीआई ऑनलाइन आवेदन पोर्टल के प्रबंधन के लिए नोडल एजेंसी है। इसके माध्यम से सभी विभाग आरटीआई आवेदनों के निस्तारण के लिए जवाबदेह हैं।अब्दुल्ला ने बाद में फेसबुक पर लिखा, (मैंने) सिविल सचिवालय में जम्मू-कश्मीर आरटीआई ऑनलाइन पोर्टल शुरू किया। देर आए दुरुस्त आए, आखिरकार जम्मू-कश्मीर के नागरिकों को अपना आरटीआई पोर्टल मिल ही गया।अब्दुल्ला ने इस बात पर जोर दिया कि आरटीआई पोर्टल का उद्देश्य नागरिकों को आरटीआई आवेदन करने, उनकी स्थिति का पता लगाने और ऑनलाइन जवाब प्राप्त करने के लिए एक प्रभावी मंच प्रदान

बिहार में खेला नहीं, एनडीए का मेला होगा; तेजस्वी यादव पर बरसी जेडीयू

एजेंसी

पटना::बिहार में इस होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले सत्ताधारी जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) और विपक्षी राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के नेताओं के बीच जुबानी जंग जारी है। इस बीच जेडीयू ने पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव पर हमला बोलते हुए आरजेडी पर निशाना साधा है। जेडीयू के प्रवक्ता नीरज सिंह ने कहा कि बिहार में खेला नहीं, बल्कि एनडीए का मेला होगा। तेजस्वी यादव उमीदवार खोजो यात्रा पर निकले हैं।पश्चिम चंपारण जिले के बगहा में शुक्रवार को एनडीए के प्रदेश प्रवक्ताओं ने प्रेस वार्ता कर तेजस्वी यादव पर जमकर हमला बोला। एनडीए

के सभी दलों के प्रवक्ता एक मंच पर आए और दावा किया कि 2025 में 225 सीट जीतकर नीतीश के नेतृत्व में फिर सरकार बनाई जाएगी। जदयू प्रवक्ता नीरज ने कहा कि आरजेडी के राजकुमार आजकल बिहार में उम्मीदवार खोजो यात्रा पर निकले हैं। बिहार में अब खेला नहीं होगा। अब बिहार में 15 जनवरी से एनडीए का मेला शुरू होगा। उन्होंने कहा कि चंपारण के इस इलाके में कभी दिनदहाड़े अपहरण उद्योग चल रहा था वहां आज अमन चैन का राज्य है।वहीं बीजेपी के प्रवक्ता नीरज कुमार ने तेजस्वी यादव पर निशाना साधते हुए कहा कि 2025 में पूर्ण बहुमत की सरकार बिहार में बनने जा रही है। तेजस्वी की यात्रा का बिहार में कोई औचित्य नहीं है।

राइटटर्न लेगा बिहार, इस बार तेजस्वी सरकार; लालू यादव का नीतीश पर पोस्टर से हमला

एजेंसी

पटना:साल 2025 बिहार के चुनावी वर्ष है। एनडीए और महागठबंदन आमने सामने हैं और तीसरे किनारे से जन सुराज ताल दे रहा है। सभी गठबंधनों के अपने अपने दावे हैं। लालू यादव की पार्टी राष्ट्रीय जनता दल(आरजेडी) का दावा है कि जनता नीतीश कुमार और बीजेपी की सरकार को बिहार की जनता अब और बर्दाश्त करने की स्थिति में नहीं है। 2025 में बिहार में तेजस्वी यादव के नेतृत्व में

महागठबंधन की सरकार बनेगी वहीं एनडीए के सभी दलों का दावा है कि नीतीश कुमार के नेतृत्व में उनका गठबंधन 225 सीटों के साथ सरकार बनाएगा। इस बीच लालू प्रसाद ने सोशल मीडिया पर एक अनोखा पोस्टर जारी कर न सिर्फ नीतीश कुमार पर हमला किया बल्कि तेजस्वी यादव को बिहार का सीएम घोषित कर दिया है। सोशल मीडिया एक्स पर लालू यादव ने एक पोस्टर लगाकर ट्वीट किया जिसमें नीतीश कुमार की सरकार और तेजस्वी यादव के कार्यों की तुलना की है। लालू प्रसाद ने बिहार की जनता अपील की है कि सही का चुनाव करें अबकी बार बदलाव करें।

अरविंद केजरीवाल पर भड़के चिराग पासवान, पूछा- बिहारियों से नफरत क्यों? भुगतना होगा नतीजा

एजेंसी

पटना:दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल ने बिहार और यूपी के निवासियों को लेकर एक ऐसा बयान दे दिया है जिससे सियासत में भूचाल मचा है।बिहार और उत्तर प्रदेश के नेता उनपर लगातार हमला बोल रहे हैं। नरेंद्र मोदी सरकार में मंत्री और लोजपा आरवी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान भी अरविंद केजरीवाल पर भड़क गए हैं। उन्होंने कहा है कि अरविंद केजरीवाल को इसका नतीजा चुनाव में भुगतना पड़ेगा। सोशल मीडिया एक्स पर केंद्रीय

मंत्री ने अपनी नाराजगी का इजहार किया है।सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर पोस्ट डालकर चिराग पासवान ने कहा है कि आम आदमी पार्टी के नेता अरविंद केजरीवाल ने बिहारियों को फर्जी वोटर कहा है। केजरीवाल जी का ये बयान बेहद निंदनीय है, जो कतई बर्दाश्त करने लायक नहीं है। मैं पूछना चाहता हूं कि केजरीवाल जी को बिहारियों से इतनी नफरत क्यों ?उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी के समग्र विकास में यूपी और बिहार के लोगों की एक बड़ी भूमिका रही है। देश और दुनिया भर से लोग नई दिल्ली आते हैं , ऐसे में बिहारियों का अपमान करना एक सत्ताधारी पार्टी के पूर्व मुख्यमंत्री को शोभा नहीं देता।

सक्रिय राजनीति में रघुबर दास की वापसी, बीजेपी में फिर से हुए शामिल, बोले- नतीजों से निराश होने की नहीं

एजेंसी

झारखंड:झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री रघुबर दास शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी में फिर से शामिल हो गए। दोबारा सक्रिय राजनीति में लौटने के बाद उन्होंने ऐलान करते हुए कहा कि पार्टी झारखंड में सत्ता में वापसी करेगी। विधानसभा चुनावों में पार्टी की हार के बाद सक्रिय राजनीति में फिर से प्रवेश करने के लिए उन्होंने 24 दिसंबर को ओडिशा के राज्यपाल के पद से इस्तीफा दे दिया था, जहां वह राज्य में जेएनएम के नेतृत्व वाले गठबंधन को सत्ता से हटाने में असमर्थ रही।भाजपा के राज्य मुख्यालय में पार्टी की राज्य इकाई के अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी, कार्यकारी अध्यक्ष रवींद्र राय, केंद्रीय मंत्री संजय सेठ और सैकड़ों समर्थकों की मौजूदगी में दास का गर्मजोशी से स्वागत किया गया। इस अवसर पर दास ने कहा कि वह 1980 के बाद दूसरी बार पार्टी की सदस्यता लेकर खुश हैं और वह लोगों की सेवा करेंगे। 2023 में ओडिशा के राज्यपाल का पद संभालने के बाद उन्हें पार्टी छोड़नी पड़ी। उन्होंने कहा कि 2024 के विधानसभा चुनावों में, राज्य अध्यक्ष से लेकर बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं तक, पार्टी के सभी सदस्यों ने अपना ईमानदार प्रयास किया, लेकिन हमें वांछित परिणाम नहीं मिले। दास ने कहा, "हमें नतीजों से निराश नहीं होना चाहिए।"पार्टी को 2024 के झारखंड विधानसभा चुनावों में एक बड़ा झटका लगा,।

HMPV वायरस के देश में 13 मामले: यूपी और गुजरात के बाद राजस्थान में मिला नया केस,

एजेंसी

नई दिल्ली:देश में ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस (HMPV) के मामले बढ़ते जा रहे हैं। अब तक 6 राज्यों में कुल 12 मामले सामने आ चुके हैं। शुक्रवार(11 जनवरी) को राजस्थान के बारां में एक और नए मामले की पुष्टि हुई। एक 6 महीने की बच्चे HMPV पॉजिटिव पाई गई है। हेल्थ मिनिस्ट्री ने कहा कि बच्ची 3 महीने पहले ल्टढश संक्रमित मिली थी। फिलहाल बच्ची की हालत स्थिर है। संक्रमित बच्ची का कोटा में इलाज चल रहा है। मेडिकल टीम की सर्वे में बच्ची के संक्रमित होने की बात सामने आई। एक दिन पहले तीन नए मामलों की पुष्टिगुरुवार(10 जनवरी) को को 3 नए मामलों की पुष्टि हुई। उत्तर प्रदेश के लखनऊ में 60 साल की महिला

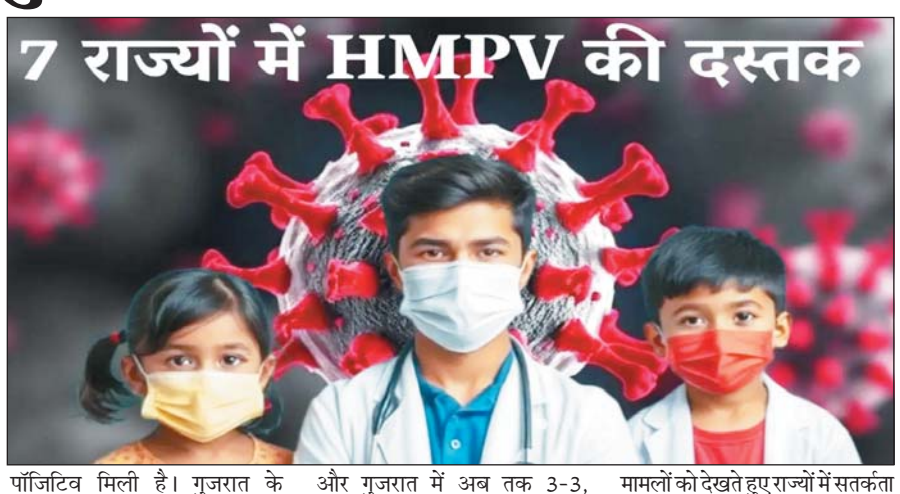

पॉजिटिव मिली है। गुजरात के अहमदाबाद में 80 साल के बुजुर्ग और हिम्मतनगर में 7 साल का एक बच्चा HMPV संक्रमित मिले हैं। महाराष्ट्र और गुजरात में अब तक 3-3, कर्नाटक और तमिलनाडु में 2-2, पश्चिम बंगाल और यूपी में 1-1 मामले सामने आए हैं। HMPV के बढ़ते मामलों को देखते हुए राज्यों में सतर्कता बढ़ाई गई है। अस्पतालों में आइसोलेशन वार्ड बनाए जा रहे हैं।HMPV एक फ्लअ वायरस है। यह वायरस इंसानों के श्वसन तंत्र पर अटैक करता है। ल्टढश संक्रमितों में बुखार, खांसी, गले में खराश और सांस लेने में कठिनाई जैसे लक्षण नजर आने लगते हैं। यह खांसी-छींक या दूषित सतह के संपर्क के आने से फैलता है। ल्टढश से सबसे अधिक खतरा छोटे बच्चों और बुजुर्गों को होता है। हल्ड के मुताबिक, यह वायरस 2001 में पहली बार पाया गया था। यह कोरोना की तरह तेजी से नहीं फैलता। हालांकि, ठंड के मौसम में इसका असर ज्यादा देखने को मिलता है।अक्क्टर के पूर्व डायरेक्टर डॉ. रणदीप गुलेरिया ने कहा कि यह वायरस नया नहीं है। इसका इलाज एंटीबायोटिक्स से नहीं किया जा सकता। ज्यादातर मामलों में मरीज अपने आप ठीक हो जाते हैं।

आलोक मेहता के 16 ठिकानों पर ईडी का छापा, मची हलचल

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। बिहार के सियासी गलियारों से निकलकर सामने आया है। जहां राजद के विधायक आलोक मेहता के 16 ठिकानों पर आज सुबह ई डी की रेड पड़ी है। यह मामला बैंक लोन से जुड़ा हुआ बताया जा रहा है। यह छापेमारी बिहार, दिल्ली, उत्तर प्रदेश समेत 16 ठिकानों पर जारी है। जानकारी के मुताबिक बिहार सरकार के पूर्व मंत्री और राजद के विधायक आलोक मेहता के कई ठिकानों पर छापेमारी चल रही है। ई डी की टीम आलोक मेहता और उनसे जुड़ी कई कंपनियों के ठिकानों पर छापेमारी कर रही है। प्रवर्तन निदेशालय कि टीम आज सुबह - सुबह राजधानी पटना के आवास पर पहुंची है और यहां भी छापेमारी कर रही है। इस टीम के दर्जनों अधिकारी राजद के विधायक से मामले कि जानकारी ले रहे हैं और छापेमारी कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि वैशाली शहरी कॉरपोरेशन बैंक से जुड़ा करोड़ों रुपए के बैंक लोन घोटाला का मामला है। इस मामले में बैंक के प्रमोटर, चेयरमैन, सीएमडी, सीईओ सहित कई अन्य अधिकारियों की भूमिका संदिग्ध बताई जा रही है। ऐसे में अब इस मामले में प्रवर्तन निदेशालय की टीम 16 ठिकानों पर छापेमारी कर रही है। यह छापेमारी पटना, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, कोलकाता समेत कुल 16 ठिकानों पर चल रही है। फिलहाल राजद विधायाक के पटना के सरकारी आवास पर भी एक टीम छापेमारी कर रही है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार तकरीबन 85 करोड़ के बैंक घोटाले की बात कही जा रही है। इसमें फर्जी तरीके से लोन अकाउंट बनाया गया और पैसे का फजीर्वाड़ा किया गया। आलोक मेहता राजद के बड़े नेता है और उजियारपुर इलाके से इनका वास्ता रहा है। ऐसे में बिहार के 9 ठिकानों पर ईडी की टीम

छापेमारी कर रही है। आलोक मेहता इस सरकारी बैंक के प्रमोटर रहे हैं। ऐसे में उनकी भूमिका काफी संदिग्ध बताई जा रही है। बतादें कि राजधानी पटना में राजद विधायक आलोक मेहता के सरकारी आवास पर भी छापेमारी जारी है। आज सुबह ही बड़ी संख्या में पुलिस वहां पहुंची हुई है। आलोक मेहता राजद के वरिष्ठ नेता हैं। महागठबंधन की सरकार में राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग का जिम्मा संभाल रहे थे। ऐसे में अब उनके आवास पर यह छापेमारी चल रही है। वर्तमान में बैंक के चेयरमैन और आलोक मेहता के भतीजे संजीव मेहता की मानें तो ये जो बैंक में इतना बड़ा राशि का फजीर्वाड़ा है वो विगत 10 - 20 साल से चल रहा है। पहले मंत्री अलोक मेहता और उनके पिता चेयरमैन बने। आलोक मेहता करीब 20 साल तक इस बैंक के चेयरमैन रहे है। खुलासा हुआ की लिच्छवि कोल्ड स्टोरेज प्राइवेट लिमिटेड और महुआ कोऑपरेटिव कोल्ड स्टोरेज नाम की 2 कंपनियों ने बैंक के करीब 60 करोड़ का गबन किया है। इन दो कंपनियों ने अपनी गारण्टी पर करोड़ का लोन निकासी किया था। फर्जी कागजातों के सहारे किसानो के नाम पर दी गई। करोड़ों के इस लोन में बैंक ने भी नियम कायदो को ताक पर रख लोन जारी किया था। खुलासा ये भी हुआ की इस कोऑपरेटिव बैंकप्रबंधन ने फर्जी एलआईसी बॉन्ड और फर्जी पहचानपत्र वाले लोगों के नाम 30 करोड़ से ज्यादा रकम की निकासी कर ली है।बताया जाता है कि आलोक मेहता के पिता तुलसीदास मेहता ने करीब 35 साल पहले हाजीपुर में वैशाली शहरी कोऑपरेटिव बैंक की शुरूआत की थी। राजनितिक रसूख के दम पर बैक चल निकला और साल 1996 में इस बैंक को आरबीआई का लाइसेंस भी मिल गया। इसके बाद आलोक मेहता (1995 से ही) बैंक के चेयरमैन बने और लगातार 2012 तक बैंक के प्रबंधन की कमान संभाले रखा। इस बीच 2004 में उजियारपुर से लोकसभा का चुनाव जीत सांसद भी बने, लेकिन आलोक मेहता लगातार बैंक प्रबंधन की कमान संभाले रहे। 2012 में आलोक मेहता ने अचानक बैंक प्रबंधन का शीर्ष कमान अपने मंत्री पिता तुलसीदास मेहता को सौंप दिया और बैंक से खुद को अलग कर लिया।

चिराग पासवान ने बिहार के राज्यपाल से मुलाकात कर नव-वर्ष की बधाई दी

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

आज लोजपा रामविलास के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री श्री चिराग पासवान जी ने बिहार के महामहिम राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान जी से मुलाकात कर नव-वर्ष की बधाई दी और साथ मे आगामी 14 जनवरी को लोजपा (रामविलास) बिहार प्रदेश कार्यालय एक व्हीलर रोड पटना में आयोजित दही-चूड़ा के भोज हेतु आमंत्रण दिया। पार्टी के प्रदेश मीडिया प्रभारी कुंदन कुमार ने बताया कि उक्त अवसर पर राज्यपाल भवन में लोजपा (रामविलास) प्रदेश अध्यक्ष राजू तिवारी, जमुई सांसद सह बिहार संगठन प्रभारी अरुण भारती, राष्ट्रीय महासचिव धनंजय मृणाल,राष्ट्रीय प्रवक्ता धीरेंद्र कुमार मुन्ना, महिला सेल राष्ट्रीय उपाध्यक्ष इंदु कश्यप, प्रदेश प्रधान महासचिव संजय पासवान, प्रदेश संसदीय बोर्ड अध्यक्ष हुलास पांडे, प्रदेश उपाध्यक्ष अशरफ अंसारी, चुनाव अभियान प्रमुख सुरेंद्र विवेक ,उपाध्यक्ष संजय सिंह, युवा प्रदेश अध्यक्ष वेद प्रकाश पांडे, आईटी सेल प्रदेश अध्यक्ष अमित रानू, महिला सेल प्रदेश अध्यक्ष शोभा सिन्हा पासवान, एससी/ एसटी प्रदेश अध्यक्ष परशुराम पासवान,अति पिछड़ा प्रदेश अध्यक्ष मनोज कुमार, छात्र प्रदेश अध्यक्ष प्रिंस मृणाल मौजूद थे।

23 फरवरी 2025 को पटना में होगा कोइरी आक्रोश महारैली : नागमणि

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। पूर्व केंद्रीय मंत्री नागमणि ने शुक्रवार को बी एलौथ स्थित मायरा होटल में प्रेस वार्ता की। प्रेस वार्ता में उन्होंने कहा कि बिहार सरकार ने बिहार में जातीय जन गणना कराई, लेकिन कहीं धरातल पर नहीं कराके कुछ खास पदाधिकारियों की मिली भगत से मनमाने तरीके से जातियों की जनगणना कर खानापूर्ति की गई है। उन्होंने कहा कि बिहार का बच्चा बच्चा जानता है कि हमारे कोइरी समाज की 12 प्रतिशत जनसंख्या है, जबकि इसे घटाकर साढ़े चार प्रतिशत कर दिया गया। यहां तक कि हमारा दांगी समाज भी कम से कम ढ़ाई प्रतिशत है। बिहार सरकार ने उसे भी घटाकर केवल आधा प्रतिशत कर दी। नागमणि ने कहा कि भूमिहार, राजपूत, ब्राह्मण की संख्या भी कम से से कम साढ़े 5 प्रतिशत होनी चाहिए, उन्हें भी महज 2 से 3 प्रतिशत के बीच सीमित कर दिया गया। उन्होंने बताया कि कलाल मुसलमान होते हैं, सर्वे में उसे हिन्दू बनाया गया है। यह साबित करता है कि बिहार में गांव में सर्वेक्षण हुआ ही नहीं, सिर्फ कागज पर खानापूर्ति कर दे गई है। इन ही सब बातों को लेकर आगामी 23 फरवरी 2025 रविवार को पटना के गांधी मैदान में कोइरी आक्रोश महारैली का आयोजन किया गया है।

युवा राजद मधुबनी का एक दिवसीय कार्यकर्ता बैठक आयोजित

ताजपुरसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. अबु बकर सिद्दीकी

युवा राजद मधुबनी का एक दिवसीय कार्यकर्ता बैठक युवा जिला अध्यक्ष इंद्रभूषण यादव की अध्यक्षता में हुई। संचालक युवा जिला प्रधान महासचिव उमेश राम ने किया। बैठक के मुख्य अतिथि युवा राजद प्रदेश महासचिव सह जिला प्रभारी मनोज कुमार यादव, राजद जिला अध्यक्ष सह पूर्व विधायक रामाशीष यादव,जिला उपाध्यक्ष रामकुमार यादव, राजेंद्र यादव, जिला उपाध्यक्ष सीतामढ़ी मो.शाकिर हुसैन,युवा नेता आरिफ जिलानी अंबर,जिला प्रवक्ता इंद्रजीत राय,मौजूद रहे। बैठक में युवा राजद को और धारदार एवं सशक्त बनाने के साथ ही युवा राजद द्वारा प्रत्येक बुथ पर 4 सदस्यीय कमिटी बनाने का निर्णय लिया गया। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी प्रसाद यादव के द्वारा द्वारा उपमुख्यमंत्री रहते

17 महीनों में किये गये कार्य एवं महिलाओं को 2500 रुपए प्रतिमाह, 200 युनिट बिजली फ्री, दिव्यांगों, विधवा, माता, बहन व बुजुर्गों को 400 के बदले 1500 रुपए एवं स्मार्ट मीटर से छुटकारा दिलाने की घोषणा को हर घर तक पहुंचाने पर चर्चा किया गया वहीं कमरतोड़ मंहगाई, विधानसभा चुनाव और संगठन की मजबूती को लेकर विशेष चर्चा की गई। बैठक को संबोधित करते हुए प्रदेश महासचिव सह जिला प्रभारी मनोज कुमार यादव ने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार के दो भाई बेरोजगारी और महंगाई हैं। लोग बेतहाशा महंगाई से परेशान है। मगर मोदी सरकार को इन सबसे कहां फर्क पड़ता है ? मोदी सरकार ह्यबांटो और राज करोह्न तथा ईडी और सीबीआई के दुरुपयोग में लगी हुई है। जिला अध्यक्ष इंद्रभूषण यादव ने कहा मोदी सरकार के द्वारा छात्र युवा किसान मजदूरों के विरुद्ध नीतियां बनाई जा रही है। सभी जन हितैषी योजनाएं धीरे-धीरे समाप्त की जा रही है। केंद्र सरकार की गलत नीतियों के कारण देश में महंगाई और बेरोजगारी दिनों दिन बढ़ती ही जा रही है। उन्होंने कहा की धार्मिक आधार पर लोगो के बीच नफरत फैलाई जा रही है। युवा नेता आरिफ जिलानी अंबर ने कहा देश में जबतक बेरोजगारी दूर नहीं होगी, तबतक देश विकास नहीं करेगा। उन्होंने कार्यकताओं व नेताओं से सरकार के किये गये कार्यों व केन्द्र सरकार के गलत नीतियों को जन जन तक पहुंचाने की अपील की।बैठक में युवा प्रदेश सचिव ओमप्रकाश यादव, प्रखंड अध्यक्ष अशोक यादव, गौरी शंकर यादव, मिश्रीलाल यादव, मो. अशरफ , नगर अध्यक्ष पप्पू यादव, लालाबाबू यादव उर्फ त्रिवेणी यादव,अशोक यादव,शंकर यादव, सतीश कुमार यादव,बीरू झा, रंजीत कुमार,अजित कुमार मंडल, अभिमन्यु कुमार,सीताराम पासवान,मो. अकबर, मो.शकील, मो. सदाम, मो.रिजवान, मनोज यादव,सुरेंद्र कुमार चौधरी दीपक अहीर,अमरनाथ कुमार सहित अन्य उपस्थित थे।

एक शाम शहीदों के नाम सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
चंद्रकिशोर पासवान

बखरी/बेगूसराय सशस्त्र झंडा दिवस के अवसर एक शाम शहीदों के नाम सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन बखरी अनुमंडल प्रशासन के द्वारा स्थानीय उच्च विद्यालय शकरपुरा परिसर में किया गया।कार्यक्रम में पटना से आये कलाकारों द्वारा प्रस्तुत देश भक्ति नगमों ने उपस्थित श्रोताओं को देशभक्ति से ओतप्रोत कर झूमने पर मजबूर कर दिया।कार्यक्रम की शुरूआत अनुमंडल पदाधिकारी सन्नी कुमार सौरव,गृह विभाग के क्षेत्रीय अधिकारी राजेश वर्मा,मुख्य

पार्षद गीता देवी कुशवाहा,उपमुख्य पार्षद ज्ञानती देवी,उपप्रमुख रूबी देवी कुशवाहा,पार्षद उमेश पाठक ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया।तत्पश्चात एसडीएम सन्नी कुमार सौरव के द्वारा गृह विभाग के क्षेत्रीय अधिकारी राजेश वर्मा का पुष्प गुच्छ और माला पहनकर स्वागत कर कार्यक्रम का आगाज किया।आकाशवाणी,दूरदर्शन एवं अन्य जगहों से आये चर्चित कलाकारों में गायक बृजेश कुमार, अशोक कुमार,गायिका साधना झा ने देशभक्ति गीतों की जो शमा बांधी लोग झूम उठे।इस दौरान कार्यक्रम में शामिल लोगों के मांग पर एसडीएम सन्नी कुमार सौरव के द्वारा गाए गए मेरे भींगी भींगी सी अनामिका तू भी तरसे गीत ने कार्यक्रम में चार चांद लगाने का काम किया।मंच संचालन कर रहे शशि सिंहा के हास्य एवं व्यंग ने श्रोताओं को हंसने एव गम्भीर होने दोनों के लिए मजबूर किया।कार्यक्रम के दौरान गढ़पुरा के स्वतंत्रता सेनानी राम नारायण सिंह के पुत्र नरेंद्र कुमार सिंह तथा बखरी ध्यानचक्की निवासी शहीद पिंटू कुमार सिंह के बड़े भाई मिथलेश कुमार सिंह को अनुमंडल पदाधिकारी श्री संत्री कुमार सौरभ व बखरी अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी श्री कुंदन कुमार सम्मानित किया गया।वहीं कार्यक्रम के अंत में एसडीएम ने ससशत्र झंडा दिवस के मौके पर जिले एवं अनुमंडलों में इस कार्यक्रम के आयोजन के उद्देश्य को बताया तथा देश के विभिन्न सीमाओं पर सरहद की रक्षा में शहीद जवानों के परिवारों को इस कार्यक्रम के आयोजन से अर्जित आय के माध्यम से आर्थिक सहयोग देने की बातें कही।मौके पर नावकोठी बीडीओ चिरंजीव पांडे,सीओ सूरज कुमार बिहार के चर्चित मुखिया राष्ट्रपति कुमार बीपीआरओ निधि प्रिया,एलईओ मेघा,गढपुरा बीडीओ हरिमोहन कुमार,सीओ राजन कुमार,बीपीआरओ समीक्षा झा ,थानाध्यक्ष मनोज कुमार,बीएओ ओम प्रकाश यादव,बखरी सीओ राकेश कुमार चौधरी,बीपीआरओ कुमार सानू,एमओ स्वामी आदि मौजूद थे।

मकसदे ज़िन्दगी

मोहम्मद कयामुद्दीन कासमी इमामो खतीब जामा मस्जिद बरौनी का पैगाम

प्रखंड संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
साहिल अंसारी

बेगुसराय/बरौनी ज़िन्दगी अल्लाह रब्बुलआलमीन की जानिब से मिलने वाली एक अजीम तोहफ़ा है,जिस की कद्र हर व्यक्ति को होनी चाहिए, यह केवल एक ही बार मिलती है और मौत आने पर अंत और समाप्त हो जाती है, दुबारा फिर नहीं मिलती ।

जीवन में आदमी जो कुछ करना चाहे बा आसानी कर सकता है लेकिन यह जेहन में रहे कि मरने के बाद कर्मों का फल मिल कर रहेगा,अच्छे कर्मों का अच्छा और बुरे कर्मों का बुरा, आदमी इरादा व एख्तियार से दोनों की अपने अंदर सलाहय़ित रखता है।

इन्सान खुदी में गौर करे कि हम कियूं पैदा हुएऔर हमारे आने का किया मकसद है ?

तो यकीनन जवाब मिलेगा कि पैदा करने वाले बेहतर जानें !कि हमें क्यों और किस लिए पैदा किये? उसी

खालिको मालिक ने अपने पाक कलाम में इरशाद फरमाया,जिसका मफहूम कुछ यूं है "कि हम ने इन्सान और जिन्नात को अपनी बंदगी के वास्ते पैदा किया है " बंदगी किया है? बंदगी अल्लाह की मर्जी और उसकी खुशनूदी पर खुदी को वक़्फ और हवाले कर देना उसके अहकाम पर अमल पैरा होना, मनहियात से रुकना ,उसकी रजा पर राजी और नाराजगी से किनारा कशी एख़्तयार करना है।अगर इस तरह इन्सान

ज़िन्दगी अल्लाह रब्बुलआलमीन की जानिब से मिलने वाली एक अजीम तोहफ़ा है,जिस की कद्र हर व्यक्ति को होनी चाहिए, यह केवल एक ही बार मिलती है और मौत आने पर अंत और समाप्त हो जाती है, दुबारा फिर नहीं मिलती

अपनी ज़िंदगी बिता कर मरे तो मरने के बाद कोई पछतावा और अफसोस नहीं होगा , बल्कि हर तरह.की खुशी और मसर्रत होगी और खुदा की तरफ से इजाजो इकराम के साथ जन्नत की शक्ल में एक बड़ा इनाम हासिल करेगा, जहां हर तरह की सुहूलत और आसानी होगी और हर नेमत मयस्सर होगी ।

अल्लाह पाक हम सभों को सही रास्ते पर चला कर दोनों जहान में कामयाबी से हमकिनार करे। आमीन सुम्मा आमीन या रब्बल आलमीन.... दुआओं का तालिब:बंदा मोहम्मद कयामुद्दीन कासमी 10/01/2025 दिन जुमा ,समयः11.20 सुबह

जनसुराज के कार्यकताओं ने बरौनी में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का किया पुतला दहन.

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
साहिल अंसारी

बरौनी, बेगूसरायबी पी एस सी छात्रों के ऊपर पुलिस लाठीचार्ज करने, प्रशांत किशोर को पुलिस द्वारा गिरफ्तार करने के विरोध में गुरुवार को बरौनी नगर इकाई के जनसुराज के कार्यकताओं ने वाटिका चौक बरौनी के पास बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का पुतला दहन. इस मौके पर री बी पी एस सी परीक्षा लेने की मांग की गई. वहीं नीतीश कुमार के विरुद्ध जमकर नारेबाजी की गई. पुतला दहन से पूर्व फूलवड़िया बाजार बरौनी से कार्यकताओं ने गजे बाजे के साथ मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का पुतला लिए नारेबाजी करते हुए सब्जी मंडी रोड, मिचीर्या चौक, राजेंद्र रोड होते हुए वाटिका चौक पहुँच नीतीश कुमार का पुतला दहन किया गया. पुतला दहन कार्यक्रम को देखते हुए फूलवड़िया थानाध्यक्ष दिवाकर प्रसाद सिंह पुलिस पदाधिकारी व पुलिस बल के साथ मौके पर मौजूद रहे. मौके पर कुमार गौतम ,रिजवान उस्मानी राजनीश चौधरी, सुंधाशु कुमार, विंग कमांडर रंजीत कुमार , अमरीश जी , बेगुसराय नगर अध्यक्ष रणजीत कुमार, तेघड़ा प्रखण्ड अध्यक्ष कृष्ण मोहन सिंग , प्रदेश युवा महा सचिव कन्हैया कुमार भारद्वाज, अविनाश कुमार शील बाबू , मो० अब्बास बरौनी नगर सचिव, मो० मुर्तजा आलम, पार्षद प्रतिनिधि वार्ड-5, राकेश यादव पार्षद प्रतिनिधि वार्ड-23, अजीत कुमार पार्षद वार्ड-22, सल्लो ठाकुर पार्षद प्रतिनिधि वार्ड-18, राजन कुमार पार्षद प्रतिनिधि वार्ड-17 दर्जनों कार्यकर्त्ता शामिल हुए.

बखरी में बभइन-निशिहरा के बीच पुल निर्माण की उम्मीद, ग्रामीणों में खुशी की लहर

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

बखरी (बेगूसराय)।बखरी प्रखंड के बभइन (चकदुल्लह) और निशिहरा के बीच चन्द्रभागा नदी पर पुल निर्माण की संभावना को लेकर ग्रामीणों में उत्साह है। इस पुल के बनने से बेगूसराय और खगड़िया जिलों के उपेक्षित क्षेत्रों को एक-दूसरे से जोड़ने में मदद मिलेगी। ग्रामीणों का मानना है कि पुल बनने से बखरी बाजार जाने के लिए खगड़िया जिले के बहादुरपुर-अलौली मार्ग से होकर जाने की आवश्यकता नहीं होगी और वाहन आसानी से शॉटकट बायपास से गुजर सकेंगे।पुल के निर्माण से बभइन से बखरी जाने के लिए रेलवे पुल से पैदल पार करने की जोखिम से भी छुटकारा मिलेगा। पहले कई लोग चन्द्रभागा नदी पार करते हुए रेलवे पुल का उपयोग करते थे, जिससे जानमाल का नुकसान हुआ था। इस मुद्दे को लेकर बभइन के लोगों ने कई बार वोट बहिष्कार की भी घोषणा की थी, लेकिन प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा समझाने के बाद मतदान प्रक्रिया जारी रही।विधानसभा चुनाव में विधायक सूर्यकांत पासवान ने ग्रामीणों से पुल निर्माण का वादा किया था, जिसे अब उनके अथक प्रयासों से पूरा करने की उम्मीद है। आज इस पुल के निर्माण के लिए सर्वे कार्य की शुरूआत की गई। सर्वे कार्य कर रहे सहायक अभियंता राकेश कुमार और सर्वेयर रितेश कुमार ने बताया कि कागजी कार्यवाही को तेजी से पूरा करते हुए पुल निर्माण कार्य शीघ्र प्रारंभ किया जाएगा।ग्रामीणों में पुल निर्माण के लिए खुशी की लहरसर्वे कार्य के दौरान बभइन और चकदुल्लह के ग्रामीणों, जैसे श्यामदेव महतो, जयजयराम महतो, रामदेव महतो, ने खुशी व्यक्त करते हुए विधायक सूर्यकांत पासवान का आभार जताया। इस परियोजना से न केवल क्षेत्रवासियों को राहत मिलेगी

कड़ाके की ठंड में बेसहारों को राहत देने के लिए नेकी की दीवार का शुभारंभ

वरिष्ठसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
चंद्रकिशोर पासवान

बखरी, बेगूसराय ' मानव सेवा सबसे बड़ा पुण्य कार्य है, और इसी उदेश्य से बखरी में युवा मोर्चा द्वारा "नेकी की दीवार" का उद्घाटन किया गया, जिसका लक्ष्य ठंड में बेसहारों को राहत पहुंचाना है। इस पहल के तहत जरूरतमंद लोग बिना किसी शुल्क के गर्म कपड़े प्राप्त कर सकेंगे।उद्घाटन समारोह में बखरी एसडीएम सन्नी कुमार सौरभ ने कहा कि कड़ाके की ठंड में गरीब और जरूरतमंदों के लिए जीवन बेहद कठिन हो जाता है। "नेकी की दीवार" एक अनूठा प्रयास है जो ऐसे लोगों को राहत प्रदान करेगा। उन्होंने इस पहल की सराहना करते हुए इसे समाज में सकारात्मक संदेश देने वाला कदम बताया।इस अवसर पर भाजयुमो नगर अध्यक्ष प्रिंस सिंह परमार, आरएसएस जिला संचालक मनोरंजन वर्मा, डॉ. अशीत और डॉ. मनीष ने भी अपने विचार व्यक्त किए। मनोरंजन वर्मा ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इसे हर क्षेत्र में फैलाने की आवश्यकता है ताकि गरीबों को ठंड से बचाया जा सके। वहीं, डॉ. अशीत ने नागरिकों से अपील की कि वे अपनी अनुपयोगी वस्त्र और जरूरत की चीजें नेकी की दीवार के माध्यम से दान करें।समारोह में भाजपा अल्पसंख्यक जिला अध्यक्ष परवेज आलम, भाजपा नेता विनोद शर्मा, अमर कुमार राजा, प्रियांशु सिंह रघुवंशी, भाजयुमो नगर उपाध्यक्ष मनीष कुमार, रोशन कुमार गुप्ता, भाजयुमो महामंत्री अनुराग केसरी, रविंद्र सहनी, सुभाष कुमार, विनोद कुमार, अमित कुमार और अंकित कुमार सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।"नेकी की दीवार" इस कड़ाके की ठंड में गरीब और जरूरतमंदों के लिए एक आशा की किरण बनेगी।

अपनी चुनावी यात्रा पर झूठे वादों के जरिए जनता को लुभाने निकलेंगे तेजस्वी यादव :- अरविन्द सिंह

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

पटना, 10 जनवरी :- भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश पर प्रवक्ता अरविन्द कुमार सिंह ने कहा है कि चारों विधानसभा उप चुनाव में करारी हार के बाद आगामी 2025 विधानसभा में अपनी प्रत्यक्ष हार को देखते हुए अपनी चुनावी योजनाओं को लेकर जनता को लुभाने के लिए चुनावी यात्रा पर निकलेंगे श्री तेजस्वी यादव। सत्ता प्राप्ति के लिए कुछ भी जनता को फ्री में देने का घोषणा करेंगे, बाद में उन योजनाओं को पूरा करने के लिए जनता के गाढ़ी कमाई का घोटाला करेंगे। और अपना मौल, जमीन खरीदेंगे। बिहार में पुणः एक बार अपराधियों का बोलबाला होगा और माफिया सिंडिकेट को बढ़ावा देने का वादा करेंगे।

श्री अरविन्द ने कहा कि जिस राजद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के शासनकाल में लोग शाम ढलते घर से बाहर निकलने से पहले कई बार सोचते थे। बच्चों के शिक्षा के लिए स्कूल के नाम पर चरवाहा विद्यालय खोल कर रख दिया गया था।

वह आज यात्रा के जरिए लोक लुभावने प्रवचन करेंगें। और उनके हितों की बात के नाम पर अपनी यात्रा के माध्यम से चुनावी जुमला फेक कर हवाबाजी करेंगे। जिनके राष्ट्रीय अध्यक्ष के शासन काल में न जाने कितने गरीबों और व्यापारियों को बिहार छोड़ना पड़ा था। बिहार के विद्यार्थियों का प्रतिभाओं का दमन राजद शासनकाल के जंगलराज के कारण हुआ था।

श्री तेजस्वी यादव जी श्री लालू प्रसाद जी के जंगल राज्य के ही उपज है। अपने पिता से घपले घोटाले का सारा हुनर सीख चुके हैं। अपराधी माफियाओं घपले घोटाले को बढ़ावा देने का ट्रेनिंग अपने पिता से लें चुके है इसलिए बिहार की जनता यह जानती है कि "शिकारी आएगा, जाल बिछाएगा, दाना डालेगा, लोभ से फसना मत" उनके यात्रा से बिहार में राजनैतिक रूप से कोई फर्क नहीं पड़ने वाला है।

डॉ. दिलीप जायसवाल ने एनडीए के अन्य सभी घटक दलों के प्रदेश अध्यक्षों के साथ एनडीए कार्यकर्ता सम्मेलन रथ को झंडा दिखाकर किया रवाना

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

- एनडीए एकजुट, जीतेंगे 225 से ज्यादा सीट : डॉ. दिलीप जायसवाल

पटना, 10 जनवरी । बिहार भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सह बिहार के राजस्व और भूमि सुधार मंत्री डॉ . दिलीप जायसवाल आज एनडीए के अन्य सभी घटक दलों के प्रदेश अध्यक्षों के साथ एनडीए कार्यकर्ता सम्मेलन रथ को पटना से झंडा दिखाकर रवाना किया।

सभी प्रदेश अध्यक्षों ने एनडीए को मजबूत बनाने का आह्वान किया।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल ने जदयू प्रदेश कार्यालय के बाहर आयोजित रथ रवाना कार्यक्रम में कहा कि 15 जनवरी से संयुक्त रूप से बिहार में एनडीए कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है।इसी सम्मेलन को लेकर एनडीए कार्यकर्ता सम्मेलन रथ को रवाना किया गया है। उन्होंने बताया कि इस सम्मेलन में एनडीए पदाधिकारियों से लेकर कार्यकर्ता तक सब मिलकर एनडीए को सशक्त बनाने के लिए रणनीति तैयार करेंगे और सम्पूर्ण बिहार का जनसमर्थन एनडीए गठबंधन के लिए अर्जित करेंगे।

इस मौके पर जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा, लोजपा (रामविलास) के प्रदेश अध्यक्ष राजू तिवारी समाहित राष्ट्रीय लोक मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष और हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष भी उपस्थित थे।

भाजयुमो ने किया केजरीवाल का पुतला दहन

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

पटना, 10 जनवरी भारतीय जनता युवा मोर्चा कार्यकताओं द्वारा आयकर गोलंबर के पास उत्तर प्रदेश-बिहार के नागरिकों को फर्जी वोटर बताने वाले पूर्वांचल विरोधी अरविंद केजरीवाल के विरोध में नारेबाजी करते हुए पुतला दहन कर आक्रोश व्यक्त किया। इस अवसर पर भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष भारतेंदु मिश्रा ने कहा कि आम आदमी पार्टी ने कभी भी उत्तर प्रदेश-बिहार के लोगों की मदद नहीं की, वोट मांग सत्ता में आए लेकिन सत्ता मिलते ही बस यूपी-बिहार के भाई-बहनों को केवल अपमानित किया। केजरीवाल ने बिहार के लोगों पर फर्जी वोटर होने का आरोप लगा कर न केवल अपनी घटिया मानसिकता का परिचय दिया है बल्कि ये साबित भी कर दिया है कि आप आदमी पार्टी बिहार और उत्तर प्रदेश के लोगों से नफरत करती है। केजरीवाल और आम आदमी पार्टी द्वारा बार-बार पूर्वांचली समाज का अपमान बेहद शर्मनाक है और आने वाले चुनाव में इस अपमान का बदला स्वाभमानी पूर्वांचली समाज 5 फरवरी को अपने मत के माध्यम से लेकर रहेगा।इस मौके पर भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष भारतेंदु मिश्रा, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मनीष सिंह, प्रदेश महामंत्री सीमांत शेखर, उपाध्यक्ष जितेंद्र सिंह, कुलभूषण, प्रदेश मीडिया प्रभारी दानिश इकबाल, सह मीडिया प्रभारी अमित प्रकाश बबलू, प्रभात मालाकार, शिवम सिंह, महानगर अध्यक्ष मयंक जायसवाल, सुजीत पासवान, राहुल देव, शशि शेखर, मुकेश यादव, सनी मिक्की आदि उपस्थित रहें।

रहे। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल ने कहा कि इस सम्मेलन का उद्देश्य कार्यकताओं में समन्वय स्थापित करना है। उन्होंने दावा करते हुए कहा कि इस साल होने वाले विधानसभा चुनाव में हम सभी एनडीए के घटक दल न केवल मिलकर मजबूती से चुनाव मैदान में उतरेंगे, बल्कि 225 से ज्यादा सीट जीतकर फिर से सरकार बनाएंगे।

नंदिनी बार: कराटे में उत्कृष्टता की मिसाल

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

कोलकाता (पश्चिम बंगाल) नंदिनी बार ने कराटे के क्षेत्र में अपना नाम स्वर्ण अक्षरों में दर्ज करा लिया है। वर्ल्ड अमेच्योर शोतोकान कराटे फेडरेशन ऑफ इंडिया की यह प्रतिभाशाली ब्लैक बेल्ट धारक अपने खेल में लगातार नई ऊंचाइयों को छू रही हैं। नंदिनी को कराटे की बारीकियां सिखाने वाले कोई और नहीं, बल्कि फेडरेशन के अध्यक्ष और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध प्रशिक्षक क्योशी सुमन रॉय हैं। उनके कुशल मार्गदर्शन ने नंदिनी को कराटे की गहराई तक पहुँचने और अपनी प्रतिभा को निखारने का अवसर दिया है।

कराटे में नंदिनी की चमचमाती उपलब्धियां

नंदिनी ने अपने कठोर परिश्रम और अद्भुत समर्पण के बल पर कराटे के क्षेत्र में अद्वितीय उपलब्धियां हासिल की हैं। उनके घर की अलमारियां ट्रॉफियों और पदकों से भरी हुई हैं, जो उनकी मेहनत और लगन का साक्ष्य हैं। नंदिनी ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लेकर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। उनकी हर जीत ने उन्हें एक नई पहचान दी है और उन्हें देश-विदेश में सम्मान दिलाया है।

क्योशी सुमन रॉयः नंदिनी की सफलता के आधार

कराटे के क्षेत्र में क्योशी सुमन रॉय का नाम एक महान गुरु के रूप में लिया जाता है। उन्होंने न केवल नंदिनी को शारीरिक तौर पर सशक्त किया, बल्कि मानसिक रूप से भी उन्हें हर चुनौती का सामना करने के लिए तैयार किया। उनकी गहन प्रशिक्षण शैली और प्रेरक व्यक्तित्व ने नंदिनी को एक बेहतर खिलाड़ी और अनुशासित व्यक्ति बनाया है।

नंदिनी की कहानीः प्रेरणा का स्रोत

नंदिनी बार की सफलता सिर्फ उनके परिवार या समुदाय के लिए गर्व का विषय नहीं है, बल्कि यह कहानी उन युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा है, जो अपने सपनों को साकार करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। नंदिनी की कहानी यह सिखाती है कि सही मार्गदर्शन और कड़ी मेहनत से बड़ी से बड़ी ऊंचाइयों को हासिल किया जा सकता है।

निष्कर्ष

नंदिनी बार का संघर्ष और उनकी उपलब्धियां हमें यह संदेश देती हैं कि खेल न केवल आत्म-विश्वास को बढ़ाते हैं, बल्कि जीवन को अनुशासन और सकारात्मकता से भर देते हैं। उनकी सफलता भारत के हर कोने में नई प्रतिभाओं को कराटे और अन्य खेलों के प्रति प्रेरित करेगी।

नंदिनी बार की कहानी एक रोशनी का दीपक है, जो हर युवा के मन में आशा और आत्म-विश्वास का संचार करती है।

महिला क्रिकेट टूनार्मेंट का भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल ने किया उद्घाटन

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

- भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने टूनार्मेंट में भाग लेने वाली खिलाड़ियों को दी शुभकामनाएं, बेहतर खेल दिखाने का जताया भरोसा
- पूर्व उप मुख्यमंत्री सुशील मोदी सेवा सप्ताह के तहत भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल ने स्वच्छता अभियान में किया श्रमदान
- राजेंद्र नगर स्थित अतिविशिष्ट नेत्र विज्ञान केंद्र में भाजपा अध्यक्ष ने सफाईकर्मियों एवं मरीजों के बीच किया फल वितरण
- पूर्व उप मुख्यमंत्री सुशील मोदी ने राजनीति में भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई लड़ने का दिखाया मार्ग : डॉ. दिलीप जायसवाल

पटना, 10 जनवरी। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सह बिहार के राजस्व और भूमि सुधार मंत्री डॉ. दिलीप जायसवाल आज पूर्व उप मुख्यमंत्री सुशील मोदी की जयंती के उपलक्ष्य में चलाए जा रहे सेवा सप्ताह के तहत विभिन्न कार्यक्रमों में हिस्सा लिया। उन्होंने राजेन्द्र नगर शाखा मैदान में आज से प्रारंभ महिला क्रिकेट टूनार्मेंट का उद्घाटन किया तो अतिविशिष्ट नेत्र विज्ञान केंद्र पहुंचकर सफाईकर्मियों एवं मरीजों के बीच फल वितरण किया तथा स्वच्छता अभियान में श्रमदान किया।भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल आज पूर्व उप मुख्यमंत्री सुशील मोदी को जन्मजयंती के मौके पर आयोजित सेवा सप्ताह के तहत राजेंद्र नगर स्थित अतिविशिष्ट नेत्र विज्ञान केंद्र पहुंचे। यहां उन्होंने सफाईकर्मियों और मरीजों से मुलाकात की और उनका हालचाल जाना। इस दौरान उन्होंने सफाईकर्मियों और मरीजों के बीच फल का भी वितरण किया इसके बाद भाजपा अध्यक्ष ने परिसर में स्वच्छता अभियान के तहत श्रमदान किया और लोगों को स्वच्छता का संदेश दिया। उन्होंने इस दौरान उपस्थित लोगों को महात्मा गांधी के स्वच्छ और स्वास्थ्यवर्धक वातावरण वाले भारत के निर्माण के सपने को साकार करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने खुद झाड़ू उठाकर स्वच्छ भारत अभियान को पूरे राष्ट्र के लिए एक जन-आंदोलन का रूप दिया है।भाजपा अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल उपस्थित लोगों से भी अन्य लोगों को स्वच्छता के लिए प्रेरित करने का आह्वान किया। इस मौके पर विधायक अरुण कुमार सिन्हा, प्रदेश मंत्री संजय गुप्ता, जिलाध्यक्ष अभिषेक कुमार एवं अन्य गणमान्य जन उपस्थित रहे।भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल पटना स्थित राजेंद्र नगर शाखा मैदान में बिहार के भूतपूर्व उप मुख्यमंत्री सुशील मोदी की जयंती के उपलक्ष्य में चलाए जा रहे सेवा सप्ताह के तहत आयोजित महिला क्रिकेट टूनार्मेंट का भी उद्घाटन किया।

दिल्ली में सरकार बनते महाकुंभ के तर्ज पर छठ महापर्व के लिए जिला बनाएगी कांग्रेस: डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

- बीजेपी अध्यक्ष नड्डा का बिहारियों की तुलना रोहिंग्या और बांग्लादेशियों से करना गलत : डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह

पटना. शुक्रवार, 10 जनवरी, 2024 दिल्ली विधानसभा चुनाव को लेकर बिहार कांग्रेस के अध्यक्ष डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह ने कांग्रेस के दिल्ली मुख्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के दिल्ली में बसे बिहारियों की तुलना रोहिंग्या और बांग्लादेशी घुसपैठियों से किए जाने पर कड़ी निंदा की है। साथ ही आयुष्मान कार्ड योजना के तहत उनके बयान को भी लेकर तल्ख तेवर में दिखें और उन्होंने कहा कि बीजेपी के अध्यक्ष के द्वारा यह कहना कि 500 के टिकट में 5 लाख का इलाज करा के दिल्ली से जाने वाले बिहारियों और पूर्वांचल के लोगों को दिल्ली में भाजपा की सरकार बनानी चाहिए ये वैसा है जैसे देश में कोई कानून नाम की चीज नहीं है। इस बयान के साथ बिहारियों को घुसपैठियों से तुलना करने को उन्होंने देशद्रोही बयान करार दिया।बिहार कांग्रेस के अध्यक्ष डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह ने कहा कि दिल्ली में बसे पूर्वांचल और बिहार के लोगों के प्रति शीला दीक्षित ने जितना काम किया उसे कांग्रेस पार्टी सरकार बनते आगे बढ़ाएगी और स्वर कोकिला दिवंगत लोकगायिका शारदा सिन्हा के नाम पर दिल्ली में छठ महापर्व पर महाकुंभ के तर्ज पर यमुना के किनारे छठ को समर्पित जिला का निर्माण करेगी।

सरकार के साथ अवाम को भी उर्दू की तरक्की में आगे आना होगा: डीएम शकील हैदर, वरिष्ठ संवाददाता, छपरा

वरिष्ठसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
शकील हैदर

छपरा: भाषा हमें सभ्य बनाती है. उर्दू किसी कौम की नहीं बल्कि विशुद्ध भारत की भाषा है. उक्त बातें जिला पदाधिकारी अमन समीर ने मंत्रिमंडल सचिवालय विभाग उर्दू निदेशालय के तत्वाधान में डीआरडीए सभागार में आयोजित फरोग-ए-उर्दू सेमिनार सह मुशायरा एवं कार्यशाला का उद्घाटन करते हुए कहा. उन्होंने इस भाषा को लेकर दुर्भावना को दूर करने की आवश्यकता है. जिला उर्दू भाषा कोषांग हर माह इस प्रकार के कार्यक्रम आयोजित करे ताकि ज्ञान का आदान प्रदान हो सके. डीएम ने लोगों से अपील किया कि रोजमर्रा की जिंदगी में उर्दू को शामिल करें. इंग्लिश और हिंदी भाषा की तरह उर्दू जबान की नियमित तालीम आवश्यक है. तभी सही मायने में उर्दू भाषा का विकास संभव हो सकेगा. उन्होंने कहा कि भाषा की तरक्की के लिए सरकार द्वारा हर साल इस तरह का आयोजन किया जाता है. ताकि आम लोगों द्वारा अन्य भाषाओं की तरह उर्दू को भी बढ़ावा मिल सके. इससे पूर्व कार्यशाला का विधिवत उद्घाटन दीप प्रज्वलित कर किया गया. कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डीडीसी यतींद्र कुमार पाल ने कहा कि आईएएस की ट्रेनिंग के दौरान मैंने उर्दू सीखा. कहा कि उर्दू 800 साल पुरानी जबान है. द्वितीय राजभाषा का दर्जा मिलने के बाद भी उर्दू की तरक्की जितनी होनी चाहिए थी नहीं हो पायी है. उन्होंने कहा कि आम लोग आज उर्दू जबान को अहमियत नहीं दे पा रहे हैं. यह भाषा आपकी बातों में असर पैदा करती है. अतिथियों का स्वागत करते हुए उप निर्वाचन पदाधिकारी जावेद एकबाल ने विषय प्रवेश कराया. उन्होंने कहा कि उर्दू के बल पर आला मुकाम हासिल कर सकते हैं. उन्होंने आम लोगों से प्रतियोगिता परीक्षाओं में उर्दू विषय को चयन करने की जरूरत जताया. उन्होंने ने कहा कि अल्पसंख्यक बहुल क्षेत्र में भी उर्दू भाषा को तवज्जो नहीं दी जा रही है. उन्होंने भाषा की तरक्की के लिए आम बोल-चाल में इसके अधिक से अधिक उपयोग करने की आवश्यकता पर बल दिया. उर्दू को मोहब्बत की मुकम्मल जबान बताते हुए कहा कि उर्दू पढ़ने लिखने वालों में कमी है. इंटरनेट पर सैकड़ो रुपए खर्च किया जा रहा है. लेकिन इस भाषा पर खर्च करने से लोग कतराते हैं. आज के परिवेश में जरूरत है इस जबान को बढ़ावा देने की. उन्होंने कहा कि उर्दू मादरी जबान होते हुए भी आम इंसान में उर्दू के प्रति मोहब्बत में कमी है. उन्होंने कहा कि सरकार तो प्रयास कर रही है. समाज को भी इसके लिए आगे आना होगा. तभी उर्दू भाषा की तरक्की होगी. उन्होंने कहा कि इस प्रोग्राम से आम लोगों को सीख लेने की आवश्यकता है. कार्यक्रम में बंदोबस्त पदाधिकारी संजय कुमार, जिला अल्पसंख्यक पदाधिकारी कमरे आलम, जिला खेल पदाधिकारी मो शमीम अंसारी, निदेशक एनईपी सुमिता कुमारी आदि उपस्थित थे. जिला उर्दू भाषा कोषांग प्रभारी पदाधिकारी सरवत जहां ने कहा कि उर्दू जबान गंगा-जमुनी तहजीब की भाषा है. इस भाषा की तरक्की को लेकर हम सबों को मिलकर प्रयास करने की जरूरत है. उन्होंने कहा कि जब तक मेरा इस जिला में कार्यकाल रहेगा. उर्दू की तरक्की के लेकर हर संभव प्रयास किया जाएगा. पूर्व में उन्होंने अतिथियों को गुलदस्ता, अंग वस्त्र और प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया. कार्यक्रम में डेलीगेट के रूप में संबोधित करते हुए डॉ लालबाबू यादव उर्दू जबान के उद्भव पर विस्तार से प्रकाश डाला. अन्य डेलीगेट में प्रो सलाम अंसारी एवं मो शारिफ ने तथा प्रो अलाउद्दीन खान, जुनैद मीर और वलीउल्लाह कादरी ने आलेख पाठ किया. इस अवसर पर मुशायरा का भी आयोजन किया गया. जिसमें डॉ मोअज्जम अज्म, प्रो शमीम परवेज, बैतुल्लाह बैत छपरवी, प्रो शकील अनवर, डॉ ऐनुल बरौलवी, प्रो मजहर किबरिया, शाहिद जमाल, जाहिद सिवानी, डॉ समी बहुआरवी, डॉ समद भयंकर और बैतुल्लाह छपरवी आदि ने कलाम पेश कर लोगों का मनोरंजन किया. कार्यक्रम में समाजसेवी अरशद परवेज मुन्नी, जदयू जिलाध्यक्ष अल्ताफ आलम राजू, जहांगीर आलम, गुड्डू खान, अमजद अली, नियाजउद्दीन, सैयद काजिम रिजवी, नदीम अख्तर सहित बड़ी संख्या में उर्दू के प्रेमी मौजूद थे.

उच्च शिक्षा में भारत केंद्रित दृष्टिकोण आवश्यक : प्रकाश चंद्र

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मुजफ्फरपुर / विद्या भारती की उत्तर बिहार प्रांत इकाई लोक शिक्षा समिति, बिहार के मुख्यालय स्थित सभागार में आयोजित एक बैठक में विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान के अखिल भारतीय उपाध्यक्ष प्रकाश चंद्र ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत उच्च शिक्षा में आवश्यक परिवर्तन पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने कहा कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत पाठ्यक्रम और पुस्तक लेखन पर विशेष जोर दिया जा रहा है। उन्होंने राष्ट्र हित में सोचने वाले संस्थानों के साथ मिलकर काम करने की आवश्यकता पर बल दिया ।बैठक की अध्यक्षता राजेंद्र कृषि विश्वविद्यालय पूसा के छात्र कल्याण पदाधिकारी डॉ. रमण त्रिवेदी ने की। इस अवसर पर भारती शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय, मुजफ्फरपुर के सचिव डॉ. ललित किशोर ने मुख्य अतिथि का परिचय कराया और आगंतुकों का स्वागत किया। वहीं लोक शिक्षा समिति के प्रदेश सचिव रामलाल सिंह ने आगंतुकों के प्रति आभार व्यक्त किया। बैठक में शामिल शिक्षाविदों को संबोधित करते हुए प्रकाश चंद्र ने अपील की कि वे राष्ट्रीय हित में वे सभी विद्वान भारत केन्द्रित नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति को सफल बनाने में सक्रिय भूमिका निभाएं। बैठक में मुख्य रूप से डॉ. रजनीश गुप्ता, डॉ. राजेश्वर, डॉ. विनोद बैठा, डॉ. तारण राय, डॉ. अमर बहादुर शुक्ला, डॉ. सत्य प्रकाश, डॉ. नीतेश कुमार, डॉ. सर्वेश्वर सिंह, डॉ. राकेश कुमार, डॉ. विकास कुमार, प्राचार्य राजेश वर्मा, अजय कुमार, मनोज वत्स, अंकज कुमार, अवधेश प्रसाद, प्रशांत कुमार, संतोष कुमार, लोक शिक्षा समिति के मंत्री सुबोध कुमार और संस्थापक सदस्य डॉ. सत्यनारायण गुप्ता उपस्थित रहे।

इस संबंध में जानकारी विद्या भारती के क्षेत्रीय प्रचार-प्रसार संयोजक नवीन सिंह परमार ने दी।

मैरवा की पाँच खिलाड़ी ऑल इंडिया अंतर विश्वविद्यालय फूटबाल चैम्पियनशिप हेतू ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय टीम में चयनित

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मैरवा । भारतीय विश्वविद्यालय खेल संघ द्वारा पंजाब में 11 से 16 जनवरी 2025 तक आयोजित ऑल इंडिया विश्वविद्यालय फुटबॉल चैंपियनशिप हेतु ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय की 20 सदस्यीय टीम में रानी लक्ष्मीबाई स्पोर्ट्स अकादमी की पांच खिलाड़ी चयनित हुई है ।रानी लक्ष्मीबाई स्पोर्ट्स अकादमी के निदेशक सह संस्थापक संजय पाठक ने बताया कि इन सभी खिलाड़ियों ने अक्टूबर 2024 में विश्वविद्यालय की ओर से खेलते हुए मणीपूर में ईस्ट जोन अंतर विश्वविद्यालय फुटबॉल चैंपियनशिप में तृतीय स्थान प्राप्त किया था जिसके फलस्वरुप ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय फुटबॉल टीम 20 वर्षों के बाद राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए क्वालीफाई किया है ।चयनित खिलाड़ियों में नीतू कुमारी, खुशी कुमारी, निभा कुमारी, शिबू कुमारी और प्रिया कुमारी शामिल है। चयनित सभी खिलाड़ी टीम के साथ पंजाब रवाना हो चुकी हैं ।पाठक ने बताया कि सभी खिलाड़ी बेगूसराय महिला कॉलेज में बी ए पार्ट वन की छात्रा है ।चयनित सभी खिलाड़ियों को जिला फुटबॉल संघ सिवान के सचिव उमाशंकर प्रसाद, रेफरी धर्मनाथ यादव पूर्व अध्यक्ष मोहम्मद फरीद, मोहम्मद शाहिद, आई एम ए सिवान के अध्यक्ष डॉ शशी भूषण सिंहा, सचिव डॉ शरद चौधरी, डॉ रामजी चौधरी, डॉ राम इकबाल प्रसाद गुप्ता ,डॉ रिता सिंहा, डॉ संगीता चौधरी, डॉ सत्य प्रकाश, डॉ अशोक कुमार, डॉ विनय पांडेय, डॉ आरती रानी पांडेय ,मुख्य संरक्षक डॉक्टर आर एन ओझा, आर एल बी एस ए फाउंडेशन के निदेशक राजीव लोचन मिश्रा,सलमा खातून,पुतुल कुमारी,अमृता कुमारी सहित कई अन्य लोगों ने चयनित खिलाड़ियों को बधाई दी है एवं मैच के लिए शुभकामनाएं दी हैं।

मुखिया प्रेमा देवी ने 700 गरीब लोगों को दिया कंबल और दरी

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के रोसड़ा प्रखंड के आदर्श ग्राम पंचायत राज मोतीपुर में शुक्रवार को मुखिया श्रीमती प्रेमा देवी के सौजन्य से सर्दी एवं शीतलहर को देखते हुए पंचायत के गरीब, विधवा, दिव्यांग, निःसहाय लोगों के बीच 700 कंबल एवं 700 दरी का वितरण किया गया। वितरण समारोह में रोसड़ा प्रखंड विकास पदाधिकारी राजेश कुमार, समाज सेवी रंजीत साहनी एवं सभी वार्ड सदस्य, पंचायत स्तरीय कर्मी उपस्थित थे। मुखिया श्रीमती प्रेमा देवी ने कहा कि हम अपने अभिवावकों, बुजुर्गों के लिए यह प्रयास किए हैं की सभी लोग शीतलहर से बचें, स्वस्थ्य रहें, सुरक्षित रहे, यही मै कामना करती हूं। इधर कंबल और दरी मिलने के बाद गरीब गुरबा, निःसहाय, विधवा एवं विकलांग लोग स्थानीय मुखिया प्रेमा देवी एवं मुखिया प्रतिनिधि रंजित सहनी को दुआएं दे रहे थे।

बिहार भाजपा प्रदेश भर में 11 जनवरी से 25 जनवरी तक चलाएगी संविधान गौरव अभियान

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. अबु बकर सिद्दीकी

- संविधान गौरव अभियान के तहत गोष्ठियों का होगा आयोजन : प्रेम रंजन पटेल
- स्कूल, कॉलेज सहित शिक्षण संस्थानों में 'हमारा संविधान हमारा स्वाभिमान' विषय पर क्विज, निबंध प्रतियोगिता का होगा आयोजन : प्रेम रंजन पटेल
- डॉ. बाबा साहब अम्बेडकर के सम्मान में पंचतीर्थ के निर्माण के साथ-साथ अनेकों प्रेरणात्मक कार्य प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में संभव हुआ : प्रेम रंजन पटेल
- संविधान गौरव अभियान समिति के संयोजक बने प्रेम रंजन पटेल

पटना, 10 जनवरी। बिहार भाजपा प्रदेश भर में 11 जनवरी से 25 जनवरी तक संविधान गौरव अभियान चलाएगी। इसके तहत कार्यकर्ता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संविधान की 75वीं गौरवशाली यात्रा पर संसद में दिए गए प्रेरणादायी भाषण को आम जनता तक पहुंचाएंगे, बल्कि कई तरह के कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जाएगा। भाजपा के प्रवक्ता और संविधान गौरव अभियान के संयोजक प्रेम रंजन पटेल ने इसकी घोषणा करते हुए आज यहां कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा के निदेर्शानुसार बिहार में 11 जनवरी से 25 जनवरी तक संविधान गौरव अभियान के अंतर्गत कई कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। इसके तहत प्रदेश की राजधानी एवं प्रमुख केन्द्रों पर गोष्ठियों का आयोजन किया जाएगा, जिसमें केन्द्र सरकार के मंत्रीगण एवं नेताओं का संबोधन होगा। इसके अलावा सभी जिला केन्द्रों में अनुसूचित जाति मोर्चा द्वारा 'हमारा संविधान-हमारा स्वाभिमान' पर गोष्ठियों का आयोजन किया जाएगा।उन्होंने बताया कि स्कूल, कॉलेज, विश्वविद्यालय एवं शिक्षण संस्थानों में 'हमारा संविधान हमारा स्वाभिमान' विषय पर क्विज, निबंध एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन होगा। यही नहीं भाजयुमो द्वारा अनुसूचित जाति छात्रावासों एवं कॉलेज संपर्क के माध्यम से युवाओं में भारत रत्न डॉ. बाबा साहब अम्बेडकर के योगदान और भाजपा की संविधान के प्रति प्रतिबद्धता को प्रचारित किया जाएगा।

विभिन्न जिलों में रैली एवं सभा का आयोजन किया जाएगा तथा 25 जनवरी, 2025 को सभी मंडलों पर पार्टी के कार्यकर्ता आमजन के साथ एकत्रित होकर भारतीय संविधान की प्रस्तावना एवं नीति निर्देशक तत्व को पढ़ेंगे और संक्षिप्त में इस पर चर्चा करेंगे।

इसके अलावा मीडिया एवं सोशल मीडिया में पार्टी के नेताओं के इंटरव्यू विद्वानों के पोडकास्ट ब्लॉग्स भी करना है।

श्री पटेल ने कहा कि इसके लिए प्रदेश से लेकर मंडल स्तर पर समिति का गठन कर लिया गया है। इस अभियान के लिए बनी समिति के संयोजक प्रेम रंजन पटेल को बनाया गया है जबकि समिति में लखेन्द्र पासवान, मनोज शर्मा, प्रमोद चन्दवंशी, मृत्युंजय झा और लाजवंती झा शामिल हैं।

उन्होंने कहा कि बाबा साहेब ने न्याय, समानता और सशक्तिकरण पर आधारित एक आदर्श राष्ट्र की परिकल्पना की थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा ने उनके विचारों को अपनाते हुए सामाजिक और आर्थिक सुधारों की दिशा में अनेक कदम उठाए हैं।

उन्होंने कहा कि डॉ. बाबा साहब अम्बेडकर के सम्मान में पंचतीर्थ के निर्माण के साथ-साथ अनेकों प्रेरणात्मक कार्य प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में संभव हुआ। भाजपा की सरकार ने ही 26 नवंबर को संविधान दिवस के रूप में मनाने की परंपरा शुरू की।

शहीद किशोर कुणाल वॉलीबॉल टूर्नामेंट का एसएसबी 71वीं बटालियन बना विजेता

एसएसबी सीमा सुरक्षा के साथ विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाएं कर रही है संचालित : पूर्व विधायक

वरिष्ठसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

सीतामढ़ी । एसएसबी 51वीं बटालियन द्वारा सामाजिक चेतना अभियान कार्यक्रम अंतर्गत शहीद किशोर कुणाल स्मृति वॉलीबॉल टूर्नामेंट का समापन मुख्य अतिथि पूर्व विधायक राम नरेश यादव द्वारा दीप प्रज्वलित व शहीद के फोटो पर माल्यार्पण कर किया गया ।कार्यक्रम में कमांडेट संजीव कुमार सिंह ने अपने संबोधन में शहीद किशोर कुणाल की जीवनी पर प्रकाश डालते हए उनकी वीरगाथाओं के बारे में चर्चा की ।उन्होंने बताया कि 26 जुलाई 2010 को 15 वीं बटालियन बोंगाईगांव आसाम में उग्रवादियों द्वारा घात लगाकर हमला के दौरान शहीद हो गए। शहीद किशोर कुणाल पटना इंदिरानगर निवासी श्री जगदीश ठाकुर के पुत्र हैं। वह 12 नवम्बर 2007 को सशस्त्र सीमा बल में सहायक कमांडेंट के पद पर तैनात हुए थे ।इस वॉलीबॉल टूर्नामेंट का आयोजन उन्हीं की वीरता की याद के उपलक्ष्य में किया गया है ।यह वॉलीबॉल टूर्नामेंट 6 टीमों के बीच सोनबरसा समवाय में खेला गया। टूर्नामेंट में सशस्त्र प्रहरी नेपाल सलार्ही एवं 71वीं बटालियन, सशस्त्र सीमा बल, मोतिहारी ने सेमीफाइनल मैच जीता। दोनों टीम के बीच फाइनल मैच खेला गया। जिसमें 71वीं बटालियन की टीम विजेता रही। विजेता एवं उपविजेता टीम को मुख्य अतिथि द्वारा ट्राफी, मेडल से सम्मानित करते हुए रनिंग ट्राफी दिया गया तथा प्रतिभागी टीम को वॉलीबॉल किट दिया गया। इस अवसर पर पूर्व विधायक राम नरेश यादव ने बताया की सशस्त्र सीमा बल सीमा की सुरक्षा के साथ ही समय समय पर विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाएं संचालित कर रही है। जिसके अंतर्गत मानव चिकित्सा शिविर, पशु चिकित्सा शिविर एवं कौशल विकास कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं। जिससे सीमावर्ती युवा व युवतियां लाभान्वित होते रहे हैं। डॉ अजीत द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों को कार्यक्रम में भाग लेने हेतु धन्यवाद ज्ञापन दिया गया। कार्यक्रम में नेपाल सशस्त्र के डीएसपी एकराज बुलाकौटी, नेपाल पुलिस के सुभाष यादव, सौखी लाल यादव, द्वितीय कमान अधिकारी आशीष कुमार पाण्डेय, थाना प्रभारी सोनबरसा धर्मेंद्र कुमार, अनु भारती, प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी हरिश्चन्द्र राय, भाजपा मंडल अध्यक्ष सूरज ठाकुर, जयनारायण राय, पंसस जमीरी पासवान, सुरेश पटेल सहित ग्रामीण व सशस्त्र सीमा बल एवं सशस्त्र प्रहरी नेपाल के कार्मिक उपस्थित रहे।

सरदार पटेल छात्रावास के छात्र भाई Sandeep Patel ' को बिहार प्रदेश जनता दल (यू) छात्र प्रकोष्ठ के महासचिव नामोनित होने पर ढ़ेर सारी बधाइयां एवम् अनंत शुभकामनाएं !

कांग्रेस ने बापू और बाबा साहेब सम्मान में नुक्कड़ सभा आयोजित

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मशरक के महावीर चौक पर कांग्रेस कमेटी ने बापू और अम्बेडकर के सम्मान में नुक्कड़ सभा का आयोजन किया गया। नुक्कड़ सभा का आयोजन प्रखंड कांग्रेस अध्यक्ष डॉ रविन्द्र सिंह की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। वहीं मौके पर जिला अध्यक्ष अजय कुमार सिंह,जिला उपाध्यक्ष शैलेश कुमार सिंह, जयंत सिंह, प्रदेश प्रतिनिधि केदारनाथ सिंह,राजन सिंह,संत सिंह,लाल बाबू सिंह, राजेन्द्र सिंह, डॉ अजहर अहमद,सेराज अहमद, रविन्द्र सिंह,ब्रहादेव दास समेत अन्य मौजूद रहें। मौके पर सभी ने बताया कि संविधान को बनाने वाले बाबा भीमराव अंबेडकर का अपमान हिंदुस्तान का कोई भी नागरिक बर्दाश्त नहीं करेगा। भले ही इसके लिए हमें कोई भी कुबार्नी देनी पड़े। अगर बाबा साहब न होते तो इतना सुंदर संविधान देशवासियों को न मिलता ।संविधान के कारण ही आज विभिन्न भाषा, बोली, जाति धर्म के लोग भारत में विभिन्नताओं के साथ एकता के साथ रहते हैं। संविधान ही हमको एक माला में पिरोकर रखे हुए हैं। कहा कि जब तक गृहमंत्री माफी नहीं मांगते और इस्तीफा नही देते, तब तक कांग्रेस इस जन आंदोलन को घरद्मघर तक पहुंचाएगी।

आवास योजना को लेकर शुरू हुआ योग्य लाभुकों का सर्वे ,बैठक आयोजित

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मशरक प्रखंड के विभिन्न 15 पंचायतों में प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत प्रतीक्षा सूची से छुटे हुए योग्य लाभुकों का सर्वेक्षण शुक्रवार से शुरू किया गया इसके लिए बीडीओ पंकज कुमार के द्वारा कार्यालय में एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में सभी 15 पंचायतों के सर्वेयर को बीडीओ द्वारा कई दिशा निर्देश दिए गए। सर्वेयर में आवास सहायक और पंचायत सचिव को शामिल किया गया है। प्रतीक्षा सूची के लिए पूरे मापदंड के अनुसार योग्य परिवार का सर्वे करना है। सर्वेक्षण के दौरान परि- वारों का आवास एप प्लस 2024 पर डाटा की प्रविष्टि लोड करना है जिसमें लाभार्थी का नाम, पिता या पति का नाम, आधार संख्या, बैंक खाता, जॉब कार्ड संख्या आदि की सर्वे में विशेष ध्यान रखना होगा ताकि लाभार्थियों को आवास का लाभ लेने में कठिनाई न हो सके। मीटर युक्त तीन पहिया, वैसे परिवार जिनको पक्का का आवास हो, तीन पहिया वाहन, चार पहिया वाहन, कृषि उपकरण, अधिक ऋण सीमा वाले किसान क्रेडिड कार्ड, सरकारी कर्मचारी, व्यवसाय पर कर देने वाले लोग, अधिक जमीन वाले परिवार योग्य लाभुकों नहीं माने जाएंगे। बीडीओ पंकज कुमार ने बताया कि सर्वे कार्य आगामी 31 मार्च तक पूर्ण करने का निर्देश सभी सर्वेयर को दिया गया है।

जिला पदाधिकारी के द्वारा लोक शिकायत के 13 मामलों की सुनवाई करते हुए समाधान किया गया

वरिष्ठ संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
शकील हैदर

छपरा: बिहार लोक शिकायत निवारण अधिकार अधिनियम- 2015 का सफल क्रियान्वयन प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता; सभी पदाधिकारी इसके लिए सजग, संवेदनशील तथा सक्रिय रहें: जिला पदाधिकारी

जिलाधिकारी, सारण अमन समीर के द्वारा आज कार्यालय कक्ष में बिहार लोक शिकायत निवारण अधिकार अधिनियम, 2015 के तहत द्वितीय अपील में शिकायतों की सुनवाई की गई और शिकायत का निवारण किया गया। जिला पदाधिकारी द्वारा आज लोक शिकायत के कुल 13 मामलों की सुनवाई की गई जिसमें 04 मामले में अंतिम रूप से आदेश पारित किया गया तथा शेष 09 मामले में पूर्ण प्रतिवेदन के साथ अगली तिथि पर लोक प्राधिकार को उपस्थित होने का निर्देश दिया गया।

जिला पदाधिकारी अमन समीर ने कहा कि लोक शिकायतों का ससमय तथा गुणवत्तापूर्ण निवारण अत्यावश्यक है। लोक प्राधिकारों को तत्परता प्रदर्शित करनी होगी। उन्होंने कहा कि बिहार लोक शिकायत निवारण अधिकार अधिनियम, 2015 का सफल क्रियान्वयन प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। सभी पदाधिकारी इसके लिए सजग, संवेदनशील तथा सक्रिय रहें।

8 लाभुवकों के बीच दिया गया 20 -- 20 हजार का चेक

गिरिराज सिंह जी को आल इंडिया लिआफी की ओर से ज्ञापन सौंपा गया

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। शुक्रवार को समस्तीपुर प्रखंड विकास पदाधिकारी कार्यालय पर स्थानीय विधायक सह बिहार विधानसभा के मुख्य सचेतक अख्तरुल इस्लाम शाहीन ने लाभुकों के बीच पारिवारिक लाभ योजना की राशि का वितरण किया। मौके पर 08 लाभुकों के बीच 20-20 हजार रुपये का चेक वितरित किया गया। मालूम हो कि इन लाभुकों के परिजनों की दुर्घटना में मौत हो गयी थी। पारिवारिक लाभ योजना के तहत 20 हजार का चेक देते हुए विधायक ने परिजनों को इस दुःख की घड़ी में ढ़ाढ़स से काम लेने को कहा। साथ ही उन्होंने कहा कि मिलने वाली अन्य सरकारी सहायता भी जल्द दिलवाने का प्रयास करूंगा। उन्होंने कहा कि पारिवारिक लाभ योजना के तहत आपलोगों को जीवन-यापन के सहायातार्थ यह राशि दी जा रही है। इस राशि का आपलोग सदुपयोग करें। मौके पर प्रखंड विकास पदाधिकारी सुप्रभात कुमार, अंचलाधिकारी सलोनी कर्ण, जिला राजद प्रवक्ता राकेश कुमार ठाकुर, जितवारपुर व्यापार मंडल के अध्यक्ष उमेश प्रसाद यादव उर्फ टुनटुन यादव, पूर्व मुखिया चंदन कुमार, जिला राजद महासचिव रामकुमार राय, राजद प्रखंड अध्यक्ष संतोष कुमार यादव, जिला महासचिव मनोज कुमार राय, पूर्व मुखिया मुकेश कुमार, ट्रेड यूनियन नेता राजाराम राय, राजद प्रखंड सचिव संदीप सरकार तथा लियाफी के सचिव प्रमोद कुमार पप्पू आदि मौजूद थे।

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

आज 09 जनवरी 2025 गुरुवार को भारत सरकार के केन्द्रीय मंत्री श्री गिरिराज सिंह जी को आल इंडिया लिआफी की ओर से ज्ञापन सौंपा गया एवं 01 डू३ 2024 से लागू किये गए काला कानून के बारें में विस्तार से चर्चा की गई एवं सभी मुद्दे पर जैसे अभिकर्ता एवं पॉलिसी के विरुद्ध बनाई गई नियम को सुधार करने की माँग रखी गई है !मंत्री महोदय ने बहुत ही ध्यान से बातों को सुनने के बाद बोले कि वित्त मंत्रालय से आल इंडिया लिआफी की माँगों पर बात करवाता हूँ ! ज्ञापन सौंपने वाले में आल इंडिया लिआफी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नयन कुमार कमल एवं इछकअर-इटर के राष्ट्रीय महामंत्री जे बिनोद कुमार इछकअर-इटर के आल इंडिया सचिव संजीव बंसल जी भी मौजूद थे !

सक्रिय पुलिसिंग के तहत सारण पुलिस की बड़ी कार्रवाई,

वरिष्ठसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
शकील हैदर,

छपरा:रिविलगंज थानान्तर्गत कुल-410 ली० देशी शराब बरामद कर 01 अभियुक्त को किया गया गिरफ्तार, साथ ही 02 मोटरसाइकिल को किया गया जप्त ।पुलिस अधीक्षक, सारण के निर्देशन में सारण पुलिस द्वारा ज़िले में अवैध शराब का सेवन, निर्माण, बिक्री, भण्डारण, परिवहन, शराब तस्करों एवं शराब कारोबारियों के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई हेतु विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में:-दिनांक-09.01.25 को रिविलगंज थाना को गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम जानटोला के सामने दियारा क्षेत्र से दो व्यक्ति देशी शराब लेकर जानटोला के तरफ आ रहे हैं। उक्त सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए जानटोला दियारा पहुँचकर छापामारी किया गया। छापामारी के क्रम में 400 ली० अवैध देशी शराब बरामद कर 02 मोटरसाइकिल जप्त किया गया। इस संबंध में रिविलगंज थाना कांड सं0-06/25, दिनांक-09.01.2025, धारा- 30 (ए) बिहार मद्यनिषेध एवं उत्पाद अधि० दर्ज किया गया है। इस कांड में संलिप्त शराब तस्करों / कारोबारियों की गिरफ्तारी हेतु अग्रतर कार्रवाई की जा रही है ।दिनांक-09.01.25 को रिविलगंज थाना गश्ती टीम को गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम कचनार के वीरू सिंह, पिता-स्व० दरोगा सिंह, सा० कचनार, थाना-रिविलगंज, जिला-सारण अपने घर के बगल में देशी शराब रखकर बिक्री कर रहा है।

चिराग ने कहा कि केजरीवाल जी का ये बयान बेहद निंदनीय है,

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री सह लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री चिराग पासवान जी ने आम आदमी पार्टी के नेता अरविंद केजरीवाल के द्वारा बिहारियों को फर्जी वोटर कहे जाने पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। श्री चिराग ने कहा कि केजरीवाल जी का ये बयान बेहद निंदनीय है, जो कतई बर्दाश्त करने लायक नहीं है। मैं पूछना चाहता हूं कि केजरीवाल जी को बिहारियों से इतनी नफरत क्यों है ? राष्ट्रीय राजधानी के समग्र विकास में यूपी और बिहार के लोगों की एक बड़ी भूमिका रही है। देश और दुनिया भर से लोग नई दिल्ली आते है, ऐसे में बिहारियों का अपमान करना एक सत्ताधारी पार्टी के पूर्व मुख्यमंत्री को शोभा नहीं देता। अरविंद केजरीवाल ने जिस तरीके से पूर्वांचल के लोगों का अपमान किया है उसका परिणाम आने वाले चुनाव में आम आदमी पार्टी को भुगतना पड़ेगा। नई दिल्ली में एनडीए की प्रचंड जीत देखकर केजरीवाल जी बौखला गए हैं।

सरकार शिक्षा व्यवस्था की हत्या कर सेटिंग गेटिंग की व्यवस्था का प्रकरण स्थापना करना चाहती है: अमीन हमजा

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
साहिल अंसारी

बेगुसराय:बिहार भर में लगातार छात्र बीपीएससी की परीक्षा को पुनः लेने के लिए आंदोलनरत हैं। इस मामले में सरकार के द्वारा कोई फैसला नहीं होना बिहार के छात्रों के भविष्य के साथ और उनके प्रतिभा के साथ खिलवाड़ और भद्दा मजाक है। उपर्युक्त बातें विभिन्न छात्र संगठनों के द्वारा जिला अधिकारी के समक्ष आयोजित आक्रोषपूर्ण प्रदर्शन को संबोधित करते हुए एआईएसएफ के राष्ट्रीय सचिव अमीन हमजा ने कहीं। उन्होंने कहा कि सरकार बिहार की शिक्षा व्यवस्था की हत्या कर सेटिंग-गेटिंग की व्यवस्था का प्रकरण स्थापना करना चाहती है। जिसे हमारा संगठन किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं करेगा। एआईएसएफ जिलाध्यक्ष अमरेश कुमार एवं जिला मंत्री सत्यम भारद्वाज ने संयुक्त रूप से कहा कि सरकार का आदेश हैकी हर पंचायत में खेल का मैदान हो लेकिन बेगूसराय जिला प्रशासन न जाने किस मानसिकता के तहत पहले से उपलब्ध खेल मैदान को भी खत्म करने की कोशिश कर रहे हैं। इस मामले में उस क्षेत्र के छात्र, नौजवान, खिलाड़ी काफी आक्रोशित हैं और कोई भी बड़ा आंदोलन भविष्य में होने की आशंका है। एआईएसएफ, एआईवाईएफ, आईसा, एसएफआई ने संयुक्त रूप से बेगूसराय जिला अधिकारी के समक्ष आक्रोषपूर्ण प्रदर्शन किया। इससे पहले छात्र नौजवानों का क्रांतिकारी जीडी कॉलेज से एआईएसएफ के राष्ट्रीय परिषद सदस्य कैसर रेहान, जिला उपाध्यक्ष बसंत कुमार, एआईवाईएफ संयोजन समिति सदस्य किशोर कुमार, आईसा एवं एसएफआई के नेतृत्व में मे मार्केट होते हुए नगर थाना के रास्ते कचहरी होते हुए कैंटीन चौक से होकर डी एम कार्यालय गेट को खोलकर गेट पर बैठ गए और दो घंटे तक उक्त गेट को जाम कर दिया और मांग संबंधी नारेबाजी करने लगे। सभा का आयोजन किया जिसकी अध्यक्षता एआईएसएफ जिला अध्यक्ष अमरेश कुमार, आईसाजिलाध्यक्ष सोनू फरनाज, एसएफआई जिलाध्यक्ष देवदत्त वर्मा ने संयुक्त रूप से किया। आंदोलन के दौरान कई बार पुलिस प्रशासनिक पदाधिकारी द्वारा गेट जाम हटाने की कोशिश किए लेकिन छात्र नौजवान अड़े रहे और पुलिस प्रशासन से कई बार तीखी नोखा झोंक भी हुई। लेकिन छात्र आंदोलन में डटे रहे। इसी बीच जिलाधिकारी का प्रतिनिधि मंडल वार्ता के बाद पांच सदस्यीय प्रतिनिधि मंडल जिला अधिकारी के पास जाकर अपनी समस्या जिला अधिकारी को अवगत कराकर अपना मांग पत्र सौंप दिया। आंदोलन के दौरान ऑल इंडिया स्टूडेंट्स फेडरेशन से शाहरुख इकबाल, सुरेंद्र, धीरज, आकिब, सिराज तौसीफ, शिवम, पुरूषोत्तम, इंजमाम, ए आईवाईएफ से अजय तांती, विशाल कुमार, करण कुमार, आदिल यादव, प्रशांत कुमार, आलोक कुमार, निखिल आलम, अनीश कुमार, अभिमन्यु कुमार एवं एसएफआई से अजहर अंसारी, विनोद कुमार, बिट्टू कुमार, खालिद अहमद, शिवम, विकास इत्यादि थे

प्रयागराज में योगी के आगे दौड़े आईएएस अफसर

क्रूज से देखा संगम, पक्षियों को दाना खिलाया, अपने शिविर में पूजा की

प्रयागराज। सीएम योगी आदित्यनाथ महाकुंभ में पहुंच गए हैं। वह फाइनल तैयारियों को देख रहे हैं। योगी अखाड़ों में साधु-संतों से मिलकर निकले, तो उनके काफिले के आगे-आगे मेला अधिकारी कऱ अफसर विजय किरण आनंद दौड़ते नजर आए। सीएम ने क्रूज से संगम क्षेत्र में तैयारियों का जायजा लिया। पक्षियों को दाना भी खिलाया। फिर योगी संतों से मिलने 13 अखाड़ों में गए। उनसे तैयारियों की जानकारी ली। यहां से सीएम योगी ने योगी महासभा में नाथ संप्रदाय की गद्दी की पूजा की। सीएम कल भी महाकुंभ में रहेंगे। 34 दिन में यह उनका छठवां दौरा है। सीएम जिस क्रूज पर सवार थे, उसके चारों तरफ नावों पर कमांडो तैनात रहे। इस दौरान मुख्यमंत्री के साथ डीजीपी प्रशांत कुमार भी रहे। सीएम ने क्रूज से संगम का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने पक्षियों को दाना खिलाया। मीडिया सेंटर में तैयारी पूरी कर ली गई हैं। यहां सीएम योगी पत्रकारों से बात भी कर सकते हैं। सीएम योगी ने साधु-संतों के अखाड़े में पहुंचे। उन्होंने उनके ईष्ट देव की पूजा की। मुख्यमंत्री दोपहर 3.25 बजे सेक्टर 20 पहुंचेंगे और यहां सभी 13 अखाड़ों के शिविरों में जाएंगे। हर शिविर में वह 5-5 मिनट तक रहेंगे। इसके अलावा दंडीबाड़ा और आचार्यबाड़ा के शिविर में भी 5-5 मिनट तक रहेंगे। महाकुंभ के बारे में संतों से बात करेंगे। शिविर की तैयारियां भी देखेंगे। यहां कुल 90 मिनट का कार्यक्रम है। योगी सेक्टर-20 से सीधे सेक्टर-3 जाएंगे, यहां डिजिटल कुंभ अनुभव केंद्र का उद्घाटन करेंगे। यहां से वह लाल सड़क जाएंगे और संविधान गैलरी का उद्घाटन करेंगे। शाम करीब 6 बजे वह मेला प्राधिकरण के ICC सभागार में समीक्षा बैठक करेंगे। अगले दिन यानी शुक्रवार सुबह 10 बजे मुख्यमंत्री महाकुंभ के सेक्टर-7 स्थित यूपी स्टेट पवेलियन प्रदर्शनी का उद्घाटन करेंगे। इसी सेक्टर में कला कुंभ प्रदर्शनी का शुभारंभ करेंगे। इसके बाद मीडिया के कुछ कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे और दोपहर बाद लखनऊ के लिए रवाना हो जाएंगे। पहला दौराः 7 दिसंबर को बीजेपी नेताओं के साथ बैठक की। प्रधानमंत्री के कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए टारगेट तय किए। दूसरा दौराः 12 दिसंबर को उन परियोजनाओं का ग्राउंड पर जाकर हाल देखा, जिनका पीएम मोदी एक दिन बाद उद्घाटन करने वाले थे। मोदी की जनसभा के पंडाल को देखकर नाराजगी जताई। तीसरा दौराः 13 दिसंबर को पीएम मोदी के साथ कार्यक्रमों में शामिल हुए। मोदी ने 5700 करोड़ की 167 परियोजनाओं का लोकार्पण-शिलान्यास किया था। चौथा दौराः 23 दिसंबर को महाकुंभ टेंट सिटी, मेला सर्किट हाउस का निरीक्षण किया। गंगा पूजा की। महाकुंभ के कामों की समीक्षा की। सीएनजी हॉस्पिटल पहुंचे। पांचवां दौराः 1 जनवरी को महाकुंभ के कामों का जायजा लिया। नैनी में बायो सीएनजी प्लांट का उद्घाटन किया। अफसरों संग बैठक कर हफ्तेभर में सभी प्रोजेक्ट कंप्लीट करने का अल्टीमेटम दिया। छठा दौराः आज और कल योगी महाकुंभ में रहेंगे। फाइनल तैयारियां देखेंगे और संतों-अफसरों के साथ बात करेंगे। महाकुंभ की शुरूआत 13 जनवरी से होगी। खास यह है कि अगले दिन ही मकर संक्रांति के दिन पहला शाही स्नान होगा। ऐसे में आयोजन से पहले मुख्यमंत्री खुद तैयारियों का जायजा लेने पहुंचे हैं। रात्रि विश्राम भी करेंगे और मेला क्षेत्र में भ्रमण करेंगे। सीएम का हेलीकॉप्टर करीब 1:30 बजे नैनी के डीपीएस मैदान में उतरा। उन्होंने अरैल घाट पर स्नान घाट की तैयारियों का जायजा लिया और यहां पर कराए गए कार्यों को देखा। इसके बाद वह संगम पहुंचे और यहां पर मां गंगा का पूजन किया। उनके साथ प्रदेश के कई कैबिनेट मंत्री और जिले के तमाम विधायक मौजूद हैं।

संक्षिप्त डायरी

मोरम माफियाओं को नहीं है बाबा के बुलडोजर का डर

खण्ड तो है गरौठा में, मोरम के ओवरलोड और एन आर ट्रकों को निकाला जा रहा है हमीरपुर राठ के कुछेछा से

संवाददाता

हमीरपुर । उत्तर प्रदेश में नहीं है मोरम माफियाओं को बाबा के बुलडोजर का डर। जी हां! वैसे तो बड़े-बड़े माफियाओं को बाबा का बुलडोजर पलक झपकते ही मिट्टी में मिला देता है, लेकिन मोरम माफियाओं में इस बुलडोजर का थोड़ा भी डर नजर नहीं आ रहा है, जिसका जीता जागता हैरान कर देने वाला उदाहरण हमीरपुर राठ के कुछेछा में देखने को मिला, जिसका मोती कटरा नामक मोरम खण्ड वैसे तो झांसी के गरौठा से संचालित हो रहा है, जबकि इस खण्ड के औरय्या दिबियापुर निवासी पट्टाधारक संजीव कुमार गुप्ता और खण्ड संचालक अमित और संदीप फौजी अपनी उंची पहुँच और रसूक के दम पर धसान नदी में अवैध पुल बनाकर हमीरपुर के राठ कुछेछा से मोरम के ओवर लोड और एन आर ट्रकों का नियमों को ताख पर रखकर धड़ल्ले से खुलेआम कर रहे हैं परिवहन, जबकि हमीरपुर खनिज अधिकारी वशिष्ठ यादव और हमीरपुर एआरटीओ अमिताभ राय उत्तर प्रदेश के ईमानदार मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की जीरो टॉलरेंस नीति का खुलेआम उड़ा रहे हैं मजाक, वहीं शासन को लग रहा है लाखों के राजस्व का चूना।

विधायक पीएन पाठक के प्रयास से वंचित गांवों का होगा विद्युतीकरण

संवाददाता

कसया कुशीनगर। कुशीनगर विधनसभा के बंचित गांवो व टोलों का विद्युतीकरण कराया जाएगा। विधायक श्री पाठक ने भाजपा पदाधिकारी और कार्यकताओं से विद्युत से वंचित गांवों को चिन्हित कर कार्यालय को उपलब्ध कराने की अपेक्षा की है।

विधायक पीएन पाठक के निर्देश पर विधायक प्रतिनिधि रूद्र प्रकाश सिंह ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा है कि विधानसभा क्षेत्र के सभी गांवों के जिम्मेदार व भाजपा कार्यकर्ता और जनप्रतिनिधि, संगठन के पदाधिकारियों जिन गांव में अभी तक विद्युत सप्लाई नहीं पहुंचा है। उस गांव या टोले का नाम लिखकर 13 जनवरी तक विधायक पीएन पाठक के जनसंपर्क कार्यालय पर उपलब्ध कराया जा सकता है। जिससे उक्त गांव को विद्युतीकरण योजना से लाभान्वित किया जा सके। विधायक प्रतिनिधि रूद्र प्रकाश सिंह ने कहा कि पूरे विधान सभा क्षेत्र के हर गांव या टोले को विधुत सप्लाई देने के लिए यह योजना बनाई गई। जहां विद्युत नहीं पहुंचा है। इसके लिए भाजपा के सभी मण्डल अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, शक्ति केंद्र प्रमुख, मण्डल, सभी मोर्चों के पदाधिकारी गांव के मजरों और टोलों को चिन्हित कर अवगत कराते हुए अपना योगदान दें।

खेल से होता है शारीरिक व मानसिक विकासः कौशल जयसवाल

संवाददाता

कुशीनगर। कसया तहसील क्षेत्र के अहिरौली राजा के अहिरौली बाजार क्रिकेट क्लब के दुग्गी कैनवास वाल प्रतियोगिता में पतया ने जाखनी को हरा कर मैच जीत लिया। टास जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए पतया की टीम पांच ओवर में पांच विकेट खोकर चालिस रन बनाया जबाब में उतरी जाखनी की टीम पूरी विकेट खोकर चार ओवर में ही 35 रन बनाकर आउट हो गई। पतया की टीम पांच रन से जीत दर्ज कर लिया। क्रिकेट प्रतियोगिता का शुभारंभ साधन सहकारी समिति के अध्यक्ष कौशल जयसवाल और ग्राम प्रधान अजय जायसवाल ने संयुक्त रूप से फीता काट कर करते हुए कहा कि खेल से शारीरिक व मस्तिष्क का विकास होता है। ऐसे आयोजनों से आपसी सौहार्द कायम होता है।प्रतियोगिता में कमेंट्री छोटे यादव और रेफरी कृष्णा गोंड ने किया। आयोजक सदस्य राजेश जायसवाल त विकास श्रीवास्तव ने आभार प्रक किया। इस अवसर पर कृष्णा जयसवाल इम्तियाज, मगन प्रजापति, मनीष गुप्ता, विशाल मद्धेशिया, मोहन गोंड, अमन वर्मा, बंटी, अंश, नीरज गोंड, शैलेश गोंड मौजूद रहे।

जिलाधिकारी ने जनसुनवाई के दौरान आई सौ शिकायतों में ज्यादातर का किया मौके पर बेहतरीन डिस्पोजल

संवाददाता

हमीरपुर । उत्तर प्रदेश के बेमिसाल हमीरपुर जिलाधिकारी घनश्याम मीना ने कलेक्ट्रेट कार्यालय में जनसुनवाई के दौरान फरियादियों की शिकायतों को सुनकर उनके बेहतरीन तरीके के साथ ही वख्त से निस्तारण करने के निर्देश दिए। इस मौके पर जिलाधिकारी ने जनसुनवाई के दौरान कलेक्ट्रेट में आए हुए फरियादियों को भीषण ठंड से बचाव के मद्देनजर कंबल भी बांटे। जनसुनवाई के दौरान करीब 100 शिकायते आईं,जिनमें से ज्यादातर शिकायतों का जिलाधिकारी ने बेहतर तरीके से मौके पर निस्तारण कर दिया। जबकि बाकी शिकायतों के निस्तारण के लिये जिलाधिकारी ने सभी एसडीएम , खंड विकास अधिकारी सहित जिम्मेदार अधिकारियों के साथ वर्चुअल/ जूम एप के जरिये बैठक कर उनके फौरन निस्तारण के निर्देश दिये। जिलाधिकारी ने कहा कि सभी एसडीएम ,बीडीओ सहित जिम्मेदार अधिकारी नियमित तौर से अपने कार्यालय में जनसुनवाई कर जन समस्याओं का फौरन निस्तारण करें। इसमें किसी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जायेगी।

कुशीनगर ब्लड बैंक ने 100% गुणवत्ता सुनिश्चित कर प्रस्तुत किया उत्कृष्ट सेवा का उदाहरण

संवाददाता

कुशीनगर। कुशीनगर ब्लड बैंक ने अपनी उत्कृष्ट सेवाओं और गुणवत्ता प्रबंधन के चलते 520 में से 520 अंक प्राप्त कर शत प्रतिशत स्कोर हासिल किया है। यह उपलब्धि न केवल क्षेत्र के लिए गर्व का विषय है बल्कि मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने में ब्लड बैंक की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। ब्लड बैंक द्वारा इलीआईएसए 4 वीं जनरेशन विधि से रक्त एवं रक्त अवयवों की जाँच सुनिश्चित की जाती है। इसके साथ ही रक्त का उचित तापमान पर रख-रखाव, ब्लड सेंटर की स्वच्छता। रक्तदान के दौरान विशेष क्रॉस मैच प्रक्रिया जैसे सभी मानकों का पालन किया जाता है। ब्लड बैंक संचालक राजीव तिवारी ने बताया कि सरकारी निदेर्शानुसार प्रत्येक तीन माह में जयपुर राजस्थान से कुछ रक्त नमूनों क जाँच कराई जाती है। हाल ही भेजे गए नमूनों की जाँच रिपोर्ट ब्लड बैंक ने 100% अंक प्राप किए। उन्होंने कहा, ₹यह स्कोर इ बात का प्रमाण है कि ब्लड बैंक सभी सरकारी मानकों का पालन करते हुए अपनी सेवाओं को सुचारु रूप से संचालित कर रहा है। यह सफलता हमारी टीम की मेहनत और समर्पण का परिणाम है। कुशीनगर ब्लड बैंक की इस उपलब्धि पर रोटरी क्लब कुशीनगर के अध्यक्ष वाहिद अली, सचिव अजय सिंह, कोषाध्यक्ष दुर्गेश चतुर्वेदी, और पुलिस मित्र अभिमन्यु तिवारी सहित कई समाजसेवी संगठनों ने हर्ष व्यक्त करते हुए शुभकामनाएँ दी हैं।

आदर्श व्यापारी एसोसिएशन ने लखनऊ में 2100 कंबल बांटे

लखनऊ। सामाजिक सेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को निभाते हुए, आदर्श व्यापारी एसोसिएशन इंदिरा नगर इकाई ने इस साल भी जरूरतमंदों की सहायता के लिए पहल की। मकर संक्रांति के अवसर पर, संगठन ने मुंशी पुलिया चौराहे पर स्थित सुख कॉम्प्लेक्स के सामने 2100 कंबल, ऊनी कपड़े, और अन्य उपयोगी वस्तुओं का वितरण किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एसीपी गाजीपुर अन्नीद्ध विक्रम सिंह ने इस मानवीय प्रयास की सराहना की। कार्यक्रम में थाना प्रभारी गाजीपुर और स्थानीय पुलिस चौकी के पुलिसकर्मी भी सहयोग करते नजर आए। इस मौके पर प्रदेश अध्यक्ष राजेश सोनी ने बताया कि पिछले एक माह से संगठन के पदाधिकारी अलग-अलग बाजारों में पुराने ऊनी कपड़े एकत्र कर रहे थे। इन कपड़ों को कलेक्शन सेंटर से कार्यक्रम स्थल तक ट्रॉलियों के माध्यम से पहुंचाया गया। सुबह 9 बजे से ही जरूरतमंदों की भीड़ कार्यक्रम स्थल पर जुटने लगी थी। इंदिरा नगर इकाई के अध्यक्ष आकाश अग्रवाल ने कार्यक्रम में सहयोग करने वाले 251 पदाधिकारियों को शाने अवध व्यापारी सम्मान से सम्मानित किया। इस मौके पर प्रदेश विधि सलाहकार एडवोकेट सुनिधि चौधरी, अनुज चौधरी, प्रतिबिंब गुप्ता, एडवोकेट सतेंद्र मिश्रा, एडवोकेट एसके शुक्ला, नागेश, अविनाश जायसवाल समेत सैकड़ों व्यापारी, अधिवक्ता और पदाधिकारी मौजूद रहे।

रालोद प्रदेश अध्यक्ष के जन्मदिन पर बच्चों में लेखन सामग्री वितरित

संवाददाता

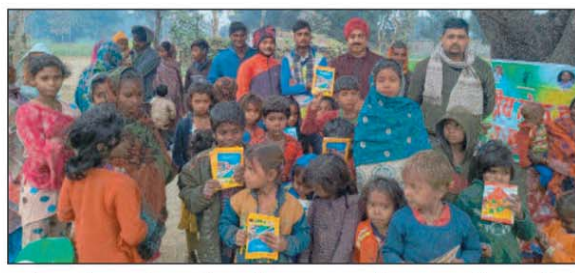

कसया, कुशीनगर। राष्ट्रीय लोकदल उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष और पूर्व एमएलसी रामआशीष राय के जन्म दिन पर रालोद के प्रदेश सचिव सिया शरण पाण्डेय ने मुसहर बस्ती के बच्चों को लेखन सामग्री उपलब्ध कराया और बच्चों को नियमित स्कूल भेजने के लिए अभिभावकों को प्रेरित किया। गुरुवार को फाजिलनगर ब्लाक के ग्राम दहारी पट्टी के मुसहर बस्ती में रालोद प्रदेश सचिव श्री पाण्डेय कार्यकताओं के साथ पहुंचे और पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्री राय के जन्मदिन पर मुसहर बस्ती में केक काटा और समुदाय के बच्चों क कलम, कापी और टॉफी देक शिक्षा के प्रति जागरूक किया। श्र पाण्डेय ने कहा कि पार्टी के राष्ट्री अध्यक्ष व केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी व प्रदेश अध्यक्ष श्री राय के नेतृत्व में रालोद जन हित को लेकर सजग है।

केंद्र और प्रदेश सरकार की चल रही बुनियादी सुविधाओं का लाभ हर वर्ग को दिलाने का कार्य किया जा रहा है। इस दौरान किसान नेता अरविंद सिंह, पंकज तिवारी, गोपाल प्रसाद, भोला प्रसाद, अश्वनी, दयाल, रघुनी, पंकज पासवान आदि मौजूद रहे।

सांसद चंद्रशेखर बोलेः पाप करने वाले ही कुंभ जाएंगे

सहारनपुर। आजाद समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और नगीना से सांसद चंद्रशेखर गुरुवार को सहारनपुर पहुंचे। उन्होंने कहा- कुंभ मेले में वही लोग जाएंगे, जिन्होंने पाप किए। लेकिन, जब कोई पाप करता है, तो बताता है क्या? संभल हिंसा की फाइल दोबारा खोलने पर चंद्रशेखर ने कहा- जिनका चुनावी एजेंडा ही हिंदू-मुस्लिम विभाजन पर आधारित हो, उनसे किसी सुधार की उम्मीद करना बेकार है। अगर नौजवान रोजगार की मांग करेगा तो उसे लाठियां पड़ेंगी। चंद्रशेखर ने कहा- सरकार से बुनियादी सुविधाओं, रोजगार और लोगों के मकानों को लेकर सवाल पूछोगे, तो उनके पास कोई जवाब नहीं होता। सरकार कैसा काम कर रही है, अब हम इसके बारे में क्या कहें? आजाद समाज पार्टी उन गरीब और कमजोर वर्गों के लिए लड़ाई लड़ रही, जिन्हें हजारों साल तक धर्म और संप्रदाय के नाम पर अपमानित किया गया। आज भी मीडिया, पुलिस, प्रशासन और न्यायपालिका कमजोर वर्गों के खिलाफ खड़ी नजर आती है। सपा नेता आजम खान के साथ नजदीकियों पर उन्होंने कहा- अगर इससे किसी को परेशानी है, तो यह उनका नजरिया है। अच्छे लोगों के साथ आने से ही भाजपा को रोका जा सकता है। गरीबों और कमजोर वर्गों की लड़ाई जारी रहेगी। हम चाहते हैं कि हर व्यक्ति को सम्मान और बुनियादी सुविधाएं मिलें। सरकार को जवाबदेह बनाने का यह संघर्ष लंबे समय तक चलेगा। चंद्रशेखर ने ऐलान किया कि आजाद समाज पार्टी अयोध्या की मिल्कीपुर और दिल्ली में मजबूती से चुनाव लड़ेगी। गठबंधन पर कहा कि अगर अच्छे लोग साथ आएंगे, तो इससे गरीबों का समीकरण मजबूत होगा। भाजपा को हराया जा सकता है। चंद्रशेखर ने कहा- यूपी में हालात इतने खराब हैं कि यहां जंगलराज है। मुख्यमंत्री तानाशाही रवैया अपना रहे हैं। उन्हें जो मन में आता है, वही करते हैं। यहां किसी की भी जान कब चली जाए, कहा नहीं जा सकता। मेरी भी हत्या की कोशिश की गई थी। मुजफ्फरनगर में एक करोड़ 80 लाख की डकैती का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा- वहां एक व्यक्ति को पीट-पीटकर मार दिया गया। बागपत के एक युवक को इंसाफ नहीं मिला, तो उसने पार्लियामेंट के सामने आत्मदाह कर लिया। मौर्य जी को पुलिस ने पीट-पीटकर मार डाला।

बुद्ध इंटर कालेज में एनसीसी कैडेटों को समारोह पूर्वक दी गयी विदाई

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। देश की सेवा करने के लिए पहले अपने घर में सेवा भावना होनी चाहिए। सरहद के अलावा भी देश की सेवा की जा सकती है।

पढ़ लिख समाज में डॉक्टर, इंजीनियर, प्रशासनिक अधिकारी व राजनेता होकर अपने कर्तव्यों का निर्वहन ईमानदारी से करते हुए भी देश की सेवा की जा सकती है। ये बातें बृहस्पतिवार को कुशीनगर स्थित बुद्ध इंटरमीडिएट कॉलेज में एनसीसी अंतिम वर्ष के कैडेट्स के विदाई समारोह को संबोधित करते हुए 50 यूपी बटालियन के सीओ कर्नल हरिश्चंद्र ने कही। उन्होंने सभी कैडेट्स को उनके एनसीसी कार्यकाल पूरा होने पर बधाई दी व गिफ्ट देकर उत्साह वर्धन किया। लेफ्टिनेंट कर्नल वी कृष्णा, पूर्व विधायक रजनीकांत मणि त्रिपाठी, डॉ अनिल कुमार सिंहा, राजेश राय आदि ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया।इसके पूर्व कार्यक्रम की शुरूआत मा सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन व पुष्पार्चन से हुआ। तन्नू भारती ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत किया।अंजली विश्वकर्मा ने स्वागत गीत गाया। विशाल, छाया, आँचल आदि कैडेट्स के देशभक्ति शायरी ने कार्यक्रम में चार-चार लगाया सेकंड ईयर के कैडेट्स ने अपने 2 वर्षों के अनुभव साझा किया इसके अलावा सामाजिक संगठन वाइटल केयर फाउंडेशन की ओ से सभी कैडेट्स को देव दीपावली कार्यक्रम में दिए गए योगदान पर टी-शर्ट देक पुरस्कृत किया गया। एनसीसी अध्यापक वेद प्रकाश मिश्रा को कैप्टन की उपाधि मिलने पर उन्हें भी अंग वस्त्र व स्मृति चिन्ह देक सम्मानित किया गया। अंत में नए सत्र के लिए कैडेट्स को रैंक प्रदान किए गए। जिसमें बिट्टू जायसवाल व संजना सैनी को सीनियर अंडर ऑफिसर, अरमान, आयुष, कुमकुम आरुषि गुप्ता आदि को अंडर ऑफिसर का रैंक दिया गया।

अध्यक्षता प्रधानाचार्य उमेश उपाध्याय ने किया। संचालन कैप्टन वेद प्रकाश मिश्रा ने किया। सभी जूनियर कैडेट्स अपने सीनियर कैडेट्स की विदाई के दौरान भावुक थे। इस दौरान सूबेदार रमन दीप सिंह, हवलदार दीपक कुमार श्रेष्ठ, हरिकेश सिंह, आइए खान, पीके मिश्रा, अमित पाण्डेय मौजूद रहे।

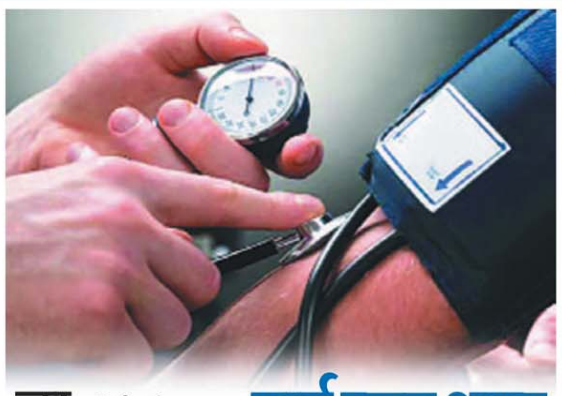

हाई ब्लड शुगर होने पर शरीर के इन अंगों पर पड़ सकता है बुरा असर

डायबिटीज के मामलों में तेजी देखी जा रही है। भारत में डायबिटीज के आंकड़े चिंताजनक है। जी हां, करीब 77 करोड़ लोग इस बीमारी की चपेट में है। वहीं अनुमान जताया जा रहा है कि साल 2045 तक यह संख्या बढ़कर 134करोड़ तक पहुंच जाएगी। अचानक से शरीर में ब्लड के रक्तस्त्राव के बढ़ जाने को हाइपरग्लेसेमिया कहा जाता है। इससे शरीर के कई अंगों को क्षति पहुंचती है।

आंखों की समस्या

डायबिटीज होने के बाद एक अच्छी लाइफस्टाइल से ही अच्छे से लॉन्ग लाइफ जी सकते हैं। ब्लड शुगर असामान्य रूप से बढ़ने से आंखों पर प्रभाव पड़ता है। इससे धुंधलापन होना, मोतियाबिंद होना, ग्लूकोमा जैसी समस्या घेरने लगती है। इसके लिए पौष्टिक आहार बहुत जरूरी है।

घाव के ठीक होने में वक्त लगना

दरअसल, हाइपरग्लेसेमिया की वजह से घाव ठीक होने में वक्त लगता है। कई बार महीने भी लग जाते हैं। इतना ही नहीं घाव अगर ठीक नहीं होता है तो कई बार इंफेक्शन नहीं फैले इसलिए अंग को ही निकालना पड़ता है। जिसका कारण होता है रोग प्रतिरोधक क्षमता का कम होना।

संक्रमण का खतरा

रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होने के कारण संक्रमण का खतरा अधिक होता है। डायबिटीज मरीज को यूरिन के संक्रमण का खतरा बहुत अधिक होता है। इसका प्रभाव किडनी पर भी पड़ता है।

पैरों की समस्या

मधुमेह होने के कारण पैर अधिक दर्द करते हैं। कई बार असहनीय दर्द रहता है। पैरों में घाव हो जाना, उंगलियों का कालापन होना।
शुगर कंट्रोल नहीं होने पर पूरे पैर में भी समस्या हो सकती है। इसलिए बेहतर है मीठा जरा भी नहीं खाएं और शुगर फ्री चीजों का ही सेवन करें।

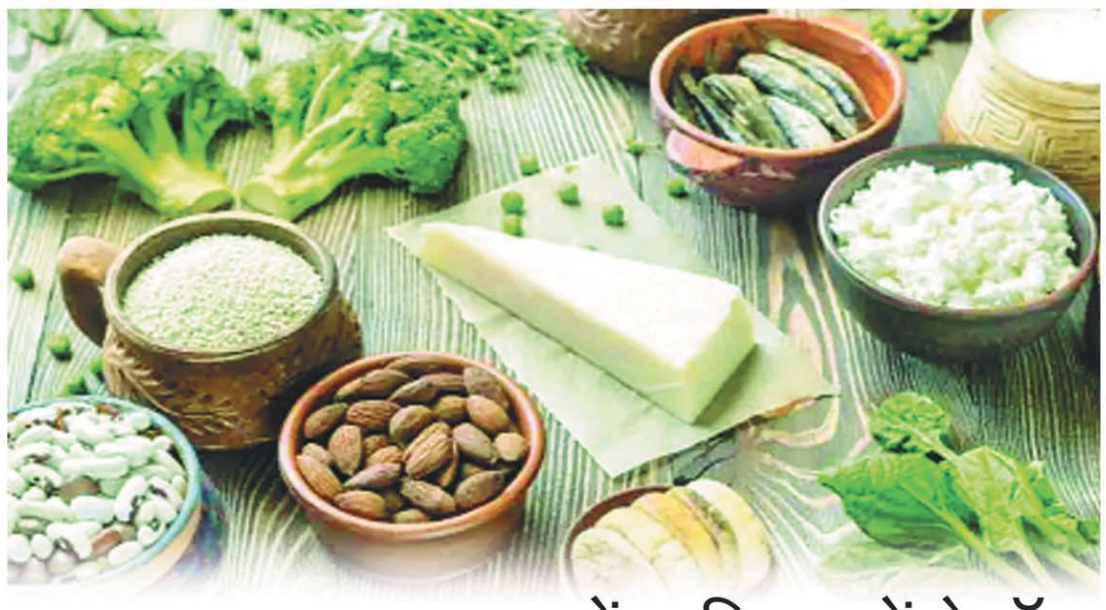

आहार में शामिल करें ये नॉन डेयरी कैल्शियम रिच फूड नहीं होगी कैल्शियम की कमी

शरीर में कैल्शियम की कमी को पूरा करने के लिए दूध और दूध से बने उत्पादों का सेवन बहुत जरूरी होता है। लेकिन यदि आपको दूध पीना पसंद नहीं है या आपको दूध से एलर्जी है तब आप क्या करेंगी? नहीं आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। प्रकृति ने हमें ऐसे बहुत से खाद्य पदार्थ दिए हैं, जिनमें उच्च मात्रा में कैल्शियम होता है। इसलिए आज बात करते हैं उन फूड्स की जो दूध के बिना भी आपके शरीर में कैल्शियम की कमी नहीं होने देंगे।

क्यों जरूरी है कैल्शियम

हमारे शरीर में हड्डियों के विकास के लिए कैल्शियम बेहद आवश्यक है। यह हड्डियों के साथ ही मांसपेशियों, कोशिकाओं और हृदय व नसों के सुचारू रूप से काम करने के लिए भी बहुत जरूरी है। हमारे शरीर में कैल्शियम की मात्रा सबसे अधिक पायी जाती है। इनमें से लगभग 98% हिस्सा हमारे दांतो और हमारे शरीर की हड्डियों में प्रयोग होता है। जबकि इसका 1% रक्त और मांसपेशियों में प्रयोग होता है। इसलिए कैल्शियम सभी के लिए आवश्यक है। पुरुषों की तुलना में महिलाओं को अधिक कैल्शियम की जरूरत होती है। इसी वजह से कैल्शियम की आपूर्ति के लिए दूध और दूध से बने पदार्थों का सेवन किया जाता है। मगर यदि आपको दूध से एलर्जी है या आपको दूध पीना पसंद नहीं है, तो आपको नॉन डेयरी प्रोडक्ट से यह जरूरत पूरी करनी होगी।

हरी सब्जियां

गहरे रंग वाली सब्जियां जैसे बथुआ, पालक, चौलाई, मेथी आदि में आयरन और फोलेट के साथ-साथ कैल्शियम की भी अच्छी मात्रा होती है। आप इन्हें अपनी डाइट में शामिल कर कैल्शियम की प्राप्ति कर सकती हैं।

बादाम और अंजीर

बादाम को पावर बैंक कहा जाता है, क्योंकि इसमें सभी आवश्यक आयरन और विटामिन होते हैं। यह कैल्शियम में भी काफी समृद्ध होता है। इसी के साथ-साथ अंजीर में भी आयरन और कैल्शियम की समृद्ध मात्रा होती है। नाश्ते, लंच या हल्की स्नैकिंग के रूप में आप बादाम और अंजीर का एक साथ सेवन कर सकती हैं।

डाइट में शामिल करें सोया

यदि आप अपनी डाइट में सोया या उससे बने फूड्स जैसे टोफू का प्रयोग करती हैं तो आपको लगभग 220 मिलीग्राम से 250 मिलीग्राम कैल्शियम की आपूर्ति होती है। जो आपकी दैनिक जरूरत के बराबर है।

भुने हुए तिल

यदि आप कैल्शियम रिच नॉन डेरी प्रोडक्ट की तलाश में हैं, तो भुने हुए तिल आपके लिए सबसे अच्छा विकल्प है। एक्सपर्ट के मुताबिक लगभग 25 ग्राम तिल आपको 270 मिलीग्राम कैल्शियम, दैनिक जरूरत के बराबर आपूर्ति करता है।

मछली भी है कैल्शियम रिच

सार्डिन या साल्मन यह दो बेहतरीन मछलियां हैं। जिनसे दैनिक जरूरत की कैल्शियम की आपूर्ति होती है। यह दोनों ही कैल्शियम, ओमेगा 3 फैटी एसिड और प्रोटीन के बेहतरीन स्रोत हैं। आपको इनको बस जरूरत के मुताबिक ही खाना है। यानी कि हफ्ते में लगभग दो टुकड़े।

साबुत अनाज एवं दालें

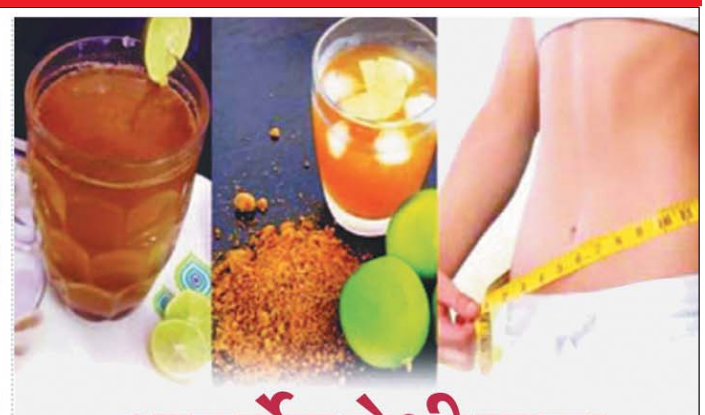

आप अपनी डाइट में ऐसे कुछ अनाज या दालों का प्रयोग कर सकती हैं, जो कैल्शियम का बेहतरीन स्रोत हैं। जैसे कि मोठ, राजमा, कुलथी, बाजरा, चना, सोयाबीन, रागी आदि।

आयुर्वेद ने भी माना खाली पेट इन चीजों का सेवन करने से घटता है मोटापा

वजन घटाने के लिए लोग न जानें कितनी प्रकार की डायट फॉलो करते हैं। लेकिन अपने आपको भूखा रखकर लंबे समय तक बिना सोचे-समझे किसी भी प्रकार की डायट का पालन करना मुश्किल हो जाता है। वजन घटाना कोई आसान काम नहीं है। शरीर की एक्सट्रा चर्बी को निकालने के लिए नियमित व्यायाम के साथ कैलोरीज भी बर्न करनी पड़ती हैं। इसके लिए आयुर्वेद के पास ऐसे कई तरीके हैं, जिससे शरीर की गंदगी बाहर निकलेगी और आपको वजन कम करने में आसानी होगी। ये तरीके बेहद आसान हैं, लेकिन आपको इन्हें अपनी लाइफस्टाइल का हिस्सा बनाना होगा। आइए जानते हैं क्या हैं वो तरीके जिसे मोटापा घटाने के लिए आयुर्वेद में अहम माना गया है.

गर्म पानी के साथ घी और नींबू

200 मिलीलीटर पानी के साथ थोड़ा सा नींबू या घी का सेवन करने से पेरिस्टलसिस में सुधार होता है, जो कि वेस्ट और खाने की गति को नीचे की ओर ढकेलता है। यदि आपका शरीर वात या पित्त प्रकार का है, तो आप इससे आपका पाचन तंत्र चिकना होगा जिससे कब्ज की समस्या दूर होगी।

डायजेस्टिव चाय

आजकल, बाजार में आयुर्वेदिक चाय की ढेर सारी वैराइटीज उपलब्ध हैं। लेकिन अच्छा होगा कि आप घर पर अपनी चाय खुद ही बना लें। इसके लिए 1 चम्मच जीरा, 1 चम्मच सौंफ, 1 चम्मच धनिया के बीज, 1 इलायची और थोड़ी सी अजवाइन को लेकर 500 मिलीलीटर पानी में तब तक उबालें, जब तक पानी की मात्रा आधी न हो जाए। इस चाय को खाली पेट पीने से अपच, ब्लोटिंग और वजन कम करने में मदद मिलेगी।
अपने मेटाबोलिज्म को तेज बनाने के लिए आप दालचीनी, इलायची, लौंग, कद्दूकस की हुई अदरक, काली मिर्च, हल्दी और स्टार ऐनीज को 500 मिली पानी में उबालें। यह पानी आधा हो जाए तब इसमें आधा नींबू और कोकोनट शुगर मिलाएं। चाय शरीर की गर्मी बढ़ाकर चयापचय में सुधार करके वजन कम करने में मदद करेगी।

कच्चे फल

सुबह खाली पेट हर्बल चाय पीने के बाद, कच्चे फलों का सेवन करें जो प्रकृति में थोड़े से कसैले हो सकते हैं। ग्रीन और रेड एपल, क्रैनबेरी, ब्लूबेरी, चेरी, स्ट्रॉबेरी, ब्लैकबेरी, अनानास, आंवला और अनार जैसे फलों को ही चुनें। यह फल शरीर में वॉटर रिटेंशन को कम करते हैं और आपकी त्वचा में कोलेजन को बढ़ाते हैं, जिससे वजन कम करने में मदद मिलती है।

सिलेरी जूस

तनाव से बचने के लिए आयुर्वेद कच्चे फल और पकी या उबली हुई सब्जियां खाने की सलाह देता है। ऐसी स्मूदी लेने से बचें जिसमें फल, सब्जियां, दूध और दही का मिश्रण शामिल हो। यह शरीर में विषाक्त पदार्थों के संचय का कारण बन सकता है। बल्कि पेट की ब्लोटिंग और अतिरिक्त चर्बी को कम करने के लिए एक चुटकी सेंधा नमक और नारियल तेल के साथ सिलेरी का जूस लें।

वजन घटाने के बुनियादी नियम

- जब आपको भूख लगे तब ही खाएं।
- सूर्यास्त के बाद न खाएं।
- इंटरमिटेंट फास्टिंग करें जिसमें 16 घंटे के तक कुछ भी न खाएं। इससे आपकी ऊर्जा तो बढ़ती है साथ में दिमाग पर कंट्रोल रहता है।
- कच्चे फल खाने के बाद पका हुआ भोजन करें।
- आपका पेट केवल आपकी मुट्ठी के आकार का है। अपनी भूख से 80 प्रतिशत भोजन कम खाएं, ताकि खाना पचाने वाले रस अपना काम आसानी से कर सकें।

डायबिटीज कंट्रोल करने के लिए डाइट में शामिल करें अनार के फूल

खून बढ़ाने से लेकर ग्लोइंग स्किन पाने के लिए अनार खाने के फायदों के बारे में आपने सुना ही होगा। लेकिन क्या आपने अनार के फूल के फायदों के बारे में सुना है। प्राकृति ने मनुष्य को बहुत कुछ दिया है, जो स्वस्थ रहने और किसी बीमारी से लड़ने के लिए काफी है। ऐसा ही एक प्राकृति का तोहफा है अनार का फूल। आइए जानते हैं अनार के फूल के फायदों के बारे में।

- शुगर की परेशानी इन दिनों आम हो गई है। दुनियाभर में कई लोग इस जानलेवा बीमारी से जूझ रहे हैं। हालांकि इसे कंट्रोल करने के कई तरीके हैं, लेकिन बावजूद इसके इसे ठीक नहीं किया जा सकता। ऐसे में एक स्वस्थ जीवन शैली पर स्विच करना महत्तवपूर्ण है। शुगर के मरीजों को कम चीनी और फाईड चीजों को अवॉइड करना चाहिए। ऐसे में डाइट में अनार के फूल शामिल करना अच्छा हो सकता है। हेल्थ रिपोर्ट्स के मुताबिक अनार के फूल में फोटोकेमिकल होता है, जो शुगर के मरीजों के लिए अच्छा होता है।
- बेदाग स्किन और स्वस्थ चमक इन दिनों खो सी गई है। पर्यावरण प्रदूषण और गलती जीवनशैली के चलते ऐसी त्वचा पाना बेहद ही मुश्किल हो गया है। वहीं बीजी रूटीन में नियमित त्वचा की देखभाल करना भी मुश्किल होता है। ऐसे में आप अनार के फूल पर विश्वास कर सकते हैं, इसकी मदद से झुर्रियों और समय से पहले बूढ़ा होने से बचा जा सकता है।
- कोरोना काल में हर किसी ने एक चीज अच्छे से सिखी है और वो है स्वस्थ्य रहना। लोग इन दिनों स्वस्थ और इम्यूनिटी को बढ़ावा देने वाली हर एक चीज का पूर्ण रूप से ख्याल रख रहे हैं। ऐसे में अनार के फूल भी स्वस्थ रहने में आपकी मदद कर सकते हैं। इसमें भरपूर मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट होते हैं। जो बैक्टीरिया और वायरस से लड़ने में मदद करते हैं।
- अनार के फूल को डाइट में शामिल करने से अपने कार्डियोवस्कुलर हेल्थ का ख्याल रख सकते हैं। शरीर में सबसे महत्तवपूर्ण अंगों में से एक होता है हृदय, जो पूरे शरीर में ब्लड पंप करता है। इससे न केवल ऑक्सीजन बल्कि शरीर के विभिन्न कार्यों को करने के लिए पोष्क तत्व भी पहुंचाता है। अगर दिल की सेहत का ध्यान न रखा जाए तो आप आलसी, सुस्त और लो एनर्जी महसूस करेंगे।
- अनार का फूल में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट आपके इम्यून सिस्टम को बूस्ट करने के साथ शरीर में जमा फैट को खत्म कर आपको हेल्दी रखता है। हालांकि अच्छे परिणाम के लिए आपको कसरत करनी होगी।

कैसे करें अनार के फूल का इस्तेमाल

आप अनार के फूलों के सपलीमेंट ले सकते हैं, या फिर अगर आपको अनार के फूल मिल जाते हैं तो आप इसकी चाय बनाकर पी सकते हैं। हालांकि किसी भी तरह की जलन महसूस होने पर तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

दूध, दही, पनीर के सेवन से कम होता है डायबिटीज और हाई बीपी का खतरा

वैज्ञानिकों के अनुसार दही, दूध या पनीर का रोजाना सेवन डायबिटीज और हाई ब्लड प्रेशर का खतरा कम करता है। हाल ही में एक शोध ने डेयरी रिच डाइट (यानी दही, दूध या पनीर युक्त खाद्य पदार्थ) को रक्त शर्करा के स्तर, ब्लड प्रेशर में सुधार और हृदय रोग संबंधी जोखिमों को कम करने से जोड़ा गया। शोध के मुताबिक, रोजाना इन डेयरी उत्पादों का दो बार सेवन इन बीमारियों से राहत दिलाने में फायदा करता है।

इस अध्ययन को डायबिटीज रिसर्च जर्नल में प्रकाशित किया गया। इसका उद्देश्य स्वास्थ्य पर डेयरी उत्पादों के प्रभाव का विश्लेषण करना था। उन्होंने भारत सहित दुनियाभर के 21 देशों के 35 से 70 वर्ष के लोगों में डेयरी रिच डाइट के प्रभाव का गहराई से अध्ययन किया। इस शो में डेयरी उत्पादों जैसे दूध, दही, दही से बने पेय, पनीर से बनी डिशेज शामिल थीं। इन्हें फुल या लो फैट के रूप में बांटा गया था। बटर और क्रीम का अलग से मूल्यांकन किया गया था, क्योंकि वे आमतौर पर उन देशों में नहीं खाए जाते थे जो अध्ययन का हिस्सा थे।
मेटाबॉलिक सिंड्रोम के पांच घटकों पर डेयरी उत्पादों के प्रभाव का अध्ययन किया गया था। यह अध्ययन लगभग 1,13,000 लोगों में किया गया। मेटाबॉलिक सिंड्रोम एक तरह से समस्याओं का झुंड होता है। मुख्य रूप से इसमें ब्लड प्रेशर बढ़ना, ब्लड शुगर बढ़ जाना, कमर के आसपास चर्बी बढ़ जाना और कोलेस्ट्रॉल व ट्राइग्लिसराइड का स्तर असामान्य हो जाना जैसी समस्याएं शामिल होती हैं। मेटाबॉलिक सिंड्रोम में ये समस्याएं एक साथ होती हैं जिससे स्ट्रोक, डायबिटीज व हृदय संबंधी बीमारियां होने का जोखिम बढ़ जाता है।
शोधकर्ताओं ने हाई ब्लड प्रेशर, बढ़ी हुई कमर, गुड कोलेस्ट्रॉल का निम्न स्तर, हाई ब्लड फैट्स और बढ़े हुए फास्टिंग ब्लड ग्लूकोज की 12 महीनों की स्थिति को ट्रैक किया। अध्ययन से पहले लगभग 46,667 लोगों को मेटाबॉलिक सिंड्रोम था, यानी उनमें पांच में से कम से कम तीन स्थितियां थीं। शोधकर्ताओं ने पाया कि फुल फैट वाले डेयरी का सेवन करने से मेटाबॉलिक सिंड्रोम का जोखिम कम था। इससे पता चलता है कि डेयरी प्रोडक्ट शरीर की कार्यप्रणाली में कैसे सुधार करते हैं। शोध में कहा गया है कि यदि इन निष्कर्षों के आधार पर बड़े और दीर्घकालिक परीक्षणों में पुष्टि की जाती है, तो बढ़ती डेयरी खपत मेटाबॉलिक सिंड्रोम, डायबिटीज और हृदय रोग के मामलों को कम करने के लिए बड़े काम की हो सकती है।
डेयरी उत्पादों में स्वास्थ्य लाभ में हड्डियों, दांतों और मांसपेशियों की मजबूती, पाचन में सुधार, वजन घटाना आदि शामिल हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक डेयरी उत्पाद प्रोटीन और कैल्शियम के बड़े स्रोत हैं। इसके अलावा यह उत्पाद विटामिन और मिनरल्स के भी बड़े संयोजक होते हैं। डेयरी उत्पाद मुख्य रूप से पशुओं के दूध से निर्मित खाद्य या पेय पदार्थ होते हैं। मुख्य रूप से जिन पशुओं के दूध का प्रयोग इन उत्पादों को बनाने के लिए किया जाता है उनमें गाय, भैंस, बकरी, भेड, याक और ऊंट शामिल हैं।

हेल्दी डाइट के लिए खाइए ब्राउन राइस

जो लोग हेल्दी डाइ ट और व वजन कम करने में दिलच स्पी रखते हैं और चावल से परहेज करते हैं, उनके लिए ब्राउन राइस एक बेहतरीन विकल्प है। कैलोरी कम होने के साथ-साथ इसके और भी कुछ फायदे हैं। जानिए इसके 5 फायदे.

कोलेस्ट्रॉल

ब्राउन राइस खाने का सबसे बड़ा फायदा यही है कि यह कोलेस्ट्रॉल को कम करता है और अनचाहे फैट को शरीर के आंतरिक भागों में जमने से रोकता है।

डाइबिटीज

सामान्यत: चावल में शर्करा की मात्रा अधिक होती है, जिसके कारण डाइबिटीज के रोगी इससे दूरी बनाए रखते हैं। लेकिन ब्राउन राइस के सेवन से रक्त में शर्करा का स्तर नहीं बढ़ता। इसलिए यह आपके लिए बेहतर विकल्प है।

हृदय रोग

हार्टअटैक या हृदय के अन्य रोग, ज्यादातर हृदय की धमनियों में कोलेस्ट्रॉल के जमाव के कारण होते हैं। ऐसे में ब्राउन राइस का सेवन इससे बचाकर आपके हृदय की भी रक्षा करता है।

हड्डियां

मैग्नीशियम व कैल्शयिम से भरपूर होने के कारण ब्राउन राइस, हड्डियों को मजबूत करने के लिए बेहद फायदेमंद है। सफेद चावल की अपेक्षा यह सेहत के कई फायदे देता है।

वजन कम

वजन कम करना चाहते हैं, और चावल से दूर नहीं रह सकते, तो सफेद चावल की जगह ब्राउन राइस को भोजन में शामिल करें। कुछ ही समय में आप वजन में कमी महसूस करेंगे।

जरूरी नहीं महंगी बादाम खाना, सस्ती मूंगफली भी है प्रोटीन का खजाना

मूंगफली का सेवन सेहत के लिए काफी फायदेमंद होता है। बल्कि इसे बादाम का पर्याय माना जाता है। जितने पोषक तत्व बादाम में मौजूद होते हैं वह सभी मूंगफली में आसानी से उपलब्ध हो जाते हैं। लेकिन बादाम महंगा होता है और मूंगफली सस्ती होती है लेकिन आप बादाम की जगह मूंगफली भी खा सकते हैं। एक लीटर दूध के बजाए 100 ग्राम कच्ची मूंगफली में अधिक प्रोटीन होता है। मूंगफली के साथ ही मूंगफली के तेल के कई फायदे होते हैं। यह कीटाणुओं को खत्म करने में मददगार होता है। जानते हैं मूंगफली खाने के अचूक फायदों के बारे में -

हड्डियों को करें मजबूत

मूंगफली के सेवन से हड्डियां मजबूत होती है। मूंगफली में मौजूद पोषक तत्वों से शरीर को विटामिन डी और कैल्शियम मिलता है। बादाम के बदले इसका आसानी से सेवन कर सकते हैं।

हार्मोन को करें बैलेंस

जब महिला और पुरुषों में हार्मोंस अनबैलेंस्ड हो जाते हैं तब कई प्रकार की शारीरिक समस्या होती है। इसलिए महिला और पुरुष को रोज एक मुट्ठी मूंगफली का सेवन करना चाहिए।

कैंसर से बचाएं

मूंगफली में एंटीऑक्सीडेंट पाया जाता है जिसका नाम है पॉलीफिनॉलिक। इसके सेवन से पेट के कैंसर का खतरा कम हो जाता है। सप्ताह में 1 बार मूंगफली के साथ मक्खन का सेवन करना चाहिए।

झुर्रियों को हटाए

मूंगफली खाने से झुर्रियां कम होती है। इसमें मौजूद तत्व चेहरे पर बारीक रेखा और झुर्रियों को बनने से रोकती है।

डायबिटीज को करें नियंत्रित

मूंगफली का सेवन करने से डायबिटीज की आशंका कम होती है। रोज अपनी डाइट में इसे जरूर शामिल करना चाहिए। ताकि घातक बीमारियों से बचा जा सकें।

मार्क जुकरबर्ग ने वीडियो के जरिए मेटा के नए फैसले का किया ऐलान

- जुकरबर्ग के हाथ में बंधी लक्जरी घड़ी ने सबका ध्यान खींचा, 250 दिन में बनती है एक वॉच

वाशिंगटन । सोशल मीडिया की दुनिया के मशहूर नाम और फेसबुक के संस्थापक मार्क जुकरबर्ग ने हाल ही में एक वीडियो के माध्यम से मेटा के नए फैसले का ऐलान किया। उन्होंने घोषणा की कि अमेरिका में मेटा के सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म्स पर थर्ड-पार्टी फैक्ट-चेकिंग को बंद कर दिया जाएगा। जुकरबर्ग ने इस कदम को स्वतंत्रता के समर्थन में उठाया है, खासकर डोनाल्ड ट्रंप की वापसी के बाद। इस घोषणा के दौरान उनके हाथ में बांधी गई लग्ज़री घड़ी ने लोगों का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। इस ग्रूबल फोर्सी हैंड मेड 1 वॉच की कीमत लगभग 9 लाख अमेरिकी डॉलर, अर्थात लगभग 7.5 करोड़ भारतीय रुपये है। यह घड़ी दुनिया की सबसे दुर्लभ और बारीकी से बनाई गई घड़ियों में से एक है। इसमें हर एक हिस्सा हाथ से तैयार किया जाता है, जिसमें सबसे जटिल हिस्सा हेरिस्प्रिंग भी शामिल है। इसे बनाने में करीब 6,000 घंटे और 3 साल का समय लगता है। इसमें 272 अलग-अलग हिस्से हैं, जिन्हें हाथ से पूरी बारीकी से तैयार किया गया है। इसकी खासियतों में ग्राटे फिनिश, हाथ से पॉलिश किए गए किनारे और विशेष रूप से तैयार किए गए फ्लेम-ब्लू हैंड्स शामिल हैं। इसका केस व्हाइट गोल्ड से बना है और इसका पावर रिजर्व 60 घंटे तक है। यह 30 मीटर गहराई तक वॉटर-रेसिस्टेंट है और 2020 में बेस्ट मेन्स कॉम्प्लिकेशन वॉच का खिताब जीत चुकी है। गौरतलब है कि दुनिया की सबसे महंगी घड़ी ग्राफ डायमंड्स हॉलुसिनेशन है, जिसकी कीमत 55 मिलियन डॉलर, अर्थात लगभग 455 करोड़ भारतीय रुपये है। इस घड़ी के निर्माण में 110 कैरेट के रंग-बिरंगे दुर्लभ हीरों का इस्तेमाल हुआ है, जो अलग-अलग आकार और रंग में हैं। इसे प्लैटिनम ब्रेसलेट पर सेट किया गया है और इसे 2014 में ग्राफ डायमंड्स कंपनी ने पेश किया था।

पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली ।

पेट्रोल और डीजल की कीमतों में गुरुवार को भी कोई बदलाव नहीं देखा जा रहा है।

मार्च 2024 के बाद से ईंधन की कीमतों में कोई संशोधन नहीं किया गया है। तेल कंपनियों के मुताबिक गुरुवार को पेट्रोल और डीजल की कीमतें देश के प्रमुख शहरों मे इस प्रकार हैं-

मुंबई में पेट्रोल 103.94 रुपए प्रति लीटर, डीजल 89.97 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता पेट्रोल 103.94 रुपए प्रति लीटर, डीजल 90.76 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई पेट्रोल 100.85 रुपए प्रति लीटर, डीजल 92.44 रुपए प्रति लीटर, बेंगलुरु पेट्रोल 102.86 रुपए प्रति लीटर, डीजल 88.94 रुपए प्रति लीटर। लखनऊ पेट्रोल 94.65 रुपए प्रति लीटर, डीजल 87.76 रुपए प्रति लीटर, नोएडा पेट्रोल 94.87 रुपए प्रति लीटर, डीजल 87.76 रुपए प्रति लीटर, गुरुग्राम पेट्रोल 94.98 रुपए प्रति लीटर, डीजल 87.85 रुपए प्रति लीटर, चंडीगढ़ पेट्रोल 94.24 रुपए प्रति

लीटर, डीजल 82.40 रुपए प्रति लीटर, पटना पेट्रोल 105.42 रुपए प्रति लीटर, डीजल 92.27 रुपए प्रति लीटर।

सेबी ने क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों के लिए समयसीमा में संशोधन किया

सेबी का मुख्य उद्देश्य निवेशकों को अधिक सुरक्षित और पारदर्शी शेयर बाजार की ओर ले जाना

नई दिल्ली ।

हाल ही में सेबी ने क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों की सुरक्षा बढ़ाने के उद्देश्य से समयसीमा में परिवर्तन किया है। अब रेटिंग एजेंसियों को क्रियाकलापों को लेकर प्रेस विज्ञप्ति जारी करने के लिए कार्य दिवसों की समयसीमा बढ़ा दी गई है। इसका मुख्य उद्देश्य है कि निवेशकों को अधिक सुरक्षित और पारदर्शी शेयर बाजार की ओर ले जाना। सेबी के इस प्रक्रियापरक संशोधन के तहत क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों को सात कार्य दिवसों की समयसीमा के भीतर रेटिंग कार्रवाइयों पर प्रेस विज्ञप्ति जारी करने की अनिवार्यता है। इसके साथ ही चूक न करने वाला ब्योरा एनडीएस को तीन महीनों तक न देने पर संशोधित समयसीमा को पांच कार्यदिवस में समायोजित किया गया है। इससे क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों को ज़्यादा जिम्मेदारी सहित काम करने का दबाव महसूस होगा।

सेबी के नियमों में किए गए बदलावों के बाद शेयर बाजार में गैरकानूनी गतिविधियों को अंजाम देने वाले ब्रोकर और बड़ी कंपनियों पर भी नजर रखी जा रही है। सेबी ने हाल ही में फ्रंट रनिंग के मामले में जुर्माने और प्रतिबंध लगाने का फैसला किया है। इससे शेयर बाजार में निवेशकों की रक्षा और बाजार की पारदर्शिता होने में मदद मिलेगी। सेबी के नए निर्देशों के माध्यम से निवेशकों को शेयर बाजार में अधिक विश्वास मिलेगा। सुरक्षित और पारदर्शी बाजार में निवेश करने के लिए यह एक महत्वपूर्ण कदम है जो अच्छे नियत से निवेशकों की सुरक्षा और हित की रक्षा करेगा।

सरकार एमएसएमई क्षेत्र के लिए नई ऋण गारंटी योजना जल्द करेगी शुरू

प्रत्येक आवेदक को 100 करोड़ रुपये तक की गारंटी मिलेगी

नई दिल्ली । वित्तीय सेवा सचिव एम. नागराजू ने घोषणा की कि सरकार जल्द ही एक नई ऋण गारंटी योजना शुरू करेगी जो सूक्ष्म, लघु और मझोले उद्यमों के लिए होगी। इस योजना के तहत उपलब्ध होंगे तकरीबन 100 करोड़ रुपये तक के ऋण। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बताया था कि यह योजना 2024-25 के बजट में घोषित की गई थी। यह ऋण गारंटी योजना टर्म लोन की सुविधा प्रदान करेगी एमएसएमई को मशीनरी और उपकरण खरीदने के लिए। एक स्व-वित्तपोषण गारंटी कोष प्रत्येक आवेदक को 100 करोड़ रुपये तक की गारंटी प्रदान करेगा। नागराजू ने बताया कि एमएसएमई का योगदान भारत की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण है और यह योजना इसकी वृद्धि को गति देगी। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों को अधिक ऋण पहुंचाने के लिए सरकार कल्पना भरी है। उन्होंने दिखाया कि यह सरकार की मिशन है कि देश चारों दिशाओं में विकास करे और गुणवत्ता, निर्यात के लिए संपर्क और क्षमता निर्माण की दिशा में काम करे।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिलेजुले रुख के बीच ही बिकवाली हावी रहने से आई है। कंपनियों के तीसरी तिमाही के परिणामों के कमजोर रहने की आशंका और अमेरिकी ब्याज दरों में कम बार कटौती के संकेतों से भी निवेशकों ने सतर्कता बरती। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स अंत में 528 अंक करीब 0.68 फीसदी की गिरावट के साथ ही 77,620.21 अंकों पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 162.45 अंक तकरीबन 0.69 फीसदी टूटकर 23,526.50 पर बंद हुआ।

आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से टाटा स्टील, जोमैटो, एलएंडटी, टाटा मोटर्स, लार्सन एंड टूब्रो, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, सन फार्मा, पावर ग्रिड, अदाणी पोर्ट्स, टीसीएस, बजाज फाइनेंस और एनटीपीसी के शेयर शेयर लाल निशान पर बंद हुए।

वहीं नेस्ले इंडिया, हिंदुस्तान यूनिलीवर, महिंद्रा एंड महिंद्रा, कोटक बैंक, एशियन पेंट्स, भारती एयरटेल और आईटीसी के शेयर हरे निशान में बंद हुए।

जानकारों के अनुसार बाजार में ये गिरावट विदेशी निवेशकों की बिकवाली का सिलसिला लगातार जारी रहने से भी आई है। आईटी और वित्तीय शेयरों में बिकवाली से भी बाजार नीचे आया।

वहीं दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय बाजारों की बात करें तो उनमें अस्थिरता दिखी। एशिया-प्रशांत के बाजार नीचे आये । वॉल स्ट्रीट के उतार-चढ़ाव वाले सेशन और फेडरल रिजर्व की बैठक के कारण भी निवेशकों में घबराहट रही। बैठक में संकेत दिया गया कि मुद्रास्फीति के बढ़ते दबावों के कारण ब्याज दरें लंबे समय तक अधिक बनी रह सकती हैं। वहीं

गत दिवस भी बाजार गिरावट पर बंद हुआ था।

इससे पहले आज सुबह बाजार गिरावट के साथ खुले। सेंसेक्स गुरुवार को करीब 140 अंक की गिरावट लेकर 78,206 पर खुला। इसी तरह एनएसई निफ्टी 86.8 अंक फिसलकर 23,602.15 अंक पर खुला।। एशियाई बाजारों में निवेशक चीन के दिसंबर मुद्रास्फीति आंकड़ों का इंतजार कर रहे थे। निक्केई 0.49 फीसदी गिरा, टॉपिक्स इंडेक्स में 0.61 फीसदी की गिरावट रही और एएसएक्स 200 में 0.40 फीसदी की कमी दर्ज की गई। हालांकि, कोस्पी ने हल्की बढ़त के साथ कारोबार किया। अमेरिकी बाजारों में एसएंडपी 500 और डॉव जोन्स ने मामूली बढ़त दर्ज की। फेडरल रिजर्व के मिनट्स से यह साफ हुआ कि नीति निर्माताओं को मुद्रास्फीति के जोखिम बढ़ने की चिंता है, जिससे नीतिगत ढील की गति धीमी होने की संभावना जताई जा रही है। एसएंडपी 500 में 0.16 फीसदी की बढ़त रही, डॉव जोन्स 0.25 फीसदी चढ़ा, जबकि नैस्डैक कंपोजिट 0.06 फीसदी गिरकर बंद हुआ।

आर्थिक समीक्षा: आईफोन बनाने वाली कंपनी ने भारत से की अरबों रुपये की मांग!

- कंपनियों का कहना है कि उन्हें सरकार की प्रोडक्शन इंसेंटिव स्कीम के तहत रकम मिलनी चाहिए थी

नई दिल्ली ।

आईटी उद्योग के दो बड़े नाम फॉक्सकॉन और डिक्सन टेक्नोलॉजीज ने भारत सरकार से अरबों रुपये की मांग की है। इन दोनों कंपनियों का कहना है कि उन्हें सरकार की प्रोडक्शन इंसेंटिव स्कीम के तहत यह रकम मिलनी चाहिए थी। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के अनुसार सरकार ने इस स्कीम के तहत मैन्युफैक्चरर्स को देने का वादा किया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा चलाई गई प्रोडक्शन-लिंक्ड सब्सिडी योजना के तहत इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनियों के लिए एक निश्चित मूल्य निर्धारित किया गया है। यह योजना उन कंपनियों को सब्सिडी देगी जो अपनी सीमा तक उत्पादन नहीं कर पाती हैं। बची हुई सब्सिडी उन कंपनियों को दी जाएगी, जिन्होंने अधिक उत्पादन किया है।

इस समय कंपनियों की जिज्ञासा में लाया जा रहा है कि सरकार की नीतियों के महत्वाकांक्षाओं के लिए यह एक महत्वपूर्ण परीक्षण है। इन कंपनियों ने भारत में बड़े निवेश किए हैं और उनका कहना है कि सरकार को उन नियमों का पालन करना चाहिए, जिनके तहत उन्होंने निवेश किया है। भारत में चिप निर्माताओं और टेक कंपनियों को क्लाउड कंप्यूटिंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के विस्तार के लिए अरबों का निवेश करने की आकर्षण महत्वपूर्ण है। इस योजना के माध्यम से कंपनियों को और भी बढ़ावा मिलेगा और देश की अर्थव्यवस्था में संवेदनशीलता और गति आएगी। इस मामले में सरकार के निर्णय का बड़ा महत्व है। फॉक्सकॉन और डिक्सन की मांग को देखते हुए, सरकार को सकारात्मक और कारगर निर्णय लेने की आवश्यकता है ताकि आगे बढ़ने में आईटी सेक्टर को पोषित किया जा सके। अंत में यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि उत्कृष्ट नीतियों के माध्यम से आईटी कंपनियों को यह सुनिश्चित किया जाए कि वे देश की अर्थव्यवस्था में योगदान करने के लिए समर्थ हैं और देश के उत्थान में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

चालू वित्त वर्ष में 6.3 फीसदी रहेगी आर्थिक वृद्धि दर: एसबीआई

नई दिल्ली। एसबीआई द्वारा जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि आने वाले वित्त वर्ष 2024-25 में आर्थिक वृद्धि दर देश के अच्छे वृद्धि के दौरान राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के पूर्वानुमान से कम रह सकती है। एनएसओ ने 2024-25 के जी है, जो एसबीआई के दावे से कम वित्त वर्ष के लिए अब उचित अनु दर बाह्य दिख रही है, लेकिन ए फीसदी भी हो सकती है। आरबीआ फीसदी है। अगले वर्ष राजकोष संभावना है, इसलिए सरकार चाहेगी संभावना समय पर हो। जीडीपी सुझाव देती है, लेकिन पहले महीने 4.9 फीसदी हो सकता है। एक अ गति है, जो आर्थिक वृद्धि के लिए

पी की वृद्धि दर का अनुमान बताया । इस दावे के बीच का अंतर हमेशा 0 फीसदी तक हो सकता है। चालू न के रूप में 6.4 फीसदी की वृद्धि बीआई का कहना है कि यह 6.3 ई का विकास दर का अनुमान 6.6 घाटे में एक अक्षमता होने की कि उसके अनुरूप व्यवहार करने के सुस्ती की पहली अग्रिम अनुमान चालू वित्त वर्ष में राजकोषीय घाटा संकेत है कि निर्यात में भी अच्छी हत्वपूर्ण है।

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गुरुवार को भारतीय रुपया 6 पैसे की बढ़त के साथ ही 85.85 रुपये पर बंद हुआ। रुपया गुरुवार को शुरुआती कारोबार में एक पैसे की गिरावट के साथ 85.92 प्रति डॉलर के रिकॉर्ड निचले स्तर पर आ गया। इसके साथ ही रुपये में लगातार तीसरे कारोबारी सत्र में गिरावट जारी रही। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि अमेरिकी बॉण्ड पर अधिक प्रतिफल के बीच विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी से भी अमेरिकी मुद्रा को बल मिला, जबकि घरेलू शेयर बाजारों में मंदी के कारण भी रुपये में और गिरावट आई। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 85.94 प्रति डॉलर के अपने सर्वकालिक निचले स्तर पर खु ा। शुरुआती सौदों में डॉलर के मुकाबले 85.92 पर पहुंच गय जो पिछले बंद भाव के मुकाबले एक पैसे की गिरावट दिखाता है। रुपया बुधवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 17 पैसे टूट कर 85.91 के अपने सर्वकालिक निचले स्तर पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाले डॉलर सूचकांक में हालांकि 0.11 फी दी की गिरावट आई लेकिन वह 108.80 के मजबूत स्तर पर बना रहा।

पेज एक का शेष

बाघमारा में गिरिडीह...

बताया जा रहा है कि कंपनी ने रैयतों की जमीन पर बिना मुआवजा और नौकरी दिए बाउंड्री वॉल का निर्माण शुरू कर दिया था।दूसरा पक्ष इसका विरोध कर रहा था। विवाद को देखते हुए वहां पुलिस बल की तैनाती की गई थी। लेकिन खूनी संघर्ष के दौरान गोली-बम के धमाकों के बीच पुलिस बल की संख्या कम होने के कारण उसे पीछे हटना पड़ा। बाद में अतिरिक्त पुलिस बल बुलाकर उपद्रवियों को खदेड़ा गया।

हेमंत ने 1.36...

जहां माइनिंग ऑपरेशन पूरा हो चुका है, वह जमीन राज्य सरकार को वापस किया जाए : मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में ऐसी कई कोल परियोजनाएं हैं, जहां खनन का कार्य पूरा हो चुका है और कोल कंपनियों के द्वारा उस जमीन को यूं ही छोड़ दिया गया है। वह जमीन ना तो राज्य सरकार को हस्तांतरित की जा रही है और ना ही उसका कोई सदुपयोग हो रहा है। इस वजह से बंद हो चुकी कोल खनन परियोजनाओं में अवैध माइनिंग हो रही है, जिस वजह से कई घटनाएं भी हो चुकी हैं। ऐसे में पड़े खदानों की जमीन राज्य सरकार को वापस किया जाय।

सीएसआर एक्टिविटीज का दायरा बढ़ाया जाए : मुख्यमंत्री ने बैठक में कोल कंपनियों के द्वारा कोयला खनन क्षेत्र में चल रहे सीएसआर एक्टिविटीज और डीएमएफटी फंड के इस्तेमाल की जानकारी ली। कोयला मंत्रालय के अधिकारियों ने बताया कि वर्तमान में कोल कंपनियों के द्वारा कोल खनन क्षेत्र के 20 किलोमीटर के दायरे में आने वाले गांव या इलाके में सीएसआर एक्टिविटी संचालित की जाती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सीएसआर एक्टिविटीज का दायरा और बढ़ना चाहिए। कोयला खनन परियोजनाओं के कम से कम 50 किलोमीटर के रेडियस में सीएसआर एक्टिविटीज के तहत क्षेत्र के विकास से जुड़ी योजनाओं को लागू किया जाए ताकि ज्यादा से ज्यादा लोगों तक इसका फायदा पहुंच सके।

खनन से पर्यावरण को हो रहे नुकसान को कम करने की जरूरत पर दिया जोर : मुख्यमंत्री ने कहा कि खनिजों का जिस तरह से खनन हो रहा है उससे पर्यावरण को काफी नुकसान पहुंच रहा है। इस दिशा में गंभीरता से सोच कर कदम उठाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि झरिया में जमीन के नीचे वर्षों से आग लगी हुई है लेकिन उस पर अभी तक नियंत्रण नहीं पाया जा सका है। वहीं घाटशिला के जादूगोड़ा में यूरेनियम के खनन की वजह से लोगों के समक्ष स्वास्थ्य से जुड़ी कई गंभीर समस्याएं आ रही है। इसका निदान होना चाहिए। कोयला मंत्री ने मुख्यमंत्री को भरोसा दिलाया कि कोयला खदानों के नीचे लगी आग को बुझाने और खनन से होने वाले स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के मामले में केंद्र सरकार आवश्यक कदम उठाएगी। उच्च स्तरीय बैठक में राज्य की मुख्य सचिव अलका तिवारी, मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव अविनाश कुमार, केंद्रीय कोयला सचिव विक्रम देव, एडिशनल सेक्रेटरी विस्मिता तेज, राज्य सरकार में सचिव अबू बकर सिद्दीक, प्रशांत कुमार, चंद्रशेखर, जितेंद्र सिंह, उमाशंकर सिंह, निदेशक खनन राहुल कुमार सिन्हा, प्रमंडलीय आयुक्त अंजनी कुमार मिश्रा, कोल इंडिया के अध्यक्ष पीएम प्रसाद, सीसीएल के सीएमडी निलेन्दु कुमार सिंह, बीसीसीएल के सीएमडी एस दत्ता, ईसीएल के सीएमडी सतीश झा, सीएमपीडीआई के सीएमडी मनोज कुमार कल के सीएमडी एवं हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड के सीएमडी घनश्याम शर्मा समेत कई अन्य अधिकारी मौजूद थे।

प्रवासियों के दिल...

हम सिर्फ मदर ऑफ डेमोक्रेसी ही नहीं है बल्कि जीवन का हिस्सा है।

भारत अपने ग्लोबल रोल का विस्तार कर रहा : प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत की बात को आज दुनिया ध्यान से सुनती है। आज का भारत अपना पॉइंट तो स्ट्रॉन्गली रखता ही है, ग्लोबल साउथ की आवाज भी पूरी ताकत से उठाता है। भारत अपने ग्लोबल रोल का विस्तार कर रहा है। भारत के टैलेंट का डंका पूरी दुनिया में बज रहा है। हमारे प्रोफेशनल दुनिया की बड़ी कंपनियों की जरिए ग्लोबल ग्लोब में कंट्रीब्यूट कर रहे हैं। भारत की राष्ट्रपति के हाथों कई कल प्रवासी भारतीय सम्मान दिया जाएगा। मैं उन लोगों को बधाई देता हूं। आप जानते हैं, आने वाले कई दशकों तक भारत दुनिया का सबसे यंग और स्किल्ड पॉप्युलेशन वाला देश बना रहेगा। पीएम ने कहा कि 1947 में आजादी के बाद भारतीय डाइसपोरा ने बहुत मदद की। हमारे सामने 2047 का लक्ष्य है, हमें विकसित भारत बनाना है। आप आज भी कंट्रीब्यूट कर रहे हैं। आपकी मेहनत के कारण ही भारत की पहचान बढ़ रही है। हमें इससे भी आगे सोचना है। हम काशी तमिल संघमम जैसे आयोजन करते हैं। कुछ दिन बाद संत तिरुवल्लवर जयंती है। हमने सेंटर बनाया है। सिंगापुर में ऐसे सेंटर का काम शुरू हो चुका है। अमेरिका की एक यूनिवर्सिटी में चेयर बनाई जा रही है। ये प्रयास तमिल भाषा के विकास को दुनिया के कोने कोने में ले जा रहा है।

तिरुपति भगदड़ की...

मुख्यमंत्री ने कहा कि दो महिला थिमक्का और ईश्वरम्मा गंभीर रूप से घायल हो गए, इनके उपचार मंदिर से संचालित रुआ हॉस्पिटल में होगा। हम उन्हें 5-5 लाख रुपये की दर से मदद करेंगे। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि हम 33 घायलों को दो-दो लाख रुपये का मुआवजा देंगे। उनमें कष्ट सहकर भी प्रभु के दर्शन करने का दृढ़ संकल्प है। हम शुक्रवार को 35 घायलों को वैकुंठ के माध्यम से दर्शन प्राप्त करवाएंगे। मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया है कि राज्य सरकार तिरुमाला दिव्यक्षेत्र की पवित्रता बनाए रखने की जिम्मेदारी लेता है। जाने-अनजाने में हमारे कार्यों से ईश्वर की पवित्रता को ठेस पहुंचे तो यह अच्छा नहीं है। हमारी अक्षमता से भगवान का नाम खराब नहीं होना चाहिए। यहां कोई राजनीति नहीं। हमें इस भावना के साथ आगे बढ़ना चाहिए कि हम राजनीति से परे कलियुग के भगवान की सेवा कर रहे हैं। वैकुंठ एकादशी पर सभी हिंदू भगवान के दर्शन की इच्छा रखते हैं।

बीजापुर में 13...

आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियो में इनामी मुन्ना ककेम, सुखराम हेमला,देवे मड़कम, नन्दू अवलम ऊर्फ दुर्गेश ऊर्फ कोटेश भीमा वेको शामिल हैं। इसके अलावा बिच्चेम मुड़मा, लालू माड़वी ऊर्फ गोटा, देवे मड़कम ऊर्फ जानकी, समैया सुन्नम, भीमा नुपो, कोसा मड़कम, बुधू मड़कम और पोज्जे नुपो ने भी सुरक्षाबलों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया।

झांकी में मंईयां योजना..

बैठक में तय किया गया कि गणतंत्र दिवस समारोह में कुल 12 से 13 विभागों की झांकियां शामिल होंगी। झांकियों का प्रदर्शन कमेटी के अनुमोदन के बाद किया जायेगा। 18 से 24 जनवरी के बीच समारोह का रिहर्सल किया जायेगा। बैठक में गृह सचिव वंदना दादेल, पेयजल एवं स्वच्छता सचिव मस्तराम मीणा, परिवहन सचिव कृपानंद झा, ग्रामीण विकास सचिव के श्रीनिवासन, दक्षिणी छोटानागपुर के आयुक्त अंजनी मिश्रा, आइजी अभियान एबी होमकर समेत अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

आमंत्रण पत्र की छपाई का निर्देश : बैठक के दौरान मुख्य सचिव ने दुमका और रांची के उपायुक्तों को समारोह के आमंत्रण पत्र की छपाई और वितरण समय से सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। दोनों ही शहरों में स्थापित महत्वपूर्ण प्रतिमा स्थलों की सफाई, माल्यार्पण, मुख्य समारोह के लिए पंडाल, बैरिकेडिंग एवं बैठने की व्यवस्था, ध्वनि विस्तारक यंत्रों की व्यवस्था, पेयजल, शौचालय, स्वच्छता आदि का इंतजाम, अतिथियों को समारोह स्थल तक लाने की व्यवस्था, यातायात, पार्किंग व चिकित्सा जैसी अन्य व्यवस्था पर भी उन्होंने निर्देश दिये।

एलइडी स्क्रीन की गुणवत्ता सुधारने का निर्देश : मुख्य सचिव ने मोरहाबादी मैदान में लगायी गयी एलइडी स्क्रीन की गुणवत्ता सुधारने का निर्देश दिया। सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के निदेशक के प्रस्ताव पर झांकी में झारखंड के वाद्य यंत्रों की प्रदर्शनी प्रदर्शित करने का भी निर्णय लिया गया। डीजीपी अनुराग गुप्ता ने झांकी में साइबर सुरक्षा को भी शामिल करने का सुझाव दिया। तय किया गया कि गणतंत्र दिवस परेड में सेना, सीआइएसएफ, सीआरपीएफ, एसएसबी, जैप, जिला बल, एनडीआरएफ, फायर ब्रिगेड के प्लाटून के साथ सेना, सीआरपीएफ और जैप के बैंड भी हिस्सा लेंगे।

अमेरिकी आर्थिक नीतियां अन्य देशों को विपरीत रूप से प्रभावित कर सकती है

प्रहलाद सबनानी

वैश्विक स्तर पर अर्थशास्त्र के वर्तमान सिद्धांत (मॉडल) विभिन्न प्रकार की आर्थिक समस्याओं को हल करने के संदर्भ में बोथरे साबित हो रहे हैं। इसलिए अमेरिकी एवं अन्य विकसित देशों के अर्थशास्त्री आज साम्यवादी एवं पूंजीवादी सिद्धांतों (मॉडल) के स्थान पर वैश्विक स्तर पर आर्थिक क्षेत्र में आ रही विभिन्न समस्याओं के हल हेतु एक तीसरे रास्ते (मॉडल) की तलाश करने में लगे हुए हैं और इस हेतु वे भारत की ओर बहुत आशाभारी नजरों से देख रहे हैं।

वैश्विक स्तर पर अमेरिकी डॉलर लगातार मजबूत हो रहा है और अंतरराष्ट्रीय बाजार में अन्य देशों की मुद्राओं की कीमत अमेरिकी डॉलर की तुलना में गिर रही है। इससे, विशेष रूप से विभिन्न वस्तुओं का आयात करने वाले देशों में वस्तुओं के आयात के साथ मुद्रा स्फीति का भी आयात हो रहा है। इन देशों में मुद्रा स्फीति बढ़ती जा रही है और इसे नियंत्रित करने के उद्देश्य से एक बार पुनः ब्याज दरों में वृद्धि की सम्भावना भी बढ़ रही है। भारतीय रिजर्व बैंक को अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारतीय रुपए के अवमूल्यन को रोकने के लिए भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में से लगभग 5,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर को बेचना पड़ा है जिससे भारत का विदेशी मुद्रा भंडार अपने उच्चत्तम स्तर 70,500 करोड़ अमेरिकी डॉलर से घटकर 65,500 करोड़ अमेरिकी डॉलर के भी नीचे आ गया है। अमेरिकी डॉलर के लगातार मजबूत होने के चलते विश्व के लगभग सभी देशों की यही स्थिति बनती हुई दिखाई दे रही है। दूसरी ओर, अमेरिका में बजटीय घाटा एवं बाजार ऋण की राशि अपने उच्चत्तम स्तर पर पहुंच गई है एवं अमेरिका को इसे नियंत्रित करने के लिए अपनी आय में वृद्धि करना एवं व्यय को घटाना आवश्यक हो गया है। परंतु, 20 जनवरी 2025 को डॉनल्ड ट्रम्प के अमेरिका के राष्ट्रपति बनते ही सम्भव है कि ट्रम्प प्रशासन द्वारा आयकर में भारी कमी की घोषणा की जाय। डॉनल्ड ट्रम्प ने अपने चुनावी भाषण में इसके बारे में इशारा भी किया था। हां, सम्भव है कि आयकर को कम करने के चलते कुल आय में होने वाली कमी की भरपाई अमेरिका द्वारा कच्चे तेल के उत्पादन में वृद्धि कर इसके निर्यात में वृद्धि एवं अमेरिका में विभिन्न वस्तुओं के अमेरिका में होने वाले आयात पर कर में वृद्धि करने के चलते कुछ हद तक हो सके। परंतु, कुल मिलाकर यदि आय में होने वाली सम्भावित कमी की भरपाई नहीं हो पाती है तो अमेरिका में बजटीय घाटा एवं बाजार ऋण की राशि में अतुलनीय वृद्धि सम्भव है। जो एक बार पुनः अमेरिका में मुद्रा स्फीति को बढ़ा सकता है और फिर से अमेरिका में ब्याज दरों में कमी के स्थान पर वृद्धि देखने को मिल सकती है।

पूरे विश्व में पूंजीवादी नीतियों के चलते मुद्रा स्फीति को नियंत्रण में रखने के उद्देश्य से विभिन्न देशों द्वारा ब्याज दरों में वृद्धि की घोषणा की जाती रही है। किसी भी देश में मुद्रा स्फीति की दर यदि खाद्य पदार्थों की कीमतों में वृद्धि के चलते बढ़ रही है तो इसे ब्याज दरों में वृद्धि कर नियंत्रण में नहीं लाया जा सकता है। हां, खाद्य पदार्थों की बाजार में आपूर्ति बढ़ाकर जरूर मुद्रा स्फीति को तुरंत नियंत्रण में लाया जा सकता है। अतः यह मांग की तुलना में आपूर्ति सम्बंधी मुद्दा अधिक है। उत्पादों की मांग में कमी करने के

उद्देश्य से बैंकों द्वारा ब्याज दरों में वृद्धि की जाती है, जिससे ऋण की लागत बढ़ती है और इसके कारण अंततः विभिन्न उत्पादों की उत्पादन लागत बढ़ती है। उत्पादन लागत के बढ़ने से इन उत्पादों की मांग बाजार में कम होती है जो अंततः इन उत्पादों के उत्पादन में कमी का कारण भी बनती है। उत्पादन में कमी अर्थात बहुराष्ट्रीय कम्पनियों द्वारा कर्मचारियों की छँटनी करने के परिणाम के रूप में भी दिखाई देती है। हाल ही के वर्षों में अमेरिका में जब मुद्रा स्फीति की दर पिछले लगभग 50 वर्षों के उच्चत्तम स्तर पर अर्थात 10 प्रतिशत के आसपास पहुंच गई थी, तब फेडरल रिजर्व द्वारा फेड दर (ब्याज दरों) को भी 0.25 प्रतिशत से बढ़ाकर 6.50 प्रतिशत तक लाया गया था, और यह दर लम्बे समय तक बनी रही थी। इसका प्रभाव, अमेरिका की सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में कार्य कर रही कम्पनियों पर अत्यधिक विपरीत रूप में पड़ता दिखाई दिया था और लगभग 2 लाख इंजीनियरों की छँटनी इन कम्पनियों द्वारा की गई थी। अतः मुद्रा स्फीति को नियंत्रण में लाने के उद्देश्य से ब्याज दरों में लगातार वृद्धि करने का निर्णय अमानवीय है एवं इसे उचित निर्णय नहीं कहा जा सकता है। ब्याज दरों में वृद्धि करने का परिणाम वैश्विक स्तर पर कोई बहुत अधिक सफल भी नहीं रहा है। अमेरिका को मुद्रा स्फीति की दर को नियंत्रण में लाने के लिए लगभग 3 वर्ष(?) का समय लग गया है और यह इस बीच ब्याज दरों को लगातार उच्च स्तर पर बनाए रखने के बावजूद सम्भव नहीं हो पाया है।

भारत में भी भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा मुद्रा स्फीति को नियंत्रित करने के उद्देश्य से रेपो दर (ब्याज दर) में पिछले लगभग 22 माह तक कोई परिवर्तन नहीं किया गया था एवं इसे उच्च स्तर पर बनाए रखा गया था जिसका असर अब भारत के आर्थिक विकास दर पर स्पष्टः दिखाई दे रहा है एवं वित्तीय वर्ष 2024-25 की द्वितीय तिमाही में भारत में सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर गिरकर 5.2 प्रतिशत रही है, जो वित्तीय वर्ष 2023-24 में 8.2 प्रतिशत की रही थी। आर्थिक विकास दर में वृद्धि दर का कम होना अर्थात देश में रोजगार के कम अवसर निर्मित होना एवं नागरिकों की आय में वृद्धि की दर का भी कम होना भी शामिल रहता है। अतः लंबे समय तक ब्याज दरों को ऊंचे स्तर पर नहीं बनाए रखा जाना चाहिए।

यह सही है कि मुद्रा स्फीति को एक दैत्य की संज्ञा भी दी जाती है और इसका सबसे अधिक विपरीत प्रभाव गरीब वर्ग पर पड़ता है। अतः किसी भी देश के लिए इसे नियंत्रण में रखना अति आवश्यक है। परंतु, मुद्रा स्फीति को नियंत्रण में रखने हेतु लगातार ब्याज दरों में वृद्धि करते जाना भी अमानवीय कृत्य है। ब्याज दरों में वृद्धि की तुलना में विभिन्न उत्पादों की बाजार में आपूर्ति बढ़ाकर मुद्रा स्फीति को तुरंत नियंत्रण में लाया जा सकता है। विभिन्न देशों की सरकारों द्वारा उत्पादों की आपूर्ति बढ़ाने हेतु प्रयास किए जाने चाहिए। आपूर्ति बढ़ाने के प्रयासों में इन उत्पादों के उत्पादन में वृद्धि करना भी शामिल होगा, कम्पनियों द्वारा उत्पादन में वृद्धि करने के साथ साथ रोजगार के नए अवसरों का निर्माण भी किया जाएगा। इस प्रकार के निर्णय देश की अर्थव्यवस्था के लिए हितकारी एवं लाभदायक साबित होंगे।

अमेरिका द्वारा आर्थिक क्षेत्र से सम्बंधित की जा रही विभिन्न घोषणाओं जैसे चीन एवं अन्य देशों से आयात की जाने वाली वस्तुओं पर आयात कर में 60 प्रतिशत से 100 प्रतिशत तक की वृद्धि करना, अमेरिका पर लगातार बढ़ रहे ऋण को कम करने हेतु किसी भी प्रकार के प्रयास नहीं करना, अमेरिकी बजटीय घाटे का लगातार बढ़ते जाना, विदेशी व्यापार के क्षेत्र में व्यापार घाटे का लगातार बढ़ते जाना, विभिन्न देशों द्वारा डीडोलराईजेशन के प्रयास करना आदि ऐसी समस्याएं हैं जिनका हल यदि शीघ्र ही नहीं निकाला गया तो अमेरिकी अर्थव्यवस्था के साथ साथ अन्य देशों की अर्थव्यवस्थाएं भी विपरीत रूप से प्रभावित हुए बिना नहीं रह सकेंगी।

प्राचीन भारत के इतिहास में मुद्रा स्फीति जैसी परेशानियों का जिक्र नहीं के बराबर मिलता है। भारतीय आर्थिक दर्शन के अनुसार भारत में उत्पादों की उपलब्धता पर विशेष ध्यान दिया जाता रहां है अतः वस्तुओं की बढ़ती मांग के स्थान पर बाजार में वस्तुओं की आपूर्ति ही अधिक रही है। ग्रामीण इलाकों में 50 अथवा 100 ग्रामों के क्लस्टर के बीच हाट (बाजार) लगाए जाते थे जहां स्थानीय स्तर पर निर्मित वस्तुओं/उत्पादों/खाद्य पदार्थों को बेचा जाता था। स्थानीय स्तर पर निर्मित की जा रही वस्तुओं को स्थानीय बाजार में ही बेचने से इन वस्तुओं के बाजार मूल्य सदैव नियंत्रण में ही रहते थे। अतः वस्तुओं की मांग की तुलना में उपलब्धता अधिक रहती थी। कई बार तो उपलब्धता का आधिक्य होने के चलते इन वस्तुओं के बाजार में दाम कम होते पाए जाते थे। इस प्रकार मुद्रा स्फीति जैसी समस्याएं दिखाई नहीं देती थीं। जबकि वर्तमान में, विभिन्न देशों के बाजारों में विभिन्न उत्पादों की उपलब्धता पर ध्यान ही नहीं दिया जा रहा है, इन वस्तुओं की मांग बढ़ने से इनकी कीमतें बढ़ने लगती हैं, और, इन कीमतों पर नियंत्रण करने के उद्देश्य से यह प्रयास किया जाने लगता है कि किस प्रकार इन वस्तुओं की मांग बाजार में कम की जाय, इसे एक नकारात्मक निर्णय ही कहा जाना चाहिए।

वैश्विक स्तर पर अर्थशास्त्र के वर्तमान सिद्धांत (मॉडल) विभिन्न प्रकार की आर्थिक समस्याओं को हल करने के संदर्भ में बोथरे साबित हो रहे हैं। इसलिए अमेरिकी एवं अन्य विकसित देशों के अर्थशास्त्री आज साम्यवादी एवं पूंजीवादी सिद्धांतों (मॉडल) के स्थान पर वैश्विक स्तर पर आर्थिक क्षेत्र में आ रही विभिन्न समस्याओं के हल हेतु एक तीसरे रास्ते (मॉडल) की तलाश करने में लगे हुए हैं और इस हेतु वे भारत की ओर बहुत आशाभारी नजरों से देख रहे हैं। प्राचीन भारतीय आर्थिक दर्शन इस संदर्भ में निश्चित ही वर्तमान समय में आ रही विभिन्न प्रकार की आर्थिक समस्याओं के हल में सहायक एवं लाभकारी सिद्ध हो सकता है।

संपादकीय

सहकार से बनेगी बात

सुप्रीम कोर्ट में बुधवार को मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति को लेकर बनाए गए 2023 के नये कानून की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई हुई। अब अगली सुनवाई 4 फरवरी को होगी। लोगों को याद होगा कि सुप्रीम कोर्ट ने 2 मार्च 2023 के अपने निर्णय में मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति के लिए प्रधानमंत्री, नेता प्रतिपक्ष और प्रधान न्यायाधीश को शामिल करते हुए एक चयन समिति का गठन किया था। इसके बाद संसद ने एक नया कानून बनाया जिसमें प्रावधान है कि चयन समिति में प्रधानमंत्री, एक केंद्रीय कैबिनेट मंत्री, नेता प्रतिपक्ष या लोक सभा में सबसे बड़े विरोधी दल के नेता शामिल होंगे। महत्त्वपूर्ण बात यह है कि इस चयन समिति से प्रधान न्यायाधीश को हटा दिया गया। इस नये कानून को लेकर विवाद है। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एड़ीआर) और मध्य प्रदेश की कांग्रेस नेता जय ठाकुर ने शीर्ष अदालत में दायर अपनी अर्जी में कहा है कि केंद्र सरकार ने अदालत के फैसले का आधार बदले बिना इसे बदल दिया। एड़ीआर की ओर से पेश वरिष्ठ वकील प्रशांत भूषण का विश्वास है कि सरकार चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति को नियंत्रित नहीं कर सकती। इससे लोकतंत्र को खतरा है। ऐसा प्रतीत होता है कि नये कानून में चयन समिति से प्रधान न्यायाधीश को हटाने के पीछे सरकार की मंशा यही रही होगी कि उसे किसी तरह की दुविधा का सामना न करना पड़े और उसे इस बात की भी आशंका रही होगी कि अगर मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति में प्रधान न्यायाधीश और नेता प्रतिपक्ष दोनों ने अपना विरोध दर्ज कर दिया तो सरकार के सामने एक असहज स्थिति पैदा हो सकती है। हालांकि गैर-सरकारी संगठन एड़ीआर और वरिष्ठ वकील प्रशांत भूषण की ओर से उठाई आपत्तियां भी विचारणीय है और इसे सिरे से खारिज नहीं किया जा सकता। अब देखने वाली बात यह है कि इस अहं मसले पर सुप्रीम कोर्ट क्या फैसला देता है। मामले की सुनवाई करते हुए शीर्ष अदालत

लाल बहादुर शास्त्री पुण्य तिथि पर विशेषः ईमानदार और सादगीपूर्ण नेतृत्व की मिसाल

ईमानदार कर्तव्यनिष्ठ व्यक्तित्व के धनी और भारत के द्वितीय प्रधानमंत्री को उनकी गरिमानुरूप याद नहीं किया जाता। शास्त्री जी भारत के ऐसे कुछ गिने चुने सपूतों में से हैं जिनका भारत की स्वतंत्रता और स्वतंत्र भारत में बड़ी अहम भूमिका रही है। उन्होंने जहाँ भारत की आजादी के लिये जी जान एक किया तो वहीं स्वतंत्र भारत के नव निर्माण में अपना जीवन दिया। ऐसे महान चरित्र के स्वामी थे शास्त्री जी। भारत का यह लाल दो अक्टूबर सन् 1904 को उत्तर प्रदेश स्थित मुगलसराय में जन्मा था। इनके पिता का नाम शारदा प्रसाद श्रीवास्तव था। ये पेशे से अध्यापक थे। शास्त्री जी को अपने पिता का सानिध्य ज्यादा दिनों तक नही प्राप्त हो सका, मात्र दो वर्ष की अल्पायु में ही उनके पिता का स्वर्गवास हो गया था। इसके बाद वे अपने नाना के यहाँ उन्नाव चले गये। बचपन से ही उन्होंने आर्थिक व सामाजिक समस्याओं का सामना किया। इन्हीं सब के चलते उनके व्यक्तित्व में दृढ़ता एवं जुझारूपन का रुझान बढ़ता चला गया, और जो बाद में उनके व्यक्तित्व का एक प्रमुख पहचान बना। उनका यही आत्मबल एक दिन उन्हें स्वतंत्रता संग्राम सेनानी से लेकर कांग्रेस महासचिव, रेल मंत्री और प्रधानमंत्री पद तक प्रतिष्ठित किया।

लाल बहादुर ने 1925 में काशी विद्यापीठ से परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त किया एवं 1927 में इनका विवाह हो गया। शास्त्री जी जब युवा थे तब की एक घटना का उल्लेख है, यह घटना उनके आत्म बल, सहनशीलता दृढप्रतिज्ञ स्वभाव का एक उदाहरण है। वे विद्यालय जाने के नदी पार कर पढ़ने जाते थे, तो इसी क्रम में वे रामनगर गंगातट पर नाव घाट के पास पहुँचे तो उन्होंने देखा कि नाव में बैठने के लिये उनके पास पैसे तो हैं नहीं। नाव वाले ने भी बैठाने से इंकार कर दिया, और तो और अन्य सहपाठी जो नाव में बैठे थे, उन्होंने उनका उपहास किया। पर वे क्रोधित होने की बजाय तुरंत कपड़े उतारकर फिर पुस्तकें व कपड़े एक हाथ मे रखकर पानी में कूद पड़े और तैरकर उस पार पहुँच और समय पर ही अपनी उपस्थिति स्कूल में दर्ज कराई ऐसा एक बार नही अनेक बार हुआ। घर की आर्थिक स्थिति ने भी उन्हें ऐसा करने के लिये मजबूर किया। जब ललितादेवी के साथ उनका व्याह हुआ तो उन्होंने पहले से ही दहेज एवं विवाह के तामझाम के लिये मना कर दिया था। लड़की वालों के यहां एकदम सादगीपूर्ण विवाह संपन्न हुआ था। शास्त्री जो सर्वगुण सम्पन्न व्यक्ति थे। देश, समाज और जनता के आम जरुरतो उनकी समस्याओं पर ही चिंतन विशेष तौर पर करते थे ये नेकी के साक्षात मूर्ति थे। शास्त्री जी अपने किशोरावस्था से ही स्वतंत्रता संग्राम में कुद पड़े थे स्वतंत्रता संग्राम के उनके साथी गोविंद वल्लभ पंत, रफी अहमद किदवई. डॉ. राजेंद्र प्रसाद, जयनारायण व्यास महावीर त्यागी, कामरेड रामकिशन, आचार्य कृपलानी, मोहम्मद अब्दुल कलाम आजाद, सी. राजगोपालाचारी, गफ्फार खान शंकर राव देव, बाबू पुरुषोत्तम दास टेंडन, बाबा मग सिंह और प्रकाश नारायण आदि थे। इनके साथियों पर भी इनकी छाप का गहरा असर हुआ। गाँधीजी के साथ उन्होंने असहयोग आंदोलन के संचालन पर खूब मेहनत की।

1947 में भारत आजाद हुआ. और नेहरूजी भारत के पहले प्रधानमंत्री बने। 1951 में नेहरूजी जब भारत के प्रधानमंत्री एवं कांग्रेस अध्यक्ष थे, तब उन्होंने शास्त्रीजी को कांग्रेस का महासचिव नियुक्त किया। कुछ समय बाद नेहरु जी ने उन्हें रेल व परिवहन विभाग का मंत्रीपद सौपा। उनके ईमानदारी का परिचय इस पद पर भी देखने को मिला. जबकि एक रेल दुर्घटना की जिम्मेदारी अपने ऊपर लेते हुये उन्होंने पद से इस्तीफा दे दिया। नेहरू हर जी के लाख कहने पर भी इस्तीफा वापस नहीं लिया। यह था उनका कर्तव्य एवं दायित्व बोध ऐसी नैतिकता और सदभावता आज कहीं देखने को नहीं मिलती। दूसरे आम चुनाव मे लाल बहादुर पुनः भारी मतों से जीतकर संसद में पहुँचे और पुनः परिवहन, यातायात और उद्योग मंत्रालय का कार्यभार सम्हाला। कुछ समय बाद सन् 1960 में गृहमंत्री गोविंद वल्लभ पंत के अस्वस्थ हो जाने पर शास्त्री जी को गृह मंत्रालय का भी कार्यभार सम्हालना पड़ा। ऐसे ही जब एक बार किसी कपड़ा मिल का अवलोकन कर रहे थे तव वहाँ के अधिकारियों व कर्मियों ने शास्त्री जी की पत्नी के लिये उन्हें एक उत्तम किस्म की साडी भेंट करनी चाही, तभी उन्होंने उसका दाम पूछा और कहा कि इतने ऊंचे दाम की साड़ी मैं नहीं खरीद सकता, जबकि वे भेंट करना चाहते थे लेकिन उन्होंने उसे वापस कर दिया। क्या ऐसी सादगी, एवं ईमानदारी व भोलापन आज के किसी मंत्री, या अधिकारी में है?

सन 1964 के 27 मई को प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू की मृत्यु के बाद सभी के सामने यह सवाल था कि अब भारत का अगला प्रधानमंत्री कौन होगा..? आखिरकार सर्वसम्मति से शास्त्रीजी को प्रधानमंत्री बनाया गया। इसका मुख्य कारण था. उनका व्यवहार एवं व्यक्तित्व, चरित्र की सादगी। जिससे सभी प्रभावित थे। निम्न वर्ग के प्रति उनकी हमदर्दी प्रसिद्ध है। उनका लक्ष्य हमेशा भारत से गरीबी और बेरोजगारी दूर करने का रहा। वहीं वे अनुशासन के बड़े पाबंद थे। दूसरों से भी अनुशासन की इच्छा रखते थे। शास्त्री जी के शासनकाल में ही पाकिस्तान ने भारत पर हमला कर दिया था। वहाँ के शासकों की यह सोच थी कि अब भारत की बागडोर कमजोर प्रधानमंत्री के हाथों में है। इससे अच्छा अवसर हमले के लिये फिर नही मिलेगा। पर उनकी आशाओं के विपरीत पाकिस्तान को मुंह की खानी पड़ी और वह युद्ध में बुरी तरह से परास्त हुआ। इसी युद्ध के दौरान शास्त्री ने भारत के सैनिकों का हौसला बढ़ाने के लिये 'जय जवान जय किसानरू का जगत विख्यात नारा दिया था।' जनवरी 1966 को ताशकंद में उनका निधन हो गया।

वर्तमान में कोई भी राजनीतिज्ञ शास्त्रीजी के दिखाये गये रास्तों पर नहीं चलना चाहता। शास्त्री जी सादगी, ईमानदारी दायित्वबोध, जनता से प्रत्यक्ष संबंध एवं दृढ़ता आज के असंयमित अशिष्ट अलोकतांत्रिक, स्वार्थी और पश्चिमी सभ्यता की ओढने वाले हमारे देश के कर्णधारों को रास नहीं है। अभी भी हमारे नेता मंत्री एवं अधिकारी उनके बताये मार्ग पर चले तो देश विकास की ऊंचाइयों और नैतिकता को स्पर्श कर लेगा।

'क्या हुआ गर मिट गये. अपने वतन के वास्ते।
बुलबुले कुरबान होते हैं, चमन के वास्ते। ।'

-सुरेश सिंह बैस 'शाश्वत'

चिंतन-मनन

सिद्धांत गौण है, सत्ता प्रमुख

पिछले दिनों में राष्ट्रीय रंगमंच पर जिस प्रकार का राजनीतिक चरित्र उभरकर आ रहा है, वह एक गंभीर चिंता का विषय है। ऐसा लगता है, राजनीति का अर्थ देश में सुव्यवस्था बनाए रखना नहीं, अपनी सत्ता और कुर्सी बनाए रखना है। राजनीतिज्ञ का अर्थ उस नीति-निपुण व्यक्तित्व से नहीं है, जो हर कीमत पर राष्ट्र की प्रगति, विकास-विस्तार और समृद्धि को सर्वोपरी महत्व दे; किंतु उस विदूषक-विशारद व्यक्तित्व से है, जो राष्ट्र के विकास और समृद्धि को अवनति के गर्त में फेंककर भी अपनी कुर्सी को सर्वोपरि महत्व देता हो। राजनेता का अर्थ राष्ट्र को गति की दिशा में अग्रसर करने वाला नहीं, अपने दल को सत्ता की ओर अग्रसर करने वाला रह गया है। यही कारण है कि आज राष्ट्र गौण है, दल प्रमुख है। सिद्धांत गौण है, सत्ता प्रमुख है। चरित्र गौण है, कुर्सी प्रमुख है।

एक राजनेता में राष्ट्रीय चरित्र, न्याय-सिद्धांत और नेतृत्व क्षमता के गुणों की आवश्यकता नहीं, किंतु आज कुशल राजनेता वही है, जो अपने दल के लिए राष्ट्र के साथ भी विश्वासघात कर सकता हो, अपनी कुर्सी के लिए अपने दल के साथ भी विश्वासघात करने का जिसमें साहस या दुस्साहस हो।

बहुत बार मन में प्रश्न उभरता है, क्या राजनीति का अपना कोई चरित्र नहीं होता अथवा सत्ता प्राप्ति के लिए राष्ट्र, समाज, दल और व्यक्ति की विश्वासपूर्ण भावनाओं के साथ खिलवाड़ करना ही राजनीति का चरित्र होता है? जनता की कोमल भावनाओं का शोषण करके सत्तासीन होने के बाद क्या राजनेता का व्यक्तित्व जनता और राष्ट्र से भी बड़ा हो जाता है?

यदि ऐसा नहीं है तो आज की राजनीति क्यों अपने प्रिय पुत्रों, संबंधियों और चमचों-चाटुकारों के चप्रव्यूह में फंसकर रह गई है? राष्ट्र को स्थिर नेतृत्व प्रदान करने के नाम पर क्यों सिद्धांतहीन समझौते और स्तरहीन कलाबाजियां दिखाई जा रही हैं? संप्रदायवाद, जातिवाद, भाषावाद और प्रांतवाद को भड़का करके क्यों सत्ता की गोटियां बिठाई जा रही हैं? आज की राजनीति को देखकर मन ग्लानि और वितृष्णा से भर जाता है। आखिर यह सबकुछ कब तक चलता रहेगा?

बिगड़े.बोल : कब समझदार बनेंगे माननीय

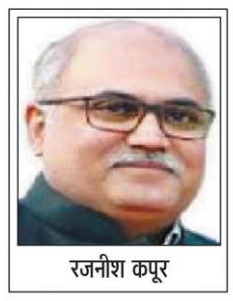

रजनीश कपूर

चुनावी सभा हो या संसद सदन जब भी नेताओं के बोल बिगड़ते हैं तो सुर्खियां बनते देर नहीं लगती। परंतु सोचने वाली बात यह है कि जहां एक ओर हमारे देश में राजनेताओं की एक जमात ऐसी थी जो नैतिकता का पालन करती थी। वहीं दूसरी ओर बीते कुछ वर्षों से राजनेताओं के बयानों में आपको अभद्रता के कई उदाहरण मिलेंगे। दल चाहे कोई भी हो नेताओं की जबान फिसलते देर नहीं लगती। फिर वो चाहे किसी पुरुष नेता का महिला के संदर्भ में दिया गया बयान हो, किस धर्म या जाति विशेष के लोगों के खिलाफ दिया गया बयान हो या किस महिला नेता का किसी आम आदमी को धमकाने वाला बयान हो। नेता अपनी कुर्सी की गर्मी और अहंकार के चलते सभी हदें पार कर देते हैं।

बीते कुछ दिनों में अलग-अलग दलों के नेताओं द्वारा जिस तरह की बयानबाजी देखने को मिली है उससे यह बात तो साफ है कि नेता सुर्खियों में बने रहने के लिए किसी भी स्तर पर जा सकते हैं। ऐसे में देखना यह है कि राजनैतिक दलों का शीर्ष नेतृत्व ऐसे बेलगाम नेताओं के खिलाफ क्या कार्रवाई करता है। यदि कोई भी दल इस बात की दुहाई दे कि वे महिला सम्मान के प्रति कटिबद्ध है और वहीं उसी के दल के नेता किसी जनसभा में किसी सड़क की तुलना विपक्षी दल की किसी महिला नेता के 'गालों' से करता है तो यह बात न सिर्फ निंदनीय होनी चाहिए बल्कि ऐसे नेता को उसके शीर्ष नेतृत्व से कड़ी फटकार और सजा भी मिलनी चाहिए जिससे कि अन्य नेताओं को सबक मिले, परंतु क्या ऐसा हुआ या ऐसा होता है? यदि इसका उत्तर 'नहीं' है तो यह बात स्पष्ट है कि ऐसे अनैतिक नेताओं को उनके शीर्ष नेतृत्व की पूरी हमदर्दी और आशीर्वाद प्राप्त है। पिछले दिनों में जहा एक दल के नेता ने एक महिला नेता और एक महिला मुख्य मंत्री के लिए अभद्र भाषा का प्रयोग किया वही एक अन्य दल के नेता ने एक सभा में अपने क्षेत्र के वोटरों को ही दोषी ठहराया। इतना ही नहीं उनकी तुलना 'वेश्या' से भी कर डाली। उसी राज्य में एक अन्य दल के वरिष्ठ नेता ने भी अपने वोटरों को इस तरह धमकाया कि ये बयान भी सुर्खियों में छा गया। इस वरिष्ठ नेता ने तो यहां तक कह डाला कि 'सिर्फ इसलिए कि आपने वोट दिया इसका मतलब यह नही है कि आप मेरे मालिक हैं। क्या आपने मुझे अपना नौकर बना लिया है?' यह बात तो जगजाहिर है कि चुनावी दिनों में हर नेता अपने वोटरों के आगे-पीछे घूमते हैं। उन्हें रिझाने के लिए क्या-क्या नहीं करते, परंतु जैसे ही वे सत्ता में आते हैं तो अपना असली रंग दिखाने में पीछे नहीं हटते। ऐसे में कबीर दास जी का यह दोहा याद आता है, 'ऐसी वाणी बोलिए, मन का आपा खोये। औरन को शीतल करे, आपहुं शीतल होए'

जो हमें बचपन से ही सिखाता आया है कि चाहे कुछ भी हो हमें ऐसी भाषा बोलनी चाहिए जो सुनने वाले के मन को आनंदित करे। जहां मीठे वचन सुनने वालों को सुख देते हैं, वहीं हमारे मन को भी आनंदित करते हैं, परंतु क्या हमारे द्वारा चुने गये जनप्रतिनिधि इसका अनुसरण कर रहे हैं? या सत्ता के अहंकार में आपा खो रहे हैं। एक समय था जब नेता अपने क्षेत्र की जनता को सर-आंखों पर बिठा कर रखते थे। उनकी हर छोटी-बड़ी समस्या का हल निकालने के लिए हर कदम उठाते थे। अपने क्षेत्र के वोटर के खुशी और गम में भी परिवार की तरह ही शामिल हुआ करते थे, परंतु आजकल कुछ नेताओं को छोड़ कर ऐसे नेता आपको ढूंढे नहीं मिलेंगे। पुरानी पीढ़ी के नेता जिस सादगी से चुनाव के पहले रहते थे, चुनावों में जीतने के बाद भी वे उसी सादगी से ही नजर आते थे, परंतु आजकल के नेता चुनावों में जितनी भी सादगी दिखाएं, चाहे चुनाव जीतने के बाद सादगी से रहने के जितने भी वादे क्यों न करें, चुनाव जीतते ही अपने किए वादो से मुकरने में क्षण भर भी नहीं लगाते। बिना यह सोचे कि लोकतंत्र में जनता ही मालिक है नेता नहीं।

भारत जैसे देश के लिए कहा जाता है कि ह्यचार कोस कोस पर पानी बदले आठ कोस पर वाणी' यानी हमारे देश में विविधताओं का होना प्राचीन युगों से चला आ

रहा है। भारत में अनेक धर्मों, जातियों, विचारों, संस्कृतियों और मान्यताओं से संबंधित विभिन्नताएं हैं, किंतु उनके मेल से एक खूबसूरत देश का जन्म हुआ है, जिसे हम भारत कहते हैं। भारत की ये विविधताएं एकता में बदल गई हैं, जिसने इस देश को विश्व का एक सुंदर और सबल राष्ट्र बना दिया है। शायद इसीलिए भारत के लिए कहा गया है कि 'अनेकता में एकताः मेरे देश की विशेषता'। इसलिए हमें सभी धर्मों, विचारधाराओं और संस्कृतियों का सम्मान करना चाहिए। हमारे द्वारा चुने गए नेता, चाहे किसी भी दल के क्यों न हों, चुनाव जीतते ही यदि अपनी असभ्यता का परिचय देने लग जाएं और उनके दल द्वारा उन्हें किसी भी तरह दंड न दिया जाए। तो अगली बार जब भी ऐसे नेता जनता के सामने याचक बन कर आएं तो वोटरों द्वारा ऐसे नेताओं का बहिष्कार कर उन्हें आईना जरूर दिखाया जाए। ऐसा करने से इन असभ्य नेताओं में एक मजबूत संदेश जाएगा। तब शायद उन्हें कबीरदास जी का दोहा याद आएगा।

स्वामी, प्रकाशक और मुद्रक डा0 सरवर जमाल ने आर0 डी0 प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स प्रा0 लि0 प्लाट नं0 16-17 पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, रोड नं0 झ्र 09 पटना झ्र 800013 से छपवाकर कार्यालय 203 बी, ब्लाक रंजीत रेसीडेंसीज, साकेतपुरी, मछली गली, राजा बाजार पटना- 800014 से प्रकाशित किया |सम्पादकः श्रीमती शबाना प्रवीन पी0 आर0 बी0 एक्ट के तहत खबरों की जिम्मेवार| मैनेजिंग एडिटरः डा0 राजीव कुमार, स्थानीय सम्पादकः डा0 नूतन कुमारी, उप सम्पादकः तबस्सुम नवाज PRGI NO:- BIHHIN/2023/86924 E-mail- Newsindogulf730@gmail.com,Mob-9472871824/8544031786 समस्त विवादों का निवारण पटना न्यायालय के अधीन ही होंगे।

बुरी तरह फ्लॉप रही बेबी जॉन, फिर भी खरीदा करोड़ों का घर

बॉलीवुड स्टार वरुण धवन और उनकी पत्नी नताशा दलाल मुंबई के प्रमुख जुहू इलाके में अपने नए रियल एस्टेट निवेश की वजह से चर्चा में आ गए हैं। इस जोड़ी ने हाल ही में डीडेकोर ट्वेंटी बिल्डिंग में दो शानदार फ्लैट खरीदे हैं। इसकी कीमत करोड़ों में हैं।

छठी और सातवीं मंजिल पर है आलीशान आशियाना

इन दोनों फ्लैट का कार्पेट एरिया 9,730 स्क्वायर फीट है। अभिनेता के ये फ्लैट बिल्डिंग की छठी और सातवीं मंजिल पर स्थित है। इसमें पांच करोड़ 21 लाख रुपये का स्टाम्प ड्यूटी भी अदा की गई।

इतनी है अपार्टमेंट की कीमत

वरुण धवन और नताशा दलाल के इस अपार्टमेंट में आठ कार पार्किंग स्पेस भी हैं, जो इस घर की लग्जरी को और भी ज्यादा बढ़ा रहे हैं। इस खरीदारी का प्रति वर्ग फीट मूल्य 89,332 रुपये है। घर की कीमत 86.92 करोड़ रुपये है। जुहू क्षेत्र अपनी शानदार लाइफस्टाइल और फिल्मी हस्तियों के लिए मशहूर है। इस जगह पर कई सितारों के घर मौजूद हैं।

जुहू में रहते हैं कई सितारे

जुहू और बांद्रा मुंबई के वे प्रमुख इलाके हैं, जहां कई बॉलीवुड सितारे रहते हैं। अमिताभ बच्चन के पास जुहू में प्रतिष्ठा और जलसा जैसे शानदार बंगले हैं। इसके अलावा, धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी, अक्षय कुमार, अजय देवगन, काजोल, गोविंदा और संजय लीला भंसाली भी जुहू क्षेत्र में रहते हैं। वहीं, सलमान खान, शाहरुख खान, आमिर खान, सैफ अली खान और करीना कपूर सहित कई सितारे बांद्रा इलाके में रहते हैं।

इन फिल्मों में दिखेंगे वरुण

वर्क फ्रंट की बात करें तो हाल ही में वरुण धवन फिल्म बेबी जॉन में कीर्ति सुरेश, वामिका गब्बी, जैकी श्रॉफ और राजपाल यादव के साथ नजर आए थे। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप साबित हुई थी। उनकी आगामी फिल्म की बात करें तो वह फिल्म नो एंट्री 2 में नजर आएंगे, जिसमें दिलजीत दोसांझ और अर्जुन कपूर भी होंगे। इसके अलावा, वरुण धवन के पास फिल्म बॉर्डर 2 में भी है। फिल्म में वह सनी देओल, दिलजीत और अहान शेट्टी के साथ स्क्रीन साझा करेंगे।

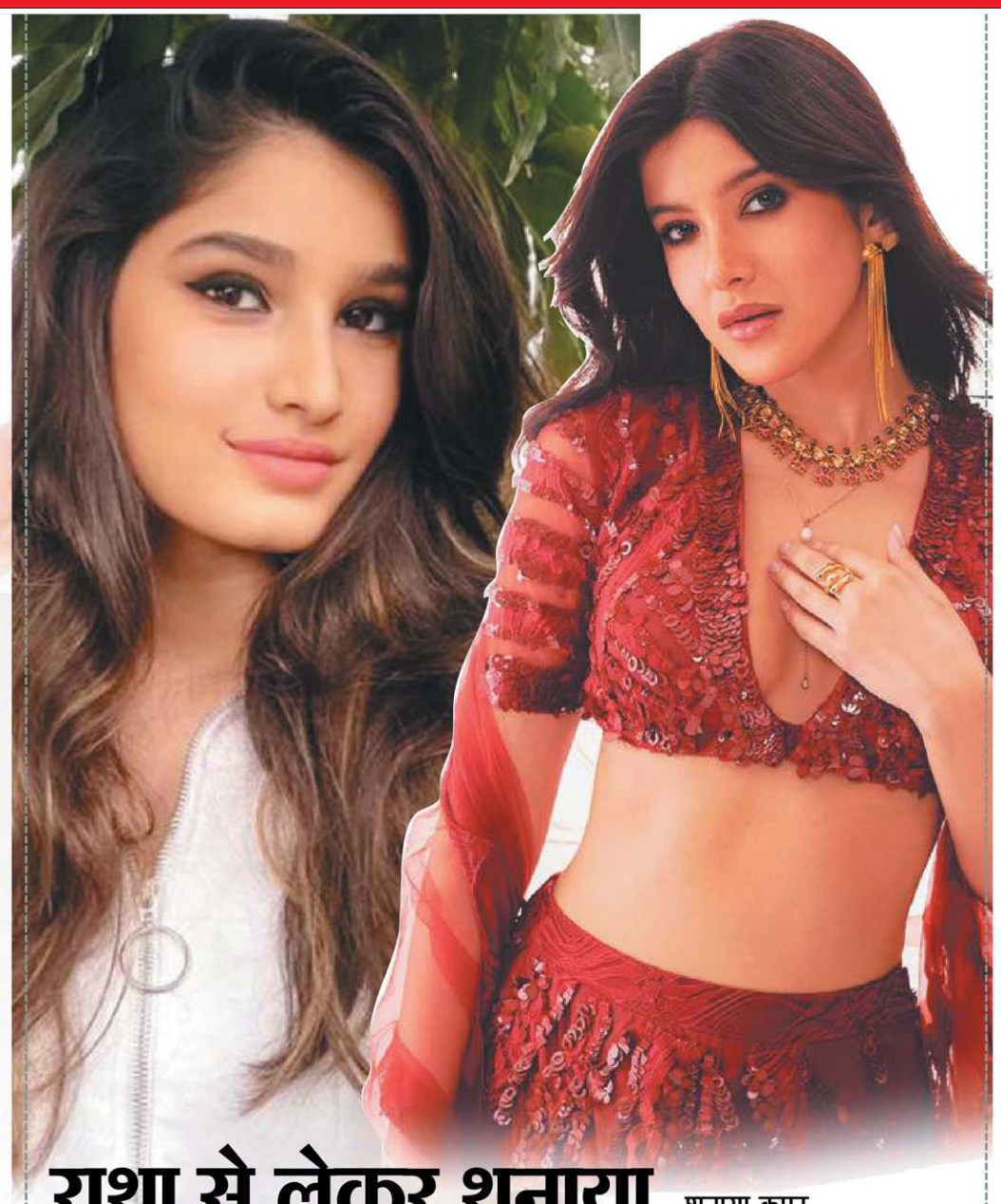

राशा से लेकर शनाया तक इस साल डेब्यू करेंगे ये स्टारकिड्स

इस साल 2025 में कई बॉलीवुड स्टार किड्स बड़े पर्दे पर डेब्यू करने जा रहे हैं। आइए आपको बताते हैं इन स्टार किड्स के एजुकेशन के बारे में...

राशा थडानी

बॉलीवुड की दुनिया में आजाद फिल्म से डेब्यू करने जा रही राशा ने धीरूभाई अंबानी इंटरनेशनल स्कूल से पढ़ाई की है। इसके बाद उन्होंने साल 2021 में इंटरनेशनल जनरल सर्टिफिकेट ऑफ सेकेंड्री एजुकेशन की पढ़ाई साल 2021 में पूरी की है। वे अब फिल्मी दुनिया में कदम रखने जा रही हैं।

इब्राहिम अली खान

सारा अली खान के भाई इब्राहिम अली खान सरजमीं से डेब्यू करेंगे। इब्राहिम ने धीरूभाई अंबानी स्कूल से पढ़ाई की। इसके बाद न्यूयॉर्क फिल्म अकादमी से ग्रेजुएशन कर फिल्म मेकिंग में डिग्री ली।

अमान देवगन

अजय देवगन के भांजे अमान देवगन भी राशा के साथ फिल्म आजाद से डेब्यू करने जा रहे हैं। अमान ने मुंबई के स्कूल से पढ़ाई की। इसके बाद उन्होंने नेब्रास्का विश्वविद्यालय से कंप्यूटर विज्ञान में स्नातकोत्तर तथा मिशिगन विश्वविद्यालय के रॉस स्कूल ऑफ बिजनेस से एमबीए की डिग्री ली।

सिमर भाटिया

अक्षय कुमार की भांजी सिमर भाटिया भी डेब्यू करने को तैयार है। सिमर ने मुंबई के स्कूल से स्कूलिंग की। उनकी आगे की पढ़ाई की डिटेल्स अभी मौजूद नहीं है।

अहान पांडे

अहान पांडे मोहित सूरी की फिल्म से डेब्यू करेंगे। अहान ने मुंबई के ओबेरॉय स्कूल से पढ़ाई की और फिर ग्रेजुएशन किया। वे दो फिल्मों में बतौर सहायक निर्देशक रह चुके हैं।

शनाया कपूर

शनाया कपूर भी इस साल बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रही हैं। बॉक्स ऑफिस पर साल 2025 में उनकी फिल्म वृषभा और आंखों की गुस्ताखियां रिलीज होने वाली हैं। एजुकेशन की बात करें तो मुंबई के इकोले मोंडिएल वर्ल्ड स्कूल से पढ़ाई की। उन्होंने एक्टिंग की ट्रेनिंग की है। शनाया वर्तमान में लंदन के इस विश्वविद्यालय में अर्थशास्त्र में कला स्नातक की पढ़ाई कर रही हैं। शनाया अपनी पहली फिल्म में लक्ष्य लालवानी और गुरफतेह पीरजादा के साथ काम करने वाली हैं।

वीर पहाड़िया

स्काई फोर्स से डेब्यू कर रहे वीर पहाड़िया ने भी धीरूभाई अंबानी के स्कूल से पढ़ाई की है। इसके बाद बॉस्टन के कॉलेज से ग्रेजुएशन की डिग्री भी ले चुके हैं। उन्होंने ग्लोबल बिजनेस मैनेजमेंट में बी.ए. की पढ़ाई की है।

मलयालम फिल्म इंडस्ट्री को लेकर बोलीं एक्ट्रेस पार्वती

अभिनेत्री पार्वती थिरुवोथु वायनाड लिटरेचर फेस्टिवल में अतिथियों में से एक थीं, लेखिका अरुंधति रॉय के साथ बातचीत में उन्होंने बताया कि आज के युवा मलयालम अभिनेता पुरानी पीढ़ी से बदतर हैं। उन्होंने कहा कि लड़ाई झगड़े और हिंसा करने वाले पुरुषों का गुणगान करने वाले सितारों के लिए फिल्में अभी भी बन रही हैं।

नई पीढ़ी को लेकर की बात

जब पार्वती से पूछा कि वर्तमान पीढ़ी में महिलाओं का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि आज के समय में लोगों का तरीका थोड़ा परेशान करने वाला है। पहले के लोग कुछ अन्य चीजों से परेशान थे, आज के लोगों की समस्याएं दूसरी हैं। उन्होंने कहा कि कुछ लोग स्पष्ट रूप से देख सकते हैं कि उनके आसपास क्या हो रहा है। इंडस्ट्री में कुछ लोग निराश हैं क्योंकि उन्हें वे लाभ नहीं मिल रहे हैं जो पुरानी पीढ़ी को मिल रहे थे।

इसलिए चर्चा में रहती हैं पार्वती

पार्वती थिरुवोथु को उनके खुलकर बोलने की बात करने की आदत के कारण जाना जाता है। उन्होंने कहा कि मलयालम इंडस्ट्री में बहुत सारे बदलाव आए हैं। यहां बड़ी बजट की फिल्में बनने लगी हैं, सके बाद भी वही मुद्दे फिल्मों में दिखाए जा रहे हैं। न्होंने कहा, पहले मुझे चिंता होती थी कि मुझे फिर इन लोगों के साथ काम करना पड़ेगा। लेकिन अब ऐसे विचार मुझे परेशान नहीं करते। पार्वती ने कहा कि उन्हें इंडस्ट्री में बाथरूम पार्वती का नाम मिला क्योंकि उन्होंने सेट पर महिलाओं को लिए सही शौचालय व्यवस्था को लेकर बात की थी। इससे हले पार्वती को मलयालम फिल्म हर में देखा गया, इसका निर्देशन लिजिन जोस ने किया था।

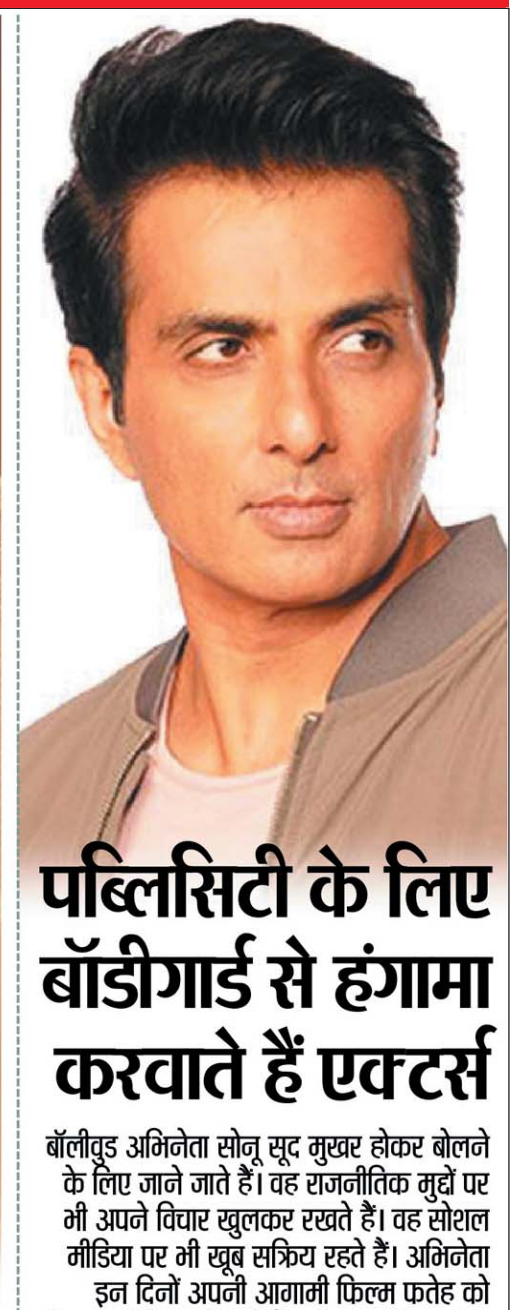

पब्लिसिटी के लिए बॉडीगार्ड से हंगामा करवाते हैं एक्टर्स

बॉलीवुड अभिनेता सोनू सूद मुखर होकर बोलने के लिए जाने जाते हैं। वह राजनीतिक मुद्दों पर भी अपने विचार खुलकर रखते हैं। वह सोशल मीडिया पर भी खूब सक्रिय रहते हैं। अभिनेता इन दिनों अपनी आगामी फिल्म फतेह को लेकर सुर्खियां बटोर रहे हैं। सोनू सूद फिल्म का खूब प्रमोशन कर रहे हैं। साथ ही इंडस्ट्री की कई छुपी बातों का खुलासा भी कर रहे हैं। अब हाल ही में, अभिनेता ने बताया है कि कुछ अभिनेता लोगों का अटेंशन लेने के लिए अपने बॉडीगार्ड से हंगामा करवाते हैं।

पब्लिसिटी के लिए कलाकार करते हैं ये काम

हाल ही में जिस्ट के साथ एक साक्षात्कार में, सोनू सूद ने बॉलीवुड कलाकारों पर कटाक्ष किया है और कहा है कि कुछ लोग कैमरे के पीछे भी काफी अच्छी एक्टिंग करते हैं। अभिनेता ने कहा, मुझे लगता है कि बॉलीवुड के लोगों के सिर्फ कैमरे के आगे की एक्टिंग करनी चाहिए। जैसे ही कैमरा बंद हो जाए, उन्हें एक्टिंग करनी भी बंद कर देनी चाहिए। हालांकि, कुछ लोगों से इतना भी नहीं होता है, उनकी पूरा जीवन हर समय एक्टिंग करने में ही निकल जाता है।

फैंस से बातचीत करना सोनू को है पसंद

अभिनेता ने आगे कहा, कई बार वीडियो वायरल होते हैं कि किसी कलाकार के बॉडीगार्ड ने हंगामा कर कर दिया। कई लोग बॉडीगार्ड साथ लेकर जाते हैं। यहां तक कि मैं भी बड़े इवेंट्स में बॉडीगार्ड साथ लेकर जाता हूं। हालांकि, मैं अपने बॉडीगार्ड से कहता हूं कि मुझे लोगों के बीच में जाने दो क्योंकि मुझे उनसे बातचीत करना पसंद है। कई कलाकार इसका भी पब्लिसिटी के इस्तेमाल करते हैं।

लोगों की अटेंशन पाने के लिए सोनू रखते थे बॉडीगार्ड

सोनू ने यह भी बताया कि बॉलीवुड में कई लोग बॉडीगार्ड सिर्फ अटेंशन लेने के लिए रखते हैं। अभिनेता ने कहा, उन्होंने कहा, उनमें से कई लोग एयरपोर्ट पर भी अपने बॉडीगार्ड रखते हैं और फिर वे वहां पूरा तमाशा बनाते हैं। एक बार मैंने एक बॉडीगार्ड से बात की और पूछा, तुम तमाशा क्यों बना रहे हो? क्या तुम शांति से नहीं चल सकते? उसने कहा, नहीं सर, हमें ड्रामा करने के निर्देश दिए गए हैं।

लोग नहीं करेंगे नोटिस

बॉडीगार्ड ने अभिनेता से कहा कि अगर ऐसा नहीं किया तो हम पर चिल्लाया जाएगा। सोनू ने कहा कि इसलिए बहुत से अभिनेता लोगों का ध्यान आकर्षित करने के लिए अपने साथियों के साथ ये सब ड्रामा करते हैं क्योंकि उन्हें बस इस बात का डर होता है कि अगर वे बिना ड्रामा के किसी जगह पर जाएंगे तो लोग उन्हें नोटिस नहीं करेंगे।

गुड बैड अग्ली की रिलीज डेट का एलान, प्रभास की द राजा साब से भिड़ेंगे अजित

अभिनेता अजित कुमार की आगामी फिल्म गुड बैड अग्ली को आधिकारिक तौर पर इसकी रिलीज की तारीख मिल गई है। फिल्म का निर्देशन आदिक रविचंद्रन ने किया है। फिल्म की रिलीज डेट को लेकर कई तरह की आशंकाएं बनी हुई थीं, लेकिन आखिरकार आज निर्माताओं ने गुड बैड अग्ली की रिलीज की तारीख से पर्दा उठा दिया है।

फिल्म की नई रिलीज डेट

निर्देशक आदिक रविचंद्रन ने फिल्म का नया पोस्टर जारी किया और एलान किया कि यह फिल्म 10 अप्रेल, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। आज सोमवार को एक्स पर शेयर किए गए नए पोस्टर में अजित एक शानदार टू-पीस व्हाइट सूट में एक पिस्तौल पकड़े हुए सोफे पर बैठे हुए नजर आ रहे हैं। पोस्टर के साथ आदिक रविचंद्रन ने एक कैप्शन लिखा, गुड बैड अग्ली 10 अप्रैल को आ रही है।

प्रभास की फिल्म से कड़ी टक्कर

हालांकि, इस तारीख को फिल्म की रिलीज आसान नहीं होने वाली है, क्योंकि बॉक्स ऑफिस पर इसकी टक्कर सुपरस्टार प्रभास की फिल्म द राजा साब से होगी। 10 अप्रैल 2025 को प्रभास की द राजा साब भी रिलीज हो रही है। प्रभास इस समय सबसे बड़े पैन इंडिया स्टार हैं, जबकि अजीत के तमिलनाडु में बहुत बड़े प्रशंसक हैं, इसलिए ह टकराव देखना बहुत दिलचस्प होगा। अब देखना यह होगा कि कौन सी फिल्म किस पर भारी पड़ती है। गुड बैड अग्ली के बारे में अपडेट साझा करते हुए इससे पहले मैत्री मूवी मेकर के निर्माता नवीन यरनेनी ने चेन्नई में पुष्पा 2 के प्री-रिलीज वेंट में फिल्म की रिलीज के बारे में अपडेट साझा किया। उन ने गुड बैड अग्ली के पोस्टपोन का संकेत दिया था। दरअस , यह फिल्म को पहले पोंगल 2025 के मौके पर रिली किया जाना था, क्योंकि अजित की एक और बहुप्रतीक्षित फिल म विदामुयार्ची की रिलीज को रास्ता दिया गया था, लेकि अंतिम समय में विदामुयार्ची की रिलीज को भी आगे खिसक दिया गया। ऐसे में अजित की दोनों फिल्मों के हाथ से पोंगल की तारीख निकल गई। हालांकि, अब तक विदामुयार्ची की नई रिलीज पर अपडेट नहीं आया है, लेकिन गुड बैड अग की रिलीज की तारीख ने फैंस को उत्स हित कर दिया है। इस फिल्म में अजित कुमार, तृषा, प्रसन्ना और सुनील प्रमुख भूमिकाओं में हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, अ त फिल्म में तीन अलग-अलग लुक में होंगे। अजित के तीन किरदार फिल्म के नाम गुड बैड अग्ली को दिखाएंगे। ऐसा कहा जा रहा है कि अजित एक नकारात्मक किरदार निभा सकते हैं।

तलाक के बाद प्यार की तलाश में हैं संजीदा?

टीवी अभिनेत्री संजीदा शेख अपनी प्रोफेशनल लाइफ के अलावा अपनी निजी जिंदगी को लेकर चर्चा में रहती हैं। संजीदा ने पहले आमिर अली से शादी की थी, हालांकि अब अभिनेत्री ने बताया कि उन्हें प्यार पर भरोसा है। एक साक्षात्कार में संजीदा शेख कहा कि आज के वक्त में प्यार ढूंढना कोई मुश्किल काम नहीं है।

संजीदा ने बताया कि आज के समय में कोई ऐसा पार्टनर मिले, जो आपकी आत्मा को शांति दे। अभिनेत्री ने आगे कहा कि मैं उम्मीद करती हूं कि यह एक्सपीरियंस सबको मिले। संजीदा ने यह भी कहा कि रिश्ते में धोखा हमेशा ही मिलता है, लेकिन प्यार पर भरोसा करना जरूरी है।

बुमराह की कप्तानी में उतरी भारतीय टीम पहली पारी में 185 रनों पर सिमटी

ऑस्ट्रेलिया ने एक विकेट पर 9 रन बनाये

सिडनी (एजेंसी)। जसप्रीत बुमराह की कप्तानी में यहां ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांचवें और अंतिम क्रिकेट टेस्ट में उतरी भारतीय टीम एक बार फिर मेजबान गेंदबाजों का सामना नहीं कर पायी और अपनी पहली पारी में 185 रनों पर ही सिमट गयी। ऋषभ पंत ने सबसे ज्यादा 40 रन बनाये, वहीं अन्य बल्लेबाज सस्ते में ही पेवेलियन लौट गये। इसके बाद बल्लेबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलिया ने दिन का खेल समाप्त तक अपनी पहली पारी में तीन ओवरों में एक विकेट के नुकसान पर 9 रन बना लिए थे। उस्मान ख्वाजा केवल 2 रन पर ही पेवेलियन लौट गये जबकि सैम कोनस्टास 7 रन बनाकर खेल रहे थे।

वहीं आज सुबह भारतीय टीम की कप्तानी करते हुए बुमराह ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया पर वह सही साबित नहीं हुआ। भारतीय टीम की शुरूआत अच्छी नहीं रही और उसने शुरुआती दो विकेट केवल 17 रनों पर ही खो दिये। भारतीय टीम की ओर से विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने सबसे ज्यादा 40 रन बनाये। सलामी बल्लेबाजों के साथ-साथ कोहली और जडेजा जैसे अनुभवी खिलाड़ी भी रन नहीं बना पाये। भारत की पारी की शुरुआत अच्छी नहीं रही। सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल 10 रनों पर ही आउट हो गये । इसके बाद केएल राहुल के उम्मीद थी पर वह केवल 4 रन ही बना पाये। शुभमन गिल ने इस मैच में वापसी करते हुए केवल 20 रन बनाये। अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली भी 17 रन ही बना पाये। ऋषभ ने सबसे ज्यादा 40 रन बनाये। वहीं रविंद्र जडेजा 26 रनों पर आउट हुए। पिछले मैच में शतक लगाने वाले नितीश रेड्डी शून्य पर ही आउट हो गये। वाशिंगटन सुंदर ने 14 जबकि प्रसिद्ध कृष्णा ने 2 रन बनाये। बुमराह 17 गेंद पर 22 रन बनाकर आउट। बुमराह ने 3 चौके और 1 छक्का लगाया। मोहम्मद सिराज 17 रन बनाकर नाबाद रहे। मेजबान कंगारुओं की ओर से स्कॉट बोलैंड ने 4, मिचेल स्टार्क ने 3, पैट कमिंस ने 2 और नाथन लियोन ने 1 विकेट लिया। भारतीय टीम की अंतिम 11 में रोहित शर्मा की जगह शुभमन गिल और चोटिल आकाशदीप की जगह प्रसिद्ध कृष्णा को मौका मिला। इस मैच में भारतीय टीम के नियमित कप्तान रोहित शर्मा ने आराम लिया। जिस कारण बुमराह को कप्तानी दी गयी थी। इस मैच में शुभमन गिल की अंतिम एकादश में जगह मिली है जबकि तेज गेंदबाज कृष्णा को पहली बारी सीरीज में खेलने का अवसर मिला है। दूसरी ओर ऑस्ट्रेलिया ने एक बदलाव के तहत ही मिचेल मार्श की जगह ब्यू वेबस्टर को शामिल किया है। ऑस्ट्रेलिया ने ऑलराउंडर वेबस्टर को खराब फॉर्म में चल रहे मिचेल मार्श की जगह शामिल किया गया है। वेबस्टर ने इस मैच से पदार्पण किया। उन्हें पूर्व क्रिकेटर मार्क वॉ ने टेस्ट कैप सौंपी।

रोहित भारतीय क्रिकेट के इतिहास में टीम से बाहर होने वाले पहले कप्तान बने

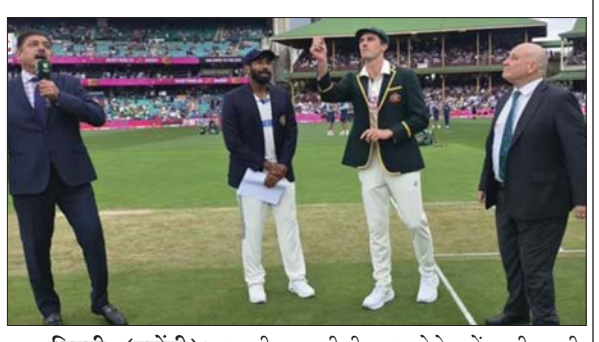

सिडनी (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम शुक्रवार को बॉर्डर-गावस्कर सीरीज के अंतिम मैच में जसप्रीत बुमराह की कप्तानी में उतरी। इस मैच में नियमित कप्तान रोहित शर्मा ने आराम का फैसला किया। रोहित अब ऐसे पहले कप्तान हो गये हैं जिन्हें अंतिम ग्यारह में जगह नहीं मिली है। भारतीय क्रिकेट में कई बार सीरीज में कप्तान बदले हैं पर टीम में रहते हुए अंतिम ग्यारह से बाहर रहने का ये पहला मामला है। वहीं विश्व क्रिकेट की बात करें तो चौथी बार ऐसा हुआ है।

इससे पहले किसी कप्तान को अंतिम ग्यारह से बाहर करने का पहला मामला 1974 की एशेज सीरीज में आया था। उस समय इंग्लैंड के माइक डेनेस चौथे टेस्ट से बाहर रहे थे और उनकी जगह जॉन एडरिच को कप्तानी दी गयी थी पर अगले टेस्ट में उनकी वापसी हो गयी थी जबकि रोहित के मामले में ऐसा नहीं हो सकता। साल 2014 के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में ऐसा पहली बार हुआ है। अंतिम बार पाकिस्तान के मिस्बाह उल हक ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के बीच बाहर होने का फैसला किया था, उनकी जगह शाहिद अफरीदी को टीम का कप्तान बनाया गया था।

उसी साल दिनेश चंडीमल भी सेमीफाइनल और फाइनल सहित टी20 वर्ल्ड कप के अंतिम तीन मैचों के लिए श्रीलंकाई लाइन-अप से बाहर रहे थ और तब लसिथ मलिंगा ने तब कप्तानी की जिम्मेदारी संभाली थी और टीम को पहला टी20 वर्ल्ड कप खिताब जिताया था।

कोहली के कैच पर उठा विवाद , नॉट आउट दिये गये

सिडनी (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली के खिलाफ सिडनी टेस्ट मैच में पहली ही गेंद पर आउट की अपील की गयी हालांकि कोहली को आउट नहीं दिया गया। इसपर काफी विवाद भी हुआ। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर और इरफान पठान ने जहां अंपायर के इस फैसले को सही बताया। वहीं इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने इसे गलत बताया। कोहली के आउट होने का रिव्यू भी लिया गया।

इस कैच पर की गयी अपील को टीवी अंपायर ने समीक्षा के बाद खारिज कर दिया। उनका कहना था कि गेंद जमीन से लग गयी थी। इसके बाद इस फैसले पर विवाद हो गया। जहां गावस्कर और पठान ने विराट को नॉटआउट बताया। वहीं इंग्लैंड के माइकल वॉन और ऑस्ट्रेलिया के जस्टिन लैंगर का कहना है कि विराट आउट हैं क्योंकि गेंद सीधे स्मिथ के हाथ में पहुंची थी।

इरफान पठान ने सोशल मीडिया लिखा, 'कोहली नाट आउट थे। अंपायर ने उन्हें आउट न देकर सही किया।' वहीं वॉन ने कहा कि स्मिथ की उंगली गेंद के नीचे थ। इसलिए विराट कोहली आउट थे।' लैंगर का मानना है कि विराट निश्चित रूप से आउट थे। स्मिथ की उंगली गेंद के नीचे थी। इस में रोहित शर्मा का आराम देकर जसप्रीत बुमराह को कप्तानी दी गयी। इस मैच में शुभमन गिल को अंतिम एकादश में जगह मिली है जबकि तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा को सीरीज में पहली बार अवसर मिला है।

मैं मानसिक रूप से ठीक नहीं था... सिडनी टेस्ट में आया ऋषभ पंत का बड़ा बयान

सिडनी (ऑस्ट्रेलिया) (एजेंसी)। सिडनी में अंतिम टेस्ट के पहले दिन भारतीय बल्लेबाजों के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत ने पारी के दौरान बरते अधिक रक्षात्मक दृष्टिकोण पर बात की। उन्होंने कहा कि कभी-कभी किसी को 'समझदारी से क्रिकेट' खेलने की जरूरत होती है। आज विकेट बल्लेबाजों के लिए मददगार नहीं था इसलिए उन्हें अपने स्वाभाविक खेल पर लगाम लगानी पड़ी। सिडनी टेस्ट के पहले दिन भारत के लिए बल्लेबाजी इकाई के रूप में एक और निराशाजनक दिन रहा क्योंकि शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों ने एक बार फिर अपने विकेट खराब शॉट के कारण गंवा दिए। स्कॉट बोलैंड (4/31) ने भारत को परेशान किया, जबकि ऋषभ ने 98 गेंदों में 3 चौकों और 1 छक्के की मदद से 40 रन बनाए। अपनी पारी के दौरान पंत को कई शारीरिक चोटें भी लगीं।

पंत ने पोस्ट-डे प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान अपनी पारी के बारे में बात करते हुए कहा कि मुझे लगता है कि इस पारी में मैं उस मानसिक स्थिति में नहीं था, जहां मैं खेल की कमान संभालना चाहता था, क्योंकि विकेट बहुत ज्यादा हिल रहा था। और जिस तरह की स्थिति में हम थे और अंदर खेलते हुए मुझे लगा कि मैं थोड़ा रक्षात्मक क्रिकेट खेल सकता हूं। हां, आक्रमण करने का एक समय होता है, लेकिन जब आपको अंदर से ऐसा महसूस करना होता है। मैं पहले से यह नहीं सोच सकता कि मैं इस तरह से खेलूंगा, खेल ने मुझे उस दिन जो भी

करने के लिए कहा, मैं वही करने की कोशिश करता हूं और यही मेरी मानसिकता थी।

पंत ने कहा कि बल्लेबाजी करते समय अपने साहसी स्ट्रोकप्ले पर जीवित रहने को प्राथमिकता देना थोड़ा मुश्किल है। पंत ने कहा कि इस पारी में 50-50 प्रतिशत संभावना थी जिसे मैं शुरू में भुना सकता था, लेकिन कभी-कभी आपको अधिक सुरक्षित क्रिकेट खेलना होता है, विशेषकर जिस तरह से (एससीजी) विकेट व्यवहार कर रहा था, हम जानते थे कि अगर हमें यहां एक और विकेट मिल गया तो हम जल्दी-जल्दी दो-तीन विकेट खो सकते हैं, इसलिए जिस तरह से मैं खेल रहा था उसके पीछे यही विचार था और पिछले मैच में हमारे सामने जिस तरह का लक्ष्य था, उसमें कुछ खास करने को नहीं था, मुझे लगता है कि मुझे उसी तरह (रक्षात्मक) खेलना ा, इसलिए मुझे लगता है कि मैं जिस तरह से खेल रहा ूं, वह ठीक है। इस बीजीटी के दौरान अब तक 5 मैचों ा र 8 पारियों में पंत ने 48.62 के स्ट्राइक रेट से खेलते हु 24.25 की औसत से 194 रन बनाए हैं, जिसमें उ का सर्वश्रेष्ठ स्कोर 40 रहा है।

सिडनी के परिणाम पर टिकीं डब्लयूटीसी फाइनल के लिए भारत की संभावनएं

सिडनी । भारतीय टीम के विश्व विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्यूटीसी) फाइनल की संभावनाएं अब सिडनी टेस्ट पर ही अधारित हैं । अगर भारतीय टीम ये मैच हारती है तो उसके फाइनल में पहुंचने की सभी संभावनएं समाप्त हो जाएंगी । वहीं अगर वह जीतती है तो दौड़ में बनी रहेगी पर उसे अन्य टीमों के परिणामों पर भी आधारित होनो होगा । इस मैदान पर भारतीय टी को अब तक 13 मैचों में से केवल एक बार ही जीत मिली है । वहीं उसे पांच मैचों में हार का सामना करना पड़ा है जबकि सात मैच ड्रॉ रहे । भारतीय टीम को एकमात्र जीत जनवरी 1978 में मिली तब बिशन सिंह बेदी कप्तान थे । उस मैच में ऑस्ट्रेलिया को पहली पारी में 131 रन पर आउट करने के बाद गुंडप्पा विश्वनाथ और करसन घावरी के अर्धशतकों की सहायता से भारत ने 265 रन की बढ़त बना ली । इसके बाद, इरापल्ली प्रसन्ना के चार विकेट लिए और ऑस्ट्रेलिया टीम अपनी दूसरी पारी में 263 रन पर आउट हो गई । पहली पारी में भागवत चन्द्रशेखर और बेदी ने क्रमश: चार और तीन विकेट लिए थे । वहीं इस सीरीज की बात करें तो पर्थ में 295 रनों की बड़ी जीत के बाद भारतीय टी को 1-0 की बढ़त के साथ मिल गयी थी पर टीम उसे बरकरार नहीं रख पायी । एडिलेड में ऑस्ट्रेलिया ने 10 विकेट से जीतकर सीरीज बराबर कि फिर ब्रिस्बेन टेस्ट बराबरी पर रहा जबकि मेलबर्न में भारतीय टीम को हार झेलनी पड़ी । बॉर्डर गावस्कर सीरीज अभी 2-1 से फिलहाल ऑस्ट्रेलिया के पक्ष में है पर अगर भारतीय टीम मैच जीतती है और सीरीज ड्रॉ रहती है भारतीय टीम डब्ल्यूटीसी की दौड़ में बनी रहेगी

एक पारी के बल पर ही पहचान नहीं बना सकते कोंस्टास : कैरी

सिडनी । ऑस्ट्रेलियाई विकेटकीपर बल्लेबाज एलेक्स कैरी ने कहा है कि युवा सलामी बल्लेबाज सैम कोंस्टास को ये नहीं समझना चाहिये कि केवल एक पारी के बल पर ही वह भविष्य के मैचों के लिए अपनी पहचान नहीं बना सकते । कैरी ने कहा कि कोंस्टास को लगातार रन बनाने होंगे । कोंस्टास ने अपने पदार्पण मैच में ही तेजी से खेलते हुए अर्धशतक लगाया था जिसके बाद से ही वह बेहद खुश हैं । उससे वह मंत्रमुग्ध थे, लेकिन उन्हें लगता है कि यह पारी भविष्य के मैचों के लिए उनकी पहचान नहीं बनेगी । कोंस्टास ने एमसीजी में 65 गेंद पर 60 रन की आकर्षक पारी खेली और इस दौरान भारतीय टीम के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के गेंदों को भी अच्छे से खेला । कोंस्टास को पहले तीन मैच में असफल रहने वाले नाथन मैकस्वीनी की जगह टीम में लिया गया और उन्होंने आते ही आक्रामक रुख अपनाया पर कैरी ने कहा कि उन्हें नहीं लगता कि यह 19 वर्षीय सलामी बल्लेबाज हर मैच में इतना आक्रामक प्रदर्शन करेगा । उन्होंने कहा, 'वह जो ऊर्जा लेकर आए, वह कुछ अलग थी । शायद इतने अंतर की उम्मीद नहीं थी, लेकिन उन्होंने क्रिकेट की एक ऐसी शैली को अपनाया जो शायद भारत के लिए भी नई थी । कैरी ने कहा, 'हम इंतजार करेंगे और देखेंगे कि वह आगे कैसे खेलते हैं । मुझे नहीं लगता कि यह हर टेस्ट मैच के लिए उनकी पहचान बन जाएगी । लेकिन शुरू में कुछ आक्रामकता अपनाना अच्छा है जिसकी हमें कमी खल रही थी । उन्होंने कहा कि पहले तीन टेस्ट मैचों में मैकस्वीनी और उस्मान ख्वाजा की सलामी जोड़ी ने मुश्किल हालातों में अच्छा काम किया था हालांकि मैकस्वीनी बड़े स्कोर नहीं बना पाये ।

खेल रत्न पुरस्कार सबसे बड़ी उपलब्धि लेकिन काफी कुछ हासिल क ना बाकी: हरमनप्रीत

नई दिल्ली (एजेंसी)। ओलंपिक पदक के बाद खेल रत्न पुरस्कार के लिए चुने जाने से उत्साहित भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कहा कि यह सम्मान उनकी 'शानदार' यात्रा की मान्यता है जिसमें उन्हें भविष्य में बहुत कुछ हासिल करना है। पेरिस ओलंपिक में दो पदक जीतने वाली निशानेबाज मनु भाकर, शतरंज के विश्व चैंपियन डी गुकेश, हरमनप्रीत और पैरालंपिक ऊंची कूद के स्वर्ण विजेता प्रवीण कुमार को खेल मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को 2024 मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार के लिए चुना है। हरमनप्रीत ने कहा कि यह मेरे जीवन का सबसे बड़ा सम्मान है। यह मेरे लिए एक बड़ी उपलब्धि है। मैं वास्तव में बहुत खुश हूं। ऐसा लगता है कि यह मेरे जीवन का सबसे अच्छा हिस्सा है। मुझे इतना बड़ा पुरस्कार और मान्यता मिल रही है।

पेरिस ओलंपिक में सबसे ज्यादा 10 गोल करने वाले इस 28 साल के खिलाड़ी का करियर उपलब्धियों से भरा रहा है। वह पेरिस से पहले तोक्यो में कांस्य पदक जीतने वाली टीम के भी सदस्य थे। उन्होंने 2016 में जूनियर विश्व कप में स्वर्ण, राष्ट्रमंडल खेलों में रजत, एशियाई खेलों में स्वर्ण और कांस्य के अलावा चैंपियंस ट्रॉफी में दो रजत पदक जीते है। हरमनप्रीत ने पिछले वर्ष सहित तीन बार एफआईएच साल का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार जीता है। वह हालांकि इन उपलब्धियों से

संतुष्ट नहीं है और अभी करियर में काफी कुछ हासिल करना चाहते हैं।

हरमनप्रीत ने कहा कि अपनी पूरी यात्रा में मैंने बहुत कुछ सीखा है, मैंने जीत और हार सहित कई उतार-चढ़ाव देखे हैं। मुझे हालांकि लगता है कि आप केवल उन अनुभवों से सीखते हैं। पहले दिन से मेरी मानसिकता खुद को बेहतर करने की रही है। पंजाब के अमृतसर के टिम्मोवाल गांव में किसान परिवार में जन्मे हरमनप्रीत का अंतरराष्ट्रीय करियर 2014 में शुरू हुआ था। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय टीम के साथी खिलाड़ियों को दिया। भारतीय कप्तान ने कहा कि हम जो भी हासिल कर रहे हैं वह एक टीम के रूप में कर रहे हैं। मेरी यात्रा बहुत दिलचस्प रही है, मुझे व्यक्तिगत मान्यताएं और पुरस्कार मिल रहे हैं लेकिन यह केवल मेरे ाथी खिलाड़ियों के कारण संभव हो पाया है। उन्होंने कहा कि ने अब तक की अपनी यात्रा का भरपूर आनंद लिया है। मैंने ब ुत मेहनत की है और मैंने अब तक जो भी हासिल किया है उससे मैं खुश हूं।

भारतीय ह की टीम की रक्षापंक्ति के इस खिलाड़ी की नजर अब विश्व कप पदक जीतने पर है। विश्व कप का आयोजन अगले साल बेल्जियम में होगा। हरमनप्रीत ने कहा कि निश्चित रूप से मेरा मुख्य लक्ष्य विश्व कप होगा क्योंकि लंबे समय से हमने विश्व कप कोई पदक नहीं जीता है। लेकिन ऐसा नहीं है कि अपने जीवन में सब कुछ हासिल कर लिया है। उन्होंने कहा कि हमने ओलंपिक में लगातार पदक जीते हैं लेकिन हमारा अगला लक्ष्य स्वर्ण पदक जीतना और सभी प्रमुख टूर्नामेंट जीतना होगा। य चरण दर चरण प्रक्रिया है और हम एक टीम के रूप में अपने लक्ष्य हासिल करना चाहेंगे।

हरमनप्रीत वर्तमान में राउरकेला में चल रही हॉकी इंडिया लीग में पंजाब वे सूरमा हॉकी क्लब का नेतृत्व कर रहे हैं। सूरमा हॉकी क्लब ने अब तक दो मैच खेले हैं, जिसमें एक में जीत और एक में हा मिली है। उन्होंने कहा कि हर टीम के लिए शुरुआत में एक ुट होना और समझ के साथ सामंजस्य बनाना कठिन होगा। हा कल का मैच हार गए लेकिन इसमें भी हमारे लिए कई सकार क चीजें रही।

भारत-पाक मैचों का इंतजार सभी को रहता है : वाटसन

सिडनी । पूर्व ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर शेन वाटसन ने कहा है भारतीय टीम का चैम्पियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान नहीं ज ना निराशाजनक है पर इस टूर्नामेंट से विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे अनुभवी खिलाड़ियों को फार्म हासिल करने का अवसर मिल जाएगा । भारतीय टीम चैम्पि स ट्रॉफी के अपने मुकाबले दुबई में खेलेगी । वाटसन ने यहां चैम्पियंस ट्रॉफी टूर के दौरान कहा, 'यह बदकिस्मती की बात है कि ऐसे हालात बने हालांकि इसमें कोई स देह नहीं कि भारत-पाकिस्तान मैचों का सभी को इंतजार रहता है । जब भी वे एक दूसरे के खिलाफ खेलते हैं तो उन मुकाबलों में जबरदस्त रोमांच रहता है । भारतीय टी म चैम्पियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान नहीं जा रही है पर इसमें कोई कुछ नहीं कर सकता है । वाटसन ने कहा कि चैम्पियंस ट्रॉफी दो एकदिवसीय विश्व कप के बीच चार सा र के अंतर को को कम करने का अच्छा रास्ता है । उन्होंने कहा, 'चैम्पियंस ट्रॉफी विश्व क्रिकेट में सबसे अहम टूर्नामेंट है क्योंकि एकदिवसीय विश्व कप चार साल में एक र होता है । यह उस इंतजार को कम करता है और इससे इससे टेस्ट क्रिकेट और टी20 के बीच संतुलन बनता है । । एकदिवसीय क्रिकेट को इस तरह के टूर्नामेंट से ऊर्जा मिलती रहती है क्योंकि यह काफी अच्छा प्रारूप है । वाटसन ने कहा, 'हम टी20 के बाद भी एकदिवसीय क्रिकेट को बनाये रखना चाहते हैं , इसलिए चैम्पियंस ट्रॉप ी अहम है । इसमें सिर्फ 8 टीमें खेलती है और हर गेंद महत्वपूर्ण होती है । इसमें आपको लगातार अच्छा खेलना होता है वरना बाहर होने का खतरा बना रहता है । भारतीय टीम ने साल 2013 चैम्पियंस ट्रॉफी जीती थी पर उस समय विराट कोहली और रोहित शर्मा अच्छे फार्म में थे । अभी होनो ही खराब दौर से गुजर रहे हैं । वाटसन ने कहा कि यह चिंता की बात नहीं है । उन्होंने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि खराब दौर विराट और रोहित के प्रभाव पर कोई असर डालेगा । दुबई में हालात अलग होंगे और एकदिवसीय में वे खुलकर खेल सकेंगे । कोहली वैसे भी एकदिवसीय में अन्य प्रारुपों से बेहतर खेलते हैं । । वाटसन ने कहा, 'चैम्पियंस ट्रॉफी में रोहित के सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में होने की संभावना है । ।

ब्रिस्बेन इंटरनेशनल : नोवाक जोकोविच को राइली ओपेल्का ने हराया

ब्रिस्बेन (ऑस्ट्रेलिया)। नोवाक जोकोविच को ब्रिस्बेन इंटरनेशनल टेनिस के क्वार्टर फाइनल में शुक्रवार को यहां राइली ओपेल्का के खिलाफ सीधे सेटों में 6-7, 3-6 से हार का सामना करना पड़ा । अमेरिका के ओपेल्का ने 16 ऐस लगाकर अपने करियर की सबसे बड़ी जीत दर्ज की। सैतीस साल के जोकोविच ऑस्ट्रेलियन ओपन की तैयारी के लिए इस टूर्नामेंट में खेल रहे हैं । ऑस्ट्रेलियाई ओपन की शुरुआत 12 जनवरी से होगी और जोकोविच इसके 10 बार के चैम्पियन रहे हैं । ओपेल्का ने फरवरी 2022 में सर्वश्रेष्ठ करियर रैंकिंग 17 हासिल की है । कूल्हे की सर्जरी के कारण खेल से दूर रहने के कारण उनकी मौजूदा रैंकिंग 293 है । ओपेल्का के सामने सेमीफाइनल में जी. एमपेत्शी पेरीकार्ड की चुनौती होगी । पेरीकार्ड ने याकूब मेनसिक को 7-5, 7-6 से हराया । दूसरे सेमीफाइनल में जिरी लेहेका का मुकाबला ग्रिगोर दिमित्रोव से होगा । लेहेका ने निकोलस जैरी को 6-4, 6-4 से हराया और जॉर्डन थॉम्पसन के रिटायर होने पर दिमित्रोव ने अंतिम चार में जगह पक्की की । खेल रोके जाते समय दिमित्रोव 6-1, 2-1 से आगे थे ।

हॉकी कैलेंडर व्यस्त होने से नहीं शुरु कर पा रहे चैंपियंस ट्रॉफी : इकराम

राउरकेला । अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) अध्यक्ष दातो तैय्यब इकराम ने कहा है कि वह चैंपियंस ट्रॉफी को फिर से शुरु करने के पक्ष में हैं पर पहले से ही व्यस्त अंतरराष्ट्रीय हॉकी कैलेंडर में इस टूर्नामेंट के लिए समय देखना सबसे कठिन हो रहा है । चैंपियंस ट्रॉफी साल 1978 में शुरु होने के बाद से ही हर वर्ष होती थी पर साल 2014 में यह दो साल में एक बार हो गयी । यह टूर्नामेंट एक समय हॉकी की सबसे प्रतिष्ठित प्रतियोगिताओं में से एक था पर बाद में इसे बंद करना पड़ा । इसका अंतिम चरण 2018 में आयोजित कराया गया था । एफआईएच प्रमुख ने कहा' हम इस बात से मना नहीं कर रहे हैं कि चैंपियंस ट्रॉफी या इसी तरह के किसी टूर्नामेंट को फिर से शुरू किया जा सकता है पर हमें कैलेंडर में जगह देखने की जरूरत है जब इससे कराया जा सके । उन्होंने खिलाड़ियों के व्यस्त कार्यक्रम और उनके कार्यभार को ध्यान में रखते हुए ज्यादा टूर्नामेंटों की जगह पर बेहतर और अधिक रोमांचक टूर्नामेंट शुरू करने की जरुरत बतायी । इकराम ने हॉकी की वैश्विक पहुंच का विस्तार करने और शीर्ष नौ टीमों के अलावा अन्य देशों के लिए मौका प्रदान करने की जरूरत पर भी जोर दिया । उन्होंने कहा, 'पहले हमारे पास दूसरे दर्जे के देशों के लिए कुछ नहीं था । वहीं अब शीर्ष नौ-10 देशों के बाद हमने अगले आठ देशों के लिए नेशन्स कप शुरू किया है । एफआईएच के लिए मेरा लक्ष्य है कि शीर्ष 35 देश एफआईएच टूर्नामेंट में शामिल हों । उन्होंने एलीट और उभरते हॉकी देशों के बीच के अंतर को दूर करने पर भी बल दिया । इकराम ने कहा, 'अंतर पाटने का एकमात्र तरीका है कि हमें अन्य देशों को भी शामिल करना होगा । इसलिए समस्या यह होगी कि आपका कैलेंडर अधिक भरा होगा । एफआईएच का एक प्रमुख टूर्नामेंट प्रो लीग 2019 से चल रहा है । इसी को लेकर इकराम ने 'प्रो लीग कनेक्ट नाम की एक नयी परियोजना के शुरू होने की घोषणा की जिसका उद्देश्य शीर्ष हॉकी देशों के बाहर के देशों को शामिल करना है ।

ज्यादा पैरा खिलाड़ियों को खेल रत्न मिलते देखना अच्छा होता: प्रवीण कुमार

नई दिल्ली (एजेंसी) । ऊंची कूद के पैरा एथलीट प्रवीण कुमार पेरिस पैरालंपिक में स्वर्ण पदक की बदौलत चार ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार विजेताओं में शामिल होने से खुश हैं और उनका कहना है कि और ज्यादा पैरा खिलाड़ियों का देश के इस सर्वोच्च खेल सम्मान के लिए चयन किया जाता तो उन्हें और अधिक खुशी होती।

प्रवीण के अलावा दो ओलंपिक पदक जीतने वाली निशानेबाज मनु भाकर, शतरंज विश्व चैंपियन डी गुकेश और पेरिस खेलों के कांस्य विजेता पुरुष हॉकी कप्तान हरमनप्रीत सिंह के साथ खेल रत्न से सम्मानित किया जाएगा। तोक्यो ओलंपिक के अपने कांस्य को पेरिस में स्वर्ण में बदलने वाले तीरंदाज हरविंदर सिंह जैसे कुछ पैरा खिलाड़ियों ने खेल रत्न के लिए विचार नहीं किए जाने पर निराशा व्यक्त की है। पेरिस पैरालिंपिक में भारत ने रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन कर 29 पदक हासिल किये जिसमें सात स्वर्ण शामिल हैं।

प्रवीण ने साक्षात्कार में कहा कि अगर पेरिस ओलंपिक के कुछ पदक विजेताओं को भी खेल रत्न मिलता तो उन्हें खुशी होती लेकिन उन्होंने किसी का नाम नहीं लिया। उन्होंने कहा, 'मैं उनसे सिर्फ इतना कहूंगा कि हिम्मत नहीं हारें और अच्छा प्रदर्शन करते रहें। पैरा खेलों को सिर्फ एक खेल रत्न दिया गया है और यह संख्या और होनी चाहिए थी। मुझे अच्छा लगता अगर दो-तीन और पैरा खिलाड़ियों को खेल रत्न दिया जाता।'

21 वर्षीय प्रवीण के पैरों में जन्म से विकृति थी जिसके कारण उनके दोनों पैर कमजोर थे। उनका एक पैर छोटा है जिससे उन्हें नियमित फिजियोथेरेपी की जरूरत थी। उनके पिता उनका सबसे बड़े सहारा बने। प्रवीण ने कहा कि वह हमेशा सक्षम खिलाड़ियों के साथ प्रतिस्पर्धा करना चाहते थे जबकि उन्हें अच्छी तरह से पता था कि यह 'बहुत कठिन काम' होगा। उन्होंने पेरिस में पुरुषों की ऊंची कूद टी64 स्पर्धा में रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन करते हुए तोक्यो ओलंपिक के रजत पदक को स्वर्ण पदक में तब्दील किया।

नई दिल्ली के साउथ में रहने वाले प्रवीण जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में सात से आठ घंटे ट्रेनिंग करते हैं और अब उन्हें साल के अंत में राजधानी में होने वाली विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक हासिल करने की उम्मीद है। प्रवीण ने कहा, 'ओलंपिक में सफलता हासिल करना और अपनी सफलता के लिए खेल

रत्न पुरस्कार मिलने पर मुझे बहुत गर्व महसूस हो रहा है। यह मेरे लिए सपने का सच होना है। यह पुरस्कार मुझे विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में मेरे रेलू मैदान में स्वर्ण पदक जीतने के लिए प्रेरित करे ा।'

संक्षिप्त समाचार

अमेरिका में भारतीय छात्रा को कार से टक्कर मारने वाला पुलिस अफसर केविन बर्खास्त, जाह्नवी की हुई थी मौत

सिएटल/न्यूयार्क, एजेंसी। सिएटल के एक पुलिस अधिकारी को उसके पद से बर्खास्त कर दिया गया है। इस अधिकारी ने जनवरी, 2023 में कार से टक्कर मारकर भारतीय छात्रा जाह्नवी कंडुला की जान ले ली थी। सिएटल पुलिस की अंतरिम प्रमुख सू राहर ने कहा कि उन्होंने केविन डेव को सिएटल पुलिस विभाग से बर्खास्त कर दिया है। एक रिपोर्ट के अनुसार, डेव की खतरनाक ड्राइविंग के दुखद नतीजे को देखते हुए उसे नौकरी से हटाया गया है। पुलिस अधिकारी केविन डेव 23 जनवरी, 2023 को सिएटल में एक गश्ती कार चला रहा था और उसने सड़क पार कर रही आंध्र प्रदेश की जाह्नवी कंडुला (23) को टक्कर मार दी थी। उस समय, डेव की कार की रफ्तार 119 किमी/घंटा से अधिक थी। कार से टक्कर लगने के कारण कंडुला 100 फुट दूर जा गिरी और घटनास्थल पर ही मारी गई। सू राहर ने कर्मचारियों को भेजे गए ईमेल में कहा कि सिएटल पुलिस के जवाबदेही कार्यालय ने पाया कि डेव ने विभाग की चार नीतियों का उल्लंघन किया था। सिएटल टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, शुरू में डेव की खतरनाक ड्राइविंग के दुखद परिणामों को स्वीकार नहीं किया गया, उसके कारण मानव जीवन की हानि हुई और सिएटल पुलिस की बदनामी हुई। घटना के वक्त पुलिस वाहन चला रहे केविन डेव से पहले एक और पुलिस अधिकारी डैनियल ऑर्डरर को भी नौकरी से निकाला जा चुका है। वह उसी वाहन में था जिसे डेव चला रहा था। कंडुला के वाहन से टकराने के बाद ऑर्डरर ने असंवेदनशील टिप्पणियां कीं और घटना पर हंसने के चलते नौकरी से निकाला गया। सिएटल में भारत का महावाणिज्य दूतावास इस मामले में न्याय सुनिश्चित करने के लिए लगातार प्रयासरत रहा था।

पाकिस्तान को अपने ही नौकरशाहों से खतरा, 22 हजार से अधिक अफसरों के पास दोहरी नागरिकता

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान में एक आश्चर्यजनक घटनाक्रम में नेशनल असेंबली (निचला सदन) की एक समिति को सूचित किया गया कि देश के 22,000 से अधिक नौकरशाहों के पास दोहरी नागरिकता है, जिससे राष्ट्रीय सुरक्षा को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं।

आंतरिक मामलों से संबंधित नेशनल असेंबली की स्थायी समिति की राजा खुर्रम नवाज की अध्यक्षता में हुई बैठक में सदस्यों ने इस चलन पर चिंता जताई। एक्सप्रेस ट्रिब्यून समाचार पत्र के अनुसार, सदस्यों ने खासकर नौकरशाहों, न्यायाधीशों और सांसदों के लिए इस चलन को प्रतिबंधित करने के लिए कड़े कदम उठाने की मांग की। बैठक में प्रस्तावित कानून पर विचार-विमर्श किया गया, जिसके तहत उन देशों के नागरिकों को पाकिस्तानी पासपोर्ट दिया जाएगा, जिनके साथ पाकिस्तान के दोहरी नागरिकता समझौते हैं। बैठक के दौरान, यह पता चला कि करीब 22,000 नौकरशाहों के पास दोहरी नागरिकता है। समिति के सदस्य अब्दुल कादिर पटेल ने आश्चर्य जताया कि नेशनल असेंबली के सदस्यों और न्यायाधीशों के लिए दोहरी नागरिकता प्रतिबंधित है, जबकि नौकरशाहों के लिए ऐसी रोक नहीं है। उन्होंने प्रस्ताव दिया कि विधेयक में यह सुनिश्चित करने के लिए प्रावधान शामिल किया जाना चाहिए कि दोहरी नागरिकता वाले व्यक्तियों को नौकरशाह के तौर पर नियुक्त न किया जाए। पटेल ने इस तर्क को भी चुनौती दी कि नेताओं को राज्य की गोपनीयता की सुरक्षा की आवश्यकता के कारण दोहरी नागरिकता नहीं दी जाती है। पीपीपी पार्टी के आगा रफीउल्लाह ने दोहरी नागरिकता रखने वाले पाकिस्तानी नागरिकों के बारे में विस्तृत आंकड़े मांगे, जिसमें यह भी शामिल है कि कितने लोगों ने अपनी विदेशी नागरिकता त्याग दी है और क्या आधिकारिक पंजीकरण निकाय एनएडीआरए के पास यह डाटा है कि ये व्यक्ति किन देशों से जुड़े हुए हैं। रिपोर्ट के अनुसार समिति के सदस्य ने शीर्ष भ्रष्टाचार-रोधी निकाय एनएबी के अध्यक्ष का उदाहरण देते हुए दोहरी राष्ट्रीयता नियमों में ढील पर भी चिंता जताई।

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया इलाज के लिए लंदन रवाना

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया मंगलवार देर रात एयर एंबुलेंस से इलाज के लिए लंदन रवाना हुईं। उनके सलाहकार जहीरुद्दीन स्वपन ने बताया कि जिया बीती देर रात हजरत शाहजलाल इंटरनेशनल एयरपोर्ट से एयर एंबुलेंस से लंदन के लिए रवाना हुई हैं। पूर्व पीएम के सलाहकार ने एक समाचार एजेंसी को बताया कि कतर के अमीर शेख तमीम बिन हमद बिन खलीफा अल थानी ने उनके लिए विशेष एयर एंबुलेंस भेजी थी। खालिदा जिया के डॉक्टरों के अनुसार, उन्हें लीवर सिरोसिस, दिल की बीमारी और किडनी से संबंधित समस्या है। वह बांग्लादेश की तीन बार प्रधानमंत्री रह चुकी हैं। बता दें कि खालिदा जिया की लंदन की यात्रा ऐसे समय में हो रही है, जब ढाका में काफी तनावपूर्ण माहौल बना हुआ है। 5 अगस्त 2024 को शेख हसीना को सत्ता से बेदखल करने के बाद से नोबेल शांति पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार देश की कमान संभाल रही है।

9/11 हमला: अमेरिकी न्याय विभाग की अदालत से गुहार, कहा- हमले के मास्टरमाइंड के साथ किए गए समझौते को रोका जाए

वॉशिंगटन, एजेंसी। बाइडन प्रशासन ने अमेरिका की अपील अदालत से 09/11 हमले के मास्टरमाइंड और अन्य आरोपियों के साथ किए गए समझौते को रोकने की मांग की है। अमेरिकी सरकार ने कहा कि अगर समझौते को बरकरार रखा गया तो अमेरिका में हुए अब तक के सबसे घातक हमले का मास्टरमाइंड खालिद शेख मोहम्मद मौत की सजा से बच जाएगा। साथ ही इससे सरकार को नुकसान होगा।

अमेरिकी न्याय विभाग ने कोलंबिया की संघीय अपील अदालत में दायर याचिका में कहा कि 9/11 हमले के मास्टरमाइंड और अन्य दो आरोपियों के खिलाफ सरकार को सार्वजनिक तौर पर सुनवाई करने का मौका दिया जाना चाहिए। हमें तीन लोगों के खिलाफ मृत्युदंड की मांग करने का अवसर दिया जाए। तीनों पर सामूहिक हत्या का आरोप है। उनके कृत्य से हजारों लोगों की मौत हुई और देश तथा दुनिया स्तब्ध रह गई।

मंगलवार को जब न्याय विभाग ने अपील दायर की तो हमले में मारे गए तीन हजार लोगों के परिवार के सदस्य क्यूबा के ग्वांतानामो बे में अमेरिकी नौसैनिक अड्डे पर खालिद शेख मोहम्मद के खिलाफ याचिका पर सुनवाई के लिए पहुंचे थे। न्याय विभाग ने कहा कि इस मामले में सरकार के अनुरोध के आधार पर गुण-दोष पर विचार करने के लिए न्यायालय को कुछ समय देने से प्रतिवादियों को कोई नुकसान नहीं होगा। न्याय विभाग ने सैन्य आयोग के न्यायाधीश के उस फैसले की आलोचना की, जिसमें रक्षा सचिव के अधिकारों को लेकर टिप्पणी की गई थी।

यह है मामला : 11 सितंबर 2001 को अमेरिका में हुए आतंकी हमले में 3000 के करीब लोगों की मौत हुई थी और इस आतंकी हमले ने पूरी दुनिया को हिलाकर रख दिया था। अपहरणकर्ताओं ने पहले दो विमानों को न्यूयॉर्क शहर में वर्ल्ड ट्रेड सेंटर के ट्विन टावरों से टकराया और तीसरे विमान को वर्जीनिया के अर्लिंग्टन में पेंटागन से टकराया। चौथे विमान को वॉशिंगटन डीसी में एक संघीय सरकारी इमारत को टक्कर मारनी थी, लेकिन वह एक खेत में गिर गया था। इस हमले के आरोपी खालिद शेख मोहम्मद और उसके दो साथी वालिद बिन अताश और मुस्तफा अल-हौसावी को मौत की सजा सुनाई गई है। 11 सितंबर के आतंकी हमले के पांच साजिशकर्ता ग्वांतेनामो बे जेल में बंद हैं। कुछ महीने पहले अमेरिकी अभियोजकों ने 09/11 के मास्टरमाइंड खालिद शेख मोहम्मद के साथ एक समझौता किया था। इस समझौते के तहत अमेरिका मास्टरमाइंड खालिद शेख द्वारा आरोप स्वीकार करने के बदले मौत की सजा खत्म करने को तैयार है। इस समझौते का हमले के पीड़ितों ने विरोध किया तो रक्षा सचिव लॉयड आस्टिन ने समझौते को रद्द कर दिया था। इस पर आरोपियों के वकीलों का कहना है कि याचिका समझौते को रक्षा सचिव ऑस्टिन के अपने अधिकारियों और सैन्य अभियोजकों ने अनुमोदित किया गया था और उनका न्याय प्रणाली में गैरकानूनी राजनीतिक हस्तक्षेप था। इसे लेकर अपील अदालत ने फैसला सुनाया था कि ऑस्टिन भविष्य में होने वाले प्री-ट्रायल समझौतों को सीमित कर सकते हैं, लेकिन उनके पास पहले से स्वीकृत समझौतों को रद्द करने का अधिकार नहीं है। अदालत ने कहा कि प्रतिवादियों द्वारा अपराध स्वीकार करने से किसी भी नए मुकदमे की संभावना कम हो जाएगी। सरकार और आरोपियों के बीच हुए समझौते को लेकर मृतकों के परिजनों में भी मतभेद है।

ट्रंप को कोर्ट से बड़ा झटका, पैसे देकर चुप कराने के मामले में नहीं मिली राहत

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को कोर्ट से बड़ा झटका लगा है. चुप रहने के लिए पैसे देने के मामले में सजा पर सुनवाई पर रोक को लेकर उनकी याचिका को कोर्ट ने खारिज कर दिया है. न्यूयॉर्क अपील कोर्ट के जज ने ट्रंप के अनुरोध को खारिज कर दिया. मामले में शुक्रवार सजा पर फैसला सुनाया जाना है. ट्रंप अब अपीलीय अदालत का दरवाजा खटखटा सकते हैं और सजा पर स्टे लगाने का अनुरोध कर सकते हैं. सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार एसोसिएट जस्टिस एलेन गेस्मर ने मंगलवार दोपहर मामले पर संक्षिप्त सुनवाई के बाद ट्रंप के अनुरोध को अस्वीकार कर दिया. ट्रंप ने मंगलवार को चुप रहने के लिए धन देने के मामले में कार्यवाही पर रोक लगाने का अनुरोध किया था. ट्रंप के वकील टॉड ब्लैंच ने मंगलवार को अदालत से कहा कि उन्हें ट्रंप की सजा पर रोक लगा देनी चाहिए. उन्होंने कहा कि स्थिति अभूतपूर्व थी. सुनवाई की अध्यक्षता करने वाले गेस्मर ने ट्रम्प के वकील से पूछा कि क्या उनके अनुरोध के लिए कोई मिसाल है कि राष्ट्रपति पद की छूट को अमेरिका के निर्वाचित राष्ट्रपति तक बढ़ाया जा सकता है. इसलिए नहीं. मैनहट्टन डिस्ट्रिक्ट अटॉर्नी कार्यालय के अपील प्रमुख स्टीवन वू ने कहा कि ट्रम्प के वकीलों ने कोई तर्क प्रस्तुत नहीं किया है कि सजा पर सुनवाई से ट्रंप की अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति के रूप में जिम्मेदारियों में बाधा उत्पन्न होगी।

कनाडा को अमेरिका हिस्सा बनाने से जस्टिन ट्रूडो ने किया साफ इनकार

टोरंटो, एजेंसी। कनाडा को अमेरिका हिस्सा बनाने से प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने साफ इनकार कर दिया है। उन्होंने कहा कि ऐसा होने की थोड़ी भी संभावनाएं नहीं हैं। दरअसल, ट्रूडो पीएम और लिबरल पार्टी के नेता के पद से इस्तीफा दे चुके हैं। इसके बाद अमेरिका के नव निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कनाडा को 51वां राज्य बनाने का प्रस्ताव रखा था। ट्रूडो ने एक्स पर लिखा, इस बात की थोड़ी भी संभावनाएं नहीं हैं कि कनाडा अमेरिका का हिस्सा बनेगा। उन्होंने आगे लिखा, हमारे दोनों ही देशों में श्रमिक और समुदाय एक दूसरे के सबसे बड़े कारोबारी और सुरक्षा साझेदार होने का लाभ ले रहे हैं।

ट्रंप ने फिर रखा प्रस्ताव : सोमवार को ट्रंप ने ट्रूडो के सामने कनाडा को अमेरिका का 51वां प्रांत बनाने का अपना प्रस्ताव दोहराया। ट्रंप, पांच नवंबर को अपनी चुनावी जीत के बाद 'मार-ए-लागो' में ट्रूडो से मुलाकात के बाद से ही कनाडा को अमेरिका का 51वां प्रांत बनाने का विचार व्यक्त करते रहे हैं। उसके बाद से वह कई बार अपने सोशल मीडिया पोस्ट पर इसका जिक्र कर चुके हैं।

ट्रंप ने सोशल मीडिया मंच ट्रुथ सोशल पर पोस्ट कर कहा, कनाडा में भी बहुत से लोग अपने देश को अमेरिका का 51वां प्रांत बनाने के इच्छुक हैं। अमेरिका अब उन भारी व्यापार घाटे और सब्सिडी को वहन नहीं कर सकता है जिनकी कनाडा को अपने अस्तित्व को बचाए रखने के लिए जरूरत है। जस्टिन ट्रूडो को यह पता था और उन्होंने इस्तीफा दे दिया।

ट्रूडो के इस्तीफे के बाद सोमवार को ट्रंप ने कहा, अगर कनाडा अमेरिका का हिस्सा बन जाता है तो कोई कर नहीं होगा, कर बहुत कम हो जाएंगे और वे रूसी और चीनी जहाजों के खतरे से पूरी तरह सुरक्षित रहेंगे जो लगातार उन्हें घेरे रहते हैं। साथ मिलकर, यह कितना महान देश बनेगा। ट्रंप ने चेतावनी दी कि अगर कनाडा अमेरिका के साथ अपनी दक्षिणी सीमा से मादक पदार्थ तस्करी और अवैध प्रवासियों की घुसपैठ को नहीं रोकता है तो कनाडाई आयात पर 25 प्रतिशत कर लगाया जाएगा।

लॉस एंजिल्स के जंगलों में लगी भीषण आग ने मचाई तबाही, 30 हजार लोगों को सुरक्षित निकालने की तैयारी

न्यूयॉर्क, एजेंसी। दक्षिणी कैलिफोर्निया के लॉस एंजिल्स में लगी भयंकर आग विकराल रूप ले चुकी है। हजारों लोगों को रिहायशी इलाकों से निकालकर सुरक्षित स्थानों पर ले जा गया है। लॉस एंजिल्स के पहाड़ी इलाकों में लगी आग को बुझाने के लिए अग्निशमन दल ने कड़ी मशक्कत करनी पड़ रही है। आग की लपटें मीलों तक फैली हुई हैं। लॉस एंजिल्स फायर डिपार्टमेंट की फायर चीफ क्रिस्टिन क्राउली ने बताया कि 10,000 से अधिक घरों और 13,000 से अधिक इमारतों में रहने वाले करीब 26,000 लोग आग से प्रभावित हुए हैं। बड़ी तादात में लोग अपनी कारों को छोड़कर पैदल ही सुरक्षित स्थानों की ओर जा रहे हैं, क्योंकि सड़कें भीषण आग के चलते अवरुद्ध हैं। आग को तेज हवाओं ने और बढ़ा दिया है। कैलिफोर्निया के लाखों लोगों के लिए चेतावनी जारी की गई है। इसके साथ ही लोगों को आग के और फैलने का खतरे से आगाह किया गया है। इसके साथ ही बड़े इलाके की बिजली सप्लाई को बंद कर दिया गया है। जिसके चलते करीब पांच लाख लोग प्रभावित हुए हैं। पश्चिमी लॉस एंजिल्स के पैसिफिक पैलिसेड्स में आग ने लगभग 2 वर्ग मील से अधिक जंगल को जला दिया है। जिससे पूरे शहर में धुएं गुबार देखा जा सकता है। खराब मौसम के कारण राष्ट्रपति जो बाइडन ने कैलिफोर्निया के रिवरसाइड काउंटी की यात्रा रद्द कर दी हैं।

कनाडा में हिंदू पीएम! जस्टिन ट्रूडो की जगह अनीता आनंद बन सकती हैं नई प्रधानमंत्री

ओटावा, एजेंसी। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के इस्तीफे की घोषणा के बाद, उनके संभावित उत्तराधिकारी को लेकर अटकलें तेज हो गई हैं. चर्चा है कि भारतीय मूल की नेता अनीता आनंद प्रधानमंत्री पद की मजबूत दावेदार हैं. ट्रूडो ने लिबरल पार्टी के नेता और प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया है, हालांकि, पार्टी के नए नेता चुने जाने तक वह प्रधानमंत्री पद पर बने रहेंगे.

तमिलनाडु और पंजाब से है नाता : कनाडा की वर्तमान परिवहन और अंदरूनी व्यापार मंत्री अनीता आनंद का जन्म नोवा स्कोटिया के केंटविले में हुआ था. उनके माता-पिता, जो अब इस दुनिया में नहीं हैं, भारतीय चिकित्सक थे. उनके पिता तमिलनाडु से थे और माता पंजाब से थीं. अनीता की दो बहनें हैं, गीता आनंद जो टोरंटो में वकील हैं, और सोनिया आनंद जो मैकमास्टर यूनिवर्सिटी में चिकित्सक और शोधकर्ता हैं.

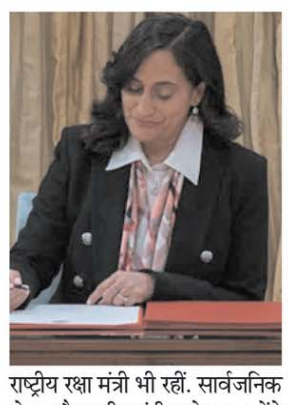

पहली बार 2019 सांसद चुनी गई थी अनीता : 1985 में ओंटारियो जाने के बाद, अनीता ने अपने पति जॉन के साथ मिलकर ओकविले में अपने चार बच्चों का पालन-पोषण किया. अपने करियर के दौरान उन्होंने कई अहम पदों पर काम किया है. पहली बार 2019 में ओकविले से सांसद चुनी गई अनीता ने 2019 से 2021 तक सार्वजनिक सेवा और खरीद मंत्री के रूप में कार्य किया. इसके बाद वह ट्रेजरी बोर्ड और

राष्ट्रीय रक्षा मंत्री भी रहीं. सार्वजनिक सेवा और खरीद मंत्री रहते हुए उन्होंने कोविड-19 महामारी के दौरान, कनाडा के लोगों को वैक्सीन, व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण और रैपिड टेस्ट मुहैया कराने के लिए महत्वपूर्ण अनुबंध समझौते किए थे. राष्ट्रीय रक्षा मंत्री बनने पर, उन्होंने सेना में यौन दुराचार के प्रति सख्त कदम उठाए. रूस-यूक्रेन युद्ध के दौरान, उन्होंने यूक्रेनी सैनिकों को ट्रेनिंग देने के साथ-साथ कीव को व्यापक सैन्य सहायता भी प्रदान की.

टोरंटो यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर भी रही हैं अनीता : सितंबर 2024 में, अनीता आनंद को ट्रेजरी बोर्ड के अध्यक्ष के साथ-साथ परिवहन मंत्री भी नियुक्त किया गया. राजनीति के साथ-साथ अनीता की पहचान एक विद्वान, वकील और शोधकर्ता के रूप में भी है. उन्होंने टोरंटो यूनिवर्सिटी में कानून की प्रोफेसर रहते हुए, निवेश संरक्षण और कॉर्पोरेट प्रशासन में जेआर किंबर चेयर का पद संभाला. इसके अलावा, वे एसोसिएट डीन और मैसी कॉलेज के गवर्निंग बोर्ड की सदस्य भी रही हैं. अनीता रोटमैन स्कूल ऑफ मैनेजमेंट में कैपिटल मार्केट्स इंस्टीट्यूट में नीति और अनुसंधान की निदेशक भी रही हैं. उन्होंने येल लॉ स्कूल, क्वीन्स यूनिवर्सिटी और वेस्टर्न यूनिवर्सिटी में भी कानून पढ़ाया है. अनीता आनंद ने क्वीन्स यूनिवर्सिटी से पॉलिटिकल स्टडीज में बैचलर ऑफ आर्ट्स (ऑनर्स), ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी से ज्यूरिसप्रूडेंस में बैचलर ऑफ आर्ट्स (ऑनर्स), डलहौजी यूनिवर्सिटी से बैचलर ऑफ लॉ और टोरंटो यूनिवर्सिटी से मास्टर ऑफ लॉ की डिग्री हासिल की है।

तिब्बत में आयी त्रासदी में मरने वालों की संख्या बढ़कर 126 हुई

ल्हासा, एजेंसी। बुधवार सुबह रिक्टर स्केल पर 4 तीव्रता का एक और भूकंप तिब्बत में आया। जानकारी के अनुसार, भूकंप सुबह करीब 06:58 बजे आया और इसका केंद्र शिज़ांग में था। यह भूकंप 7.1 तीव्रता के शक्तिशाली भूकंप के बाद आया है, जिसमें 126 लोग मारे गए और तिब्बत में भारी तबाही हुई।

तिब्बत में भूकंपः बुधवार सुबह रिक्टर स्केल पर 4 तीव्रता का एक और भूकंप तिब्बत में आया। जानकारी के अनुसार, भूकंप सुबह करीब 06:58 बजे (ढुस्ज्ञ) आया और इसका केंद्र शिज़ांग में था। यह भूकंप 7.1 तीव्रता के शक्तिशाली भूकंप के बाद आया है, जिसमें 126 लोग मारे गए और तिब्बत में भारी तबाही हुई। भूकंप का केंद्र सतह से करीब 10 किलोमीटर नीचे था। भूकंप के झटके पड़ोसी नेपाल में भी महसूस किए गए, जहां रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता करीब 4.2 दर्ज की गई।

शिगाज़े पूर्वोत्तर नेपाल में खुंबू हिमालयन रेंज में लोबुत्से से 90 किलोमीटर उत्तर-पूर्व में स्थित है, और यह तिब्बत का आखिरी सीमावर्ती शहर है जो सिक्किम को छूने वाले नेपाल-तिब्बत-भारतीय त्रि-जंक्शन से ज्यादा दूर नहीं है। शिगाज़े, जिसे शिगास्टे भी कहा जाता है,

दलाई लामा के बाद दूसरे सबसे प्रभावशाली बौद्ध भिक्षु पंचेन लामा का निवास स्थान है।

भीषण भूकंप में 100 से ज्यादा लोगों की मौत : इससे पहले मंगलवार को दक्षिणी तिब्बत के सबसे पवित्र शहरों में से एक के पास भीषण भूकंप आया, जिसमें कम से कम 126 लोगों की मौत हो गई और 188 लोग घायल हो गए। भूकंप के झटकों के कारण नेपाल और भारत के कई हिस्सों में भी लोग सड़कों पर निकल आए। चीन भूकंप नेटवर्क केंद्र ने कहा कि भूकंप की तीव्रता 6.8 थी, जबकि अमेरिकी भूवैज्ञानिक सेवा ने इसे 7.1 तीव्रता बताया। भूकंप दक्षिण-पश्चिम चीन के तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र के डिंगरी काउंटी में सुबह 9:05 बजे (बीजिंग समय) आया जिसका केंद्र शिगाज़े शहर के डिंगरी काउंटी के त्सोगो टाउनशिप में था। चीन ने माउंट एवरेस्ट के अपने क्षेत्र के पास के पर्यटन स्थलों को बंद करने की घोषणा की है जबकि क्षेत्र में कई रिसॉर्ट्स के पर्यटक और कर्मचारी सुरक्षित बताए गए हैं। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने प्रभावित क्षेत्रों में बचाव प्रयासों को पूरी तरह से चलाने का आदेश दिया और द्वितीयक आपदाओं को रोकने, प्रभावित निवासियों को उचित रूप से पुनर्वासित करने और बाद के काम को प्रभावी ढंग से संभालने के प्रयासों का आग्रह किया।

युगांडा में एमपॉक्स से मरने वालों की संख्या हुई 10 : स्वास्थ्य मंत्रालय

कंपाला, एजेंसी। पूर्वी अफ्रीकी देश युगांडा में पिछले पांच दिनों में चार लोगों की मौत रिपोर्ट हुई। इसके बाद एमपॉक्स से मरने वालों की संख्या बढ़कर 10 हो गई है। एक रिपोर्ट में युगांडा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि पिछले पांच दिनों में कम से कम 156 नए संक्रमण के मामले दर्ज किए गए। जिससे देश में संक्रमण से जूझ रहे लोगों की कुल संख्या 1,571 हो गई। सिन्हुआ समाचार एजेंसी ने मंत्रालय के हवाले से कहा कि पिछले 24 घंटों में 19 नए संक्रमण के मामले दर्ज किए गए, जिनमें से 17 मामले वाकिसो के केंद्रीय जिले में, एक युगांडा की राजधानी कंपाला में और एक लीरा में दर्ज किए गए। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) और साझेदारों के सहयोग से मंत्रालय ने रोग के प्रसार को रोकने के लिए रोकथाम उपायों को तेज कर दिया है, जिसमें निगरानी, ??मामला प्रबंधन, स्वास्थ्य बैठकें आयोजित करना, जोखिम संचार और सामुदायिक सहभागिता तथा जन जागरूकता अभियान शामिल हैं। एमपॉक्स एक बीमारी है जो मंकीपॉक्स वायरस के कारण होती है। यह एक वायरल संक्रमण है जो मुख्य रूप से निकट संपर्क के माध्यम से लोगों के बीच फैल सकता है। एमपॉक्स के सामान्य लक्षणों में दाने, बुखार, सिरदर्द, मांसपेशियों में दर्द, पीठ दर्द, कम ऊर्जा और ग्रंथियों में सूजन शामिल हैं। पिछले महीने विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कहा था कि अफ्रीका में एमपॉक्स की महामारी संबंधी स्थिति विशेष रूप से चिंताजनक बनी हुई है, तथा कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य (डीआरसी), बुरुंडी और युगांडा में इसके मामले अधिक संख्या में देखे गए हैं। डब्ल्यूएचओ की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार 15 दिसंबर तक अफ्रीका में 20 देशों में 13,769 पुष्ट मामले सामने आए हैं, जिनमें 60 मौतें शामिल हैं। सबसे अधिक प्रभावित देश डीआरसी है, जहां 9,513 पुष्ट मामले पाए गए हैं। हालांकि डीआरसी में हाल के सप्ताहों में अपेक्षाकृत स्थिर महामारी की प्रवृत्ति देखी गई है, फिर भी डब्ल्यूएचओ ने चेतावनी दी है कि संभावित रिपोर्टिंग देरी को देखते हुए स्थिरता और गिरावट की प्रवृत्ति की सावधानीपूर्वक व्याख्या की जानी चाहिए। डब्ल्यूएचओ ने कहा कि डीआरसी के बाहर क्लेड 1बी एमपॉक्स वायरस (एमपीएक्सवी) के भौगोलिक विस्तार की रिपोर्ट जारी है, साथ ही कहा कि अफ्रीका के बाहर आठ देशों में इस वायरस का पता चला है।

जिसे ढूंढ रहा अमेरिका, उस आतंकी को भी रिहा कर रहा बांग्लादेश

ढाका, एजेंसी। मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार ने बांग्लादेश सेना के बर्खास्त मेजर सैयद जिया-उल-हक को बरी करने की प्रक्रिया कथित तौर पर शुरू कर दी है. वह अलकायदा से जुड़ा हुआ है और अमेरिका द्वारा वांछित है. दिसंबर 2021 में, अमेरिकी विदेश विभाग की डिप्लोमैटिक सिक्योरिटी सर्विस ने अपने रिवार्ड्स फॉर जस्टिस (आरएफजे) कार्यालय के जरिए हक (उर्फ मेजर जिया) और अकरम हुसैन की गिरफ्तारी या दोषसिद्धि के लिए सूचना देने पर 5 मिलियन डॉलर तक का इनाम देने की पेशकश की थी. ये दोनों चार अन्य व्यक्तियों के साथ ढाका में फरवरी 2015 में हुए आतंकवादी हमले में शामिल पाए गए थे. इसमें अमेरिकी नागरिक अविजित रॉय की मौत हो गई थी और उनकी पत्नी रफीदा बोन्या अहमद गंभीर रूप से घायल हो गई थीं. बांग्लादेश में जन्मे दोनों अमेरिकी नागरिक ढाका में एक पुस्तक मेले में भाग लेने के लिए आए थे, जब उन पर हमलावरों ने छुरे से हमला किया. रॉय की मौत हो गई, जबकि अहमद गंभीर रूप से घायल हो गई. अमेरिकी विदेश विभाग के अनुसार, बांग्लादेश में स्थित अलकायदा से प्रेरित आतंकवादी समूह अंसारुल्लाह बांग्ला टीम ने हमले की जिम्मेदारी ली. जिया, कथित तौर पर बाद में पाकिस्तान भाग गया था उसकी खोज बांग्लादेशी अधिकारी भी कर रहे थे. जागृति प्रकाशन के फोयसल अरेफिन दीपोन और कलाबागान के जुलहास-टोनॉय की हत्या के मामलों में 2016 में उसे खोजने के लिए 2 मिलियन टका का इनाम घोषित किया गया था. इससे पहले, 2011 में, उसने एक असफल तख्तापलट में भी प्रमुख भूमिका निभाई थी. हाल ही में, वीजा चाहने वाले पाकिस्तानी नागरिकों के लिए

अनिवार्य सुरक्षा मंजूरी की नीति में व्यापक रूप से ढील दी गई थी. इसके चलते कुछ सप्ताह पहले जिया को पाकिस्तानी पासपोर्ट पर ढाका लौटने में सुविधा हुई. रिपोर्ट में कहा गया कि, अपनी वापसी के तुरंत बाद, जिया ने औपचारिक रूप से सभी आरोपों से बरी होने और 29 दिसंबर, 2024 को मोस्ट-वांटेड सूची से हटाए जाने के लिए आवेदन किया. उसने सभी दोषसिद्धियों को रद्द करने और इनाम वापस लेने की मांग की. स्थानीय मीडिया ने बताया कि बांग्लादेश के अंतर्राष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण (आईसीटी-बीडी) की गुमशुदगी समिति के प्रमुख न्यायमूर्ति मैनुल इस्लाम चौधरी, जो पूरे मामले की जांच करेंगे, जिया के ससुर हैं. बांग्लादेश की अंतरिम सरकार पर यह आरोप लगातार लग रहे हैं कि वह कट्टरवादी ताकतों को हवा दे रही है. पिछले साल अगस्त में शेख हसीना सरकार के पतन के बाद देश में अल्पसंख्यकों और उनके धार्मिक स्थलों को भी निशाना बनाने की खबरें लगातार आ रही है. बांग्लादेश के जाने-माने पत्रकार सलाह उद्दीन शोएब चौधरी ने बीएलआईटीजेड में लिखा, यूनुस प्रशासन ने पहले भी अंसारुल्लाह बांग्ला टीम (एबीटी) के नेता जशीमुद्दीन रहमानी जैसे अन्य इस्लामवादी लोगों को बरी किया है. अपनी रिहाई के बाद रहमानी ने सार्वजनिक रूप से भारत में जिहाद और गजवा-ए-हिंद को लागू करने का आह्वान किया. इन कार्रवाइयों ने बांग्लादेश की आतंकवाद-रोधी प्रतिबद्धता के बारे में चिंताएँ बढ़ा दी हैं और देश के चरमपंथी गतिविधियों का केंद्र बनने की आशंकाएं पैदा कर दी हैं. चौधरी के अनुसार, जिया की रिहाई के अनुरोध को स्वीकार करने के यूनुस प्रशासन के फैसले के दूरगामी परिणाम होंगे, जो बांग्लादेश को आतंकवादियों के लिए लॉन्चपैड में बदल सकते हैं और पूरे क्षेत्र को अस्थिर कर सकते हैं. इससे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश की गिरती प्रतिष्ठा को भी गंभीर नुकसान पहुँच सकता है।

गणतंत्र दिवस समारोह- वीर गाथा 4.0 को जबरदस्त प्रतिक्रिया, देशभर में 1.76 करोड़ छात्र लेंगे हिस्सा

नई दिल्ली । गणतंत्र दिवस समारोह के हिस्से के रूप में रक्षा मंत्रालय और शिक्षा मंत्रालय की संयुक्त पहल वीर गाथा 4.0 के चौथे संस्करण को देश भर में जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली है। इस वर्ष, लगभग 2.31 लाख स्कूलों के लगभग 1.76 करोड़ छात्रों ने प्रतियोगिता में भाग लिया है। इसके तहत राष्ट्रीय स्तर पर सौ (100) विजेताओं का चयन किया जाता है। विजेताओं को चार श्रेणियों में विभाजित किया जाता है, जिनमें से प्रत्येक से 25 विजेता होते है। 5 सितंबर, 2024 को लॉन्च किए गए प्रोजेक्ट वीर गाथा 4.0 में निबंध और पैराग्राफ लेखन के लिए कई प्रेरक विषय प्रस्तुत किए गए। छात्रों को अपने चुने हुए रोल मॉडल के बारे में, विशेष रूप से वीरता पुरस्कार प्राप्तकर्ताओं पर ध्यान केंद्रित करते हुए लिखने का अवसर मिला। । उन्हें रानी लक्ष्मीबाई जैसे स्वतंत्रता सेनानियों के प्रेरक जीवन, 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम और भारत के स्वतंत्रता संग्राम में आदिवासी विद्रोह की महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में जानकारी हासिल करने के लिए भी प्रोत्साहित किया गया। विविध विषयों ने न केवल प्रविष्टियों की गुणवत्ता को बढ़ाया, बल्कि प्रतिभागियों की भारत की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत की समझ को भी व्यापक बनाया।

नीतीश सरकार देगी पटना में तीन 5 स्टार होटल की सौगात

पटना। राजधानी पटना के लिए बिहार सरकार ने पर्यटकों की बढ़ती संख्या को ध्यान में रखकर राज्य में औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ाने के उद्देश्य से यहां तीन नए पांच सितारा होटलों के निर्माण की प्रक्रिया शुरू की है। पर्यटन विभाग के बिहार राज्य पर्यटन विकास निगम (बीएसटीडीसी) ने सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल के तहत होटल पाटलिपुत्र अशोक, बांकीपुर बस स्टैंड और सुल्तान पैलेस के परिसर में पांच सितारा होटलों के निर्माण के लिए डेवलपर्स चयन के लिए ई-निविदा प्रकाशित की। बिहार पर्यटन विभाग के अनुसार पटना में तीन पांच सितारा होटल बनाने के प्रस्ताव को राज्य मंत्रिमंडल ने 10 सितंबर, 2024 को मंजूरी दी थी। अब प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। निविदा प्रक्रिया से चुने जाने वाले डेवलपर्स को 90 साल के लिए पट्टा अधिकार दिए जाएंगे, जिसमें शुरुआती पट्टा अवधि 60 साल होगी, जिसे स्वचालित रूप से अतिरिक्त 30 साल तक बढ़ाया जा सकेगा। बोली जमा करने की अंतिम तिथि 10 फरवरी, 2025 है। बोलियां 11 फरवरी, 2025 को खोली जाएंगी। अत्याधुनिक निर्माण सुनिश्चित करने के साथ ही विरासत के संरक्षण को भी सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी। सुल्तान पैलेस की मौजूदा ऐतिहासिक संरचना को संरक्षित किया जाएगा और परिसर में एक पांच सितारा हेरिटेज होटल विकसित किया जाएगा। इन तीन पांच सितारा होटलों के निर्माण के बारे में पर्यटन विभाग ने कहा कि पर्यटकों की जरूरतों को पूरा करने और औद्योगिक माहौल को बढावा देने के लिए यहां लक्जरी होटलों का विकास जरूरी समझा गया। इसके साथ ही इनके निर्माण से न केवल आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा बल्कि रोजगार के नए अवसर भी पैदा होंगे।

दिल्ली-एनसीआर में गगनचुंबी इमारतें गायब, दिन भर छाया रहा घना कोहरा

-विजिबिलिटी जीरो, शनिवार-रविवार को हो सकती है बारिश

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर के अन्य शहरों में बेहद घना कोहरा छाया रहा है। सुबह से यह स्थिति है कि दूर तक कुछ दिखाई नहीं दे रहा था। ये हालात सिन्धु गंगा के मैदान का है, जो कोहरे के आगोश में समा गया। शुक्रवार को इस सीजन का सबसे घना कोहरा देखा गया। सैटेलाइट इमेज में देखा जा सकता है कि किस तरह इस पूरे इलाके में कोहरे की चादर छाई हुई है। दिल्ली, पंजाब, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, चंडीगढ़, हरियाणा से पश्चिमी मध्य प्रदेश तक कोहरे के हालात ऐसे ही नजर आ रहे हैं। विजिबिलिटी जीरो है। इसके अलावा पूर्वी यूपी में हालात कुछ बेहतर हैं। गौतमबुद्ध नगर में गगनचुम्बी इमारतें भी दिखाई नही दे रही हैं। यहां विजिबिलिटी 50 मीटर से भी कम है। मौसम विभाग ने शनिवार और रविवार को बारिश की भविष्यवाणी की है। मौसम विभाग ने शुक्रवार को छाए घने कोहरे का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। आज का तापमान न्यूनतम 6 डिग्री तक रहेगा और अधिकतम तापमान 20 डिग्री सेल्सियस रह सकता है। बता दें कि शनिवार और रविवार को दिल्ली में बारिश हो सकती है।

स्कूलों को धमकी भरे ईमेल भेजने वाला निकला छात्र, नहीं देना चाहता था टेस्ट

-दिसंबर में ही 100 से ज्यादा स्कूलों को झूठे धमकी भरे ईमेल भेजे गए

नई दिल्ली। दिल्ली में स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी ने वाला गिरफ्तार हो गया है। उसने 23 स्कूलों को ईमेल भेज कर धमकी दी थी। यह धमकी देने वाला कोई शातिर अपराधी नहीं बल्कि 12वीं में पढ़ने वाले छात्र है। आरोपी ने अपना गुनाह कबूल कर लिया है। उसने कबूल किया है कि पहले भी वह इस तरह के ईमेल भेज चुका है। डीसीपी साउथ ने बताया कि आरोपी छात्र ने पूछताछ में बताया कि उसने दिल्ली के अलग-अलग स्कूलों को 23 ईमेल भेजे थे। इन ईमेल्स में स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी दी गई थी। नाबालिग आरोपी ने बताया कि वह स्कूल में टेस्ट नहीं देना चाहता था और इसे कैंसल कराने के लिए उसने धमकी वाले ईमेल का तरीका निकाला और धमकी दे दी। पुलिस अभी उससे और जानकारी एकत्रित कर रही है। पिछले साल दिल्ली में कई बार स्कूलों में धमकी भरे ईमेल भेजे गए थे, जिनकी वजह से जहां अभिभावक बेहद डर गए थे तो स्कूलों में छुट्टी करानी पड़ती थी। दिल्ली पुलिस भी स्कूलों की जांच में परेशान हो गई थी। सिर्फ दिसंबर में ही 100 से ज्यादा स्कूलों को इस तरह के झूठे धमकी भरे ईमेल भेजे गए। पिछले महीने रोहिणी के एक स्कूल में बम की धमकी भेजने वाले भी स्कूल के ही दो छात्र निकले थे।

मौसम की मार: यूपी-बिहार में गलन वाली ठंड, दिल्ली में घने कोहरे के चलते घर निकलना मुश्किल

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूरा उत्तर भारत ठंड और घने की कोहरे की चपेट में हैं। उप्र और बिहार में गलन वाली ठंड है। यहां घर से बाहर निकलने पर ऐसा लगता है कि हाथ ठंड से गल जाएंगे। वहीं दिल्ली और एनसीआर में घना कोहरा होने के कारण लोगों को घर से न निकलने की चेतावनी दी गई है। राजस्थान और हिमाचल प्रदेश के कुछ इलाकों में तापमान लगभग शून्य डिग्री तक पहुंच गया है। हालांकि, दिल्ली-एनसीआर में दोपहर में धूप खिलने से लोगों को थोड़ी राहत मिली है।

राजधानी दिल्ली की बात करें तो यहां कड़ाके की ठंड पड़ रही है। दिल्ली में जनवरी महीने में पहली बार न्यूनतम पारा पांच डिग्री से नीचे आया है। मौसम विभाग के अनुसार अगले दो दिन तक सुबह के समय हल्के से मध्यम कोहरा देखने को मिलेगा। आईएमडी ने अगले दो दिनों के लिए कोहरे का येलो अलर्ट जारी किया है। उत्तर प्रदेश में भी कड़ाके की ठंड जारी है। कोहरे से भी आम जनजीवन प्रभावित है। आईएमडी ने कई जिलों में कोल्ड डे जारी किया है। नोएडा-गाजियाबाद के लोग भी कड़ाके की ठंड से परेशान हैं। इस बीच मौसम विभाग ने कहा है कि अगले कुछ मौसम साफ रहने के आसार हैं। वहीं बिहार में सर्द पछुआ हवाओं के कारण शीतलहर के हालात बने हुए हैं। मौसम विभाग ने अगले तीन दिनों तक स्थिति में कोई खास बदलाव की संभावना नहीं जताई है। मौसम विभाग के मुताबिक जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी के कारण तापमान में भारी गिरावट आ सकती है। मैदानी इलाकों में भी तापमान 5 डिग्री तक पहुंच गया है। मौसम विभाग के मुताबिक, वीकेंड पर दिल्ली-एनसीआर में बारिश का अनुमान है। हिमाचल प्रदेश, पंजाब, राजस्थान, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के अलग-अलग इलाकों में अगले कुछ दिनों तक शीतलहर जारी रहेगी। मौसम विभाग ने शनिवार को कुछ जगहों पर हल्की बारिश या बर्फबारी का अनुमान जताया है।

स्काईमेट वेदर के अनुसार अगले 24 घंटों के दौरान उत्तर पश्चिम और मध्य भारत में न्यूनतम तापमान में 2 से 5 डिग्री की बढ़ोतरी होगी। पूर्वी भारत में न्यूनतम तापमान 24 घंटे के बाद बढ़ने लगेगा। गंगा के मैदानी इलाकों में कोहरे की तीव्रता में कमी आएगी। वहीं अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में हल्की से मध्यम बारिश के साथ कुछ स्थानों पर भारी बारिश हो सकती है। 11 जनवरी को राजस्थान के कुछ हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश संभव है। 11 और 12 जनवरी को उत्तर प्रदेश, उत्तर मध्य प्रदेश, दिल्ली और हरियाणा में बारिश की गतिविधियां धीरे-धीरे बढ़ेंगी। 11 और 12 जनवरी के बीच हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में व्यापक बारिश और बर्फबारी की संभावना है।

गृहमंत्री शाह 11 जनवरी को दिल्ली में 'ड्रग तस्करी और राष्ट्रीय सुरक्षा' पर क्षेत्रीय सम्मेलन की अध्यक्षता करेंगे

नई दिल्ली (ईएमएस)। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह शनिवार, 11 जनवरी को नई दिल्ली में 'ड्रग तस्करी और राष्ट्रीय सुरक्षा' पर क्षेत्रीय सम्मेलन की अध्यक्षता करेंगे। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (NCB) द्वारा आयोजित इस सम्मेलन का उद्देश्य ड्रग तस्करी की बढ़ती समस्या और राष्ट्रीय सुरक्षा पर इसके प्रभाव, विशेष रूप से उत्तर क्षेत्र के आठ राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों, से निपटने पर ध्यान केंद्रित करना है। गृह मंत्री, ड्रग विनष्टीकरण पखवाड़े का शुभारंभ, NCB के भोपाल जोनल यूनिट के नए कार्यालय परिसर का उद्घाटन और MANAS-2 हेल्पलाइन के सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में विस्तार की शुरुआत करेंगे। सम्मेलन में राष्ट्रीय नारकोटिक्स हेल्पलाइन 'MANAS' पोर्टल से राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों की एंटी-नारकोटिक्स टास्क फोर्स (ANTF) के साथ रीयल-टाइम जानकारी साझा करने, ड्रग तस्करी के खिलाफ राज्यों की प्रगति और नार्कोटिक्स समन्वय तंत्र (NCORD) की प्रभावशीलता पर चर्चा की जाएगी। साथ ही राज्य फॉरेंसिक विज्ञान प्रयोगशालाओं (SFSLs) की कार्यक्षमता को मजबूत करने और उनकी प्रभावशीलता बढ़ाने, ड्रग तस्करी के खिलाफ प्रयासों को मजबूत करने के लिए NIDAAN डेटाबेस के उपयोग, PIT-NDPS अधिनियम के प्रावधानों के कार्यान्वयन, ड्रग से संबंधित मामलों के शीघ्र निपटारे के लिए विशेष NDPS अदालतों की स्थापना और ड्रग तस्करी तथा इनके दुरुपयोग से निपटने के लिए सभी एजेंसियों के बीच Whole of Govt. approach पर विचार-विमर्श किया जाएगा। 11 से 25 जनवरी 2025 तक चलने वाले ड्रग विनष्टीकरण पखवाड़े के दौरान रू.2411 करोड़ मूल्य के 44,792 किलोग्राम मादक पदार्थों का विनष्टीकरण किया जाएगा।

भाजपा अध्यक्ष नड्डा का दावा- दिल्ली में पूर्ण बहुमत से बनेगी भारतीय जनता पार्टी की सरकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने गुरुवार को दिल्ली प्रदेश भाजपा कार्यालय में दिल्ली विधानसभा चुनाव प्रबंधन समिति के साथ बैठक कर चुनाव के मद्देनजर पार्टी की संगठनात्मक व्यवस्थाओं की समीक्षा की। इस बैठक में दिल्ली प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा, दिल्ली विधानसभा चुनाव में भाजपा के चुनाव प्रभारी एवं पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बैजयंत जय पांडा, सह-चुनाव प्रभारी अतुल गर्ग (सांसद), सह प्रभारी डॉ अल्का गुर्जर, प्रदेश संगठन महामंत्री पवन राणा, प्रदेश चुनाव संचालन समिति प्रमुख हर्ष मल्होत्रा (सांसद) एवं सह-प्रमुख मनोज तिवारी (सांसद) भी उपस्थित रहे। नड्डा ने पहले भाजपा की दिल्ली चुनाव संचालन समिति के साथ बैठक की और तत्पश्चात चुनाव प्रबंधन के अलग-अलग विभागों की बैठक की और पार्टी की चुनाव तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को चुनाव के मद्देनजर महत्वपूर्ण निर्देश देते हुए दिल्ली विधानसभा चुनाव में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी की ऐतिहासिक जीत सुनिश्चित करने का आह्वान किया। उन्होंने प्रदेश भाजपा चुनाव संचालन समिति एवं चुनाव प्रबंधन समिति के सदस्यों को पार्टी की व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाने का मार्गदर्शन दिया। नड्डा ने कहा कि दिल्ली का यह विधानसभा चुनाव झूठ एवं भ्रष्टाचार रूपी अरविंद केजरीवाल और सच एवं विकास रूपी भाजपा के बीच चुनाव का अवसर है। उन्होंने कहा कि दिल्ली की जनता ने अरविंद केजरीवाल रूपी आप-दा से मुक्त होने का मन बना लिया है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि दिल्ली की महान जनता इस चुनाव में सच एवं विकास को चुनेगी और दिल्ली को आम आदमी पार्टी से मुक्त करवाएगी।

गणतंत्र दिवस समारोह के मुख्य अतिथि को लेकर फंसा पेंच, आड़े आ रहे पाकिस्तान कनेक्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। 26 जनवरी को होने वाले गणतंत्र दिवस की तैयारियां बहुत तेजी से चल रहीं हैं। अतिथियों की सूची भी बनाई गई है और माना जा रहा है कि दुनिया की सबसे अधिक मुस्लिम आबादी वाले देश इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियंतो को समारोह का मुख्य अतिथि बनाया जाएगा। इसके लिए उन्हें न्यौता भी भेजा गया है। हालांकि सरकार की तरफ से ऐसी कोई अधिकृत जानकारी नहीं दी गई है। वहीं एक खबर ये भी आ रही है कि सुबियंतो को समारोह में अतिथि बनाए जाने को लेकर एक पेंच भी फंस गया है। वो पेंच ये हैं कि इंडोनेशिया के राष्ट्रपति भारत से सीधे पाकिस्तान जाना चाहते हैं। भारत सरकार यही नहीं चाहती है कि वह भारत यात्रा को पाकिस्तान दौरे के साथ कनेक्ट करें। माना जा रहा है कि भारत सरकार उन्हें मनाने की कोशश कर रही है कि वह भारत दौरे के बाद सीधे पाकिस्तान न जाएं। सूत्र के हवाले से एक अंग्रेजी अखबार ने लिखा है कि सुबियंतो 26 जनवरी की परेड में मुख्य अतिथि होंगे। मगर अब तक यात्रा के बारे में कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। आम तौर प इस तरह की घोषणा महीनों पहले ही कर दी जाती है।

खबर के मुताबिक, भारत ने इंडोनेशिया के साथ इस मुद्दे को राजनयिक चैनल के माध्यम से उठाया है। भारत को उम्मीद है कि सुबियंतो को गणतंत्र दिवस समारोह के तुरंत बाद इस्लामाबाद के लिए उड़ान भरने से रोकने में कामयाबी मिलेगी। अगर रिपब्लिक डे परेड के कुछ ही घंटे बाद इंडोनेशिया के राष्ट्रपति सीधे इस्लामाबाद के लिए उड़ान भरते हैं तो इससे भारत के लिहाज से गलत संदेश जाएगा। खासकर तब जब सीमा पार आतंकवाद जैसे कई मुद्दों पर पाकिस्तान के साथ भारत के संबंध अच्छे नहीं हैं। जबकि इसके उलट भारत और इंडोनेशिया के बीच पारंपरिक रूप से मजबूत संबंध रहे हैं। घोषणा में देरी की वजह यह है कि पाक मीडिया में यह खबर है कि इंडोनेशियाई राष्ट्रपति 26 जनवरी को तीन दिवसीय यात्रा पर इस्लामाबाद पहुंच सकते हैं। पाकिस्तान से जब से रिश्ते पूरी तरह तल्ख हुए हैं, तब से भारत अपना कोई भी कनेक्शन उससे नहीं चाहता। भारत सरकार हाल के दिनों में विदेशी नेताओं को भारत यात्रा के दौरान अपने कार्यक्रम में पाकिस्तान को शामिल न करने और दोनों देशों के साथ अपने संबंधों को अलग रखने के लिए प्रोत्साहित करती रही है।

बिहार में नीतीश कुमार के बहा ने तेजस्वी और लालू यादव लगा रहे हैं प्रेशर पॉलिटिक्स पर दांव

पटना। बिहार में अगले साल विधानसभा चुनाव है। सबकी निग फिर से नीतीश कुमार पर हैं। लालू यादव तो साफ कह चुके हैं कि नीतीश कुमार के लिए उनका दरवाजा खुला है। जबकि तेजस्वी यादव नीतीश की वापसी को अस्वीकार करने की हुंकार भर के हैं। तेजस्वी यादव यहीं नहीं रुके। वह तो राहुल गांधी के कांग्रेस को भी सीधा संदेश दे चुके हैं। या तो राजद की बात मानकर पिछलग्गू बने रहिए, वरना हाथ जोड़िए और पीछा छोड़िए। ऐसे में लोग कन्फ्यूज हैं कि पिता-पुत्र दोनों अलग-अलग चाल क्यों चल रहे हैं? क्या यह राजद की मध्यम मार्ग वाली पॉलिटिक्स है? दरअसल, कांग्रेस को फटकारने के पीछे तेजस्वी की एक सोच-समझी चाल है। या यूं कहिए कि तेजस्वी यादव की प्रेशर पॉलिटिक्स। अभी तेजस्वी यादव को खूब पता है कि कांग्रेस पूरी तरह बैकफुट पर है। हरियाणा और महाराष्ट्र चुनाव में हार से कांग्रेस टूटी हुई है। इंडिया गठबंधन के अन्य साथी उसे घेर रहे हैं। ममता बनर्जी हों, अरविंद केजरीवाल हों या अखिलेश यादव, सभी के टारगेट पर राहुल गांधी और कांग्रेस ही है। कांग्रेस के कई नेता यह इशारा कर चुके हैं कि कांग्रेस अब राजद की पिछलग्गू नहीं बनकर रहना चाहती। बिहार में 1990 के बाद से कांग्रेस राजद की पिछलग्गू बनकर रही है। राजद के बगैर उसका सियासी वजूद बिहार में कभी रहा ही नहीं। मगर अब कांग्रेस अपने पैरों पर खड़े होकर चलना चाहती है। इसलिए साफ-साफ कह चुकी है कि उसे पिछली बार जितनी ही 70 सीट चाहिए। अब तेजस्वी यादव को कांग्रेस के इस तेवर की भनक है। तेजस्वी यादव मौके को हाथ से जाने नहीं देना चाहते हैं। इसलिए वह कांग्रेस को आड़े हाथों ले रहे हैं। राजद को पता है कि कांग्रेस को अधिक सीट देने का मतलब है सियासी नुकसान। जैसा बीते चुनावों में दिखा। इसलिए तेजस्वी यादव इंडिया गठबंधन को लोकभा चुनाव तक का करार बता रहे हैं। तेजस्वी यादव को लग रहा है कि कांग्रेस सीट शेयरिंग में आंखें दिखा सकती है। वह अधिक सीटों का दवाब बनाएगी।

अब बुजुर्गों पर एचएमपीवी का अटैक, गुजरात में मिला देश का पहला संक्रमित मरीज

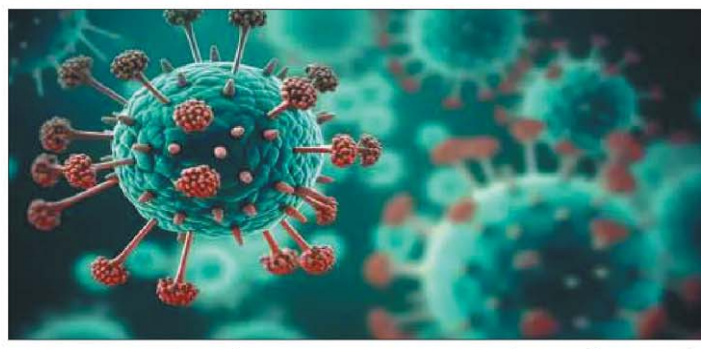

चंडीगढ़ (एजेंसी)। एचएमपीवी का संक्रमण पहले बच्चों में पाया गया था हम बुजुर्ग भी इसकी चपेट में आ गए हैं। अहमदाबाद में देश का संक्रमित बुजुर्ग मिला है। जिसका इलाज चल रहा है।

अहमदाबाद नगर निगम के अधिकारियों ने बताया कि एक 80 वर्षीय बुजुर्ग में ह्यूमन मेटाप्नीउमोवायरस (एचएमपीवी) संक्रमण की पुष्टि हुई है। यह गुजरात में इस साल का दूसरा और भारत में एक बुजुर्ग में इस संक्रमण का पहला मामला है। चीन में हाल ही में एचएमपीवी संक्रमण के मामलों के बाद भारत में इस संक्रमण का यह नया मामला सामने आया है। अहमदाबाद नगर निगम ने बताया कि मरीज का इलाज अहमदाबाद के एक निजी अस्पताल में चल रहा है और उनकी कोई विदेश यात्रा की जानकारी नहीं है। मरीज को बुधवार को अस्पताल में भर्ती किया गया था, जहां गुरुवार को उनके सैंपल्स में संक्रमण की पुष्टि हुई। बुजुर्ग मरीज लंबे समय से अस्थमा का रोगी है, लेकिन फिलहाल उनकी स्थिति स्थिर है।

गुजरात में एचएमपीवी का यह दूसरा मामला है। इससे पहले 6 जनवरी को एक दो महीने के शिशु में संक्रमण की पुष्टि हुई थी। हालांकि, वह पूरी तरह से ठीक होकर अस्पताल से छुट्टी ले चुका है। केंद्र सरकार ने कहा है कि स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है और घबराने की जरूरत नहीं है क्योंकि यह वायरस भारत में नया नहीं है। राज्य सरकारों को श्वसन संबंधी बीमारियों पर निगरानी बढ़ाने और लोगों को संक्रमण से बचाव के लिए जागरूक करने का निर्देश दिया गया है।

सांस लेने में तकलीफऔर सीने में दर्द जैसे लक्षण

एचएमपीवी एक वायरल संक्रमण है, जो आम सर्दी-जुकाम जैसे लक्षण पैदा करता है। यह संक्रमण ड्रॉपलेट्स, सीधे संपर्क और संभवतः हवा के जरिए फैलता है। इसके लक्षण हल्के (जैसे नाक बहना) से लेकर गंभीर (सांस लेने में तकलीफऔर सीने में दर्द) तक हो सकते हैं। बुधवार को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने अपने बयान में बताया था कि एचएमपीवी कई प्रकार के श्वसन संक्रमण फैलाने वाले वायरसों में से एक है। यह संक्रमण सर्दियों और वसंत के शुरुआती महीनों में अधिक फैलता है। मंत्रालय ने कहा, यह वायरस आमतौर पर हल्का होता है और ज्यादातर लोग खुद ही ठीक हो जाते हैं।

जब तक निर्णय नहीं होता, 1.12 लाख करोड़ रुपये के शो-कॉज नोटिस पर रोक

ऑनलाइन गेमिंग कंपनियों को सुप्रीम कोर्ट से राहत

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑनलाइन गेमिंग कंपनियों को सुप्रीम कोर्ट ने बड़ी राहत देकर 1.12 लाख करोड़ रुपये के गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स (जीएसटी) शो-कॉज नोटिस को रोक दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया है कि इन नोटिस से जुड़े सभी मामले फिलहाल स्थगित रहे, जब तक कोर्ट इस पर अंतिम निर्णय नहीं ले लेता है। सुप्रीम कोर्ट ने इन कंपनियों से जुड़े मामलों को एक साथ जोड़ने का निर्देश दिया है। अब मामलों की अगली सुनवाई 18 मार्च, 2025 को होगी।

यह फैसला ऑनलाइन गेमिंग कंपनियों के लिए एक राहत भरा कदम है, क्योंकि इस पर कर अधिकारियों और कंपनियों के बीच लंबे समय से विवाद रहा था। इस विवाद का मुख्य मुद्दा ऑनलाइन गेमिंग पर जीएसटी लागू करने की व्याख्या है। केंद्र सरकार का कहना है कि 28 प्रतिशत जीएसटी पूरे एंट्री अमाउंट पर लगना चाहिए, जिसमें इनाम राशि (प्राइज पूल) भी शामिल होती है। वहीं, गेमिंग कंपनियों का तर्क है कि जीएसटी केवल उनके प्लेटफॉर्म फीस या कमीशन पर लगना चाहिए, क्योंकि इनमें से कई गेम कौशल (स्किल) पर आधारित होते हैं, न कि किस्मत (चांस) पर निर्भर होती है। ऑनलाइन गेमिंग इंडस्ट्री से जुड़े जानकार ने कहा, ÷मार्च में होने वाली अंतिम सुनवाई सेक्टर के लिए नियामकीय ढांचे को तय करने और एक निष्पक्ष और पारदर्शी टैक्स रिजीम सुनिश्चित करने में अहम भूमिका निभाएगी। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा शो-कॉज नोटिस पर रोक लगाना ऑनलाइन गेमिंग और कैसिनो कारोबार के लिए राहत भरा कदम है। इससे न केवल कानूनी स्पष्टता मिलती है, बल्कि तेजी से बढ़ते सेक्टर में सही प्रक्रिया और नियमों के महत्व को भी उजागर किया गया है। इस फैसले का ऑनलाइन गेमिंग कंपनियों ने स्वागत किया है।

कभी सुकून और सस्ती दिल्ली, आज यहां जिंदगी महंगी और भागमभाग वाली

* महंगे शहरों की रैंकिंग दिल्ली देश में दूसरे नंबर पर

नई दिल्ली (एजेंसी)। फरवरी में दिल्ली विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। दिल्ली में विकास के तमाम दावे और चुनावी वादे लोगों के सामने हैं। कभी शांति और सुकून के लिए जानी जाने वाली दिल्ली आज भागमभाग की जिंदगी और महंगाई वाली लाइफ स्टाइल के लिए मशहूर है। दुनिया में अगर महंगे शहरों की रैंकिंग देखी जाए तो दिल्ली का नाम मुंबई के बाद दूसरी और दुनिया में 165 नंबर पर आता है, लेकिन प्रति व्यक्ति आय की बात की जाए तो दिल्ली सबसे रईस है। औसत प्रति व्यक्ति आय के मामले में दिल्ली सबसे आगे है। साल 2023-24 में दिल्ली में प्रति व्यक्ति आय 4,61,910 रुपए है जबकि देश में औसत प्रति व्यक्ति आय 13.14 हजार डॉलर यानी करीब 2.28 लाख रुपए है।

लुटियंस दिल्ली में कई इलाके ऐसे हैं जहां एक वर्ग फुट जमीन की कीमत 3 लाख से भी ज्यादा हैं। इसके इलावा निजामुद्दीन ईस्ट, साउथ एक्स, मॉडल टाउन, सिविल लाइंस, हौज खास, वसंत कुंज और लाजपतनगर जैसे इलाकों में जमीनों की कीमत करोड़ों से नीचे नहीं है, लेकिन कभी दिल्ली सस्ती हुआ करती थी, जहां कौड़ियों के भाव जमीनें मिलती थीं और कुछ रुपयों में बंगले किराये पर मिल जाते थे लेकिन अब वह दौर खत्म हो चुका है। यहां जमीन की कीमत आसमान छू रही हैं।

कभी दिल्ली में 25 रुपये गज जमीन और दूध रुपये का नौ सेर मिलता था। मॉर्डन दिल्ली की नींव पड़ी 1911 में जब अंग्रेजी शासन ने कोलकाता से दिल्ली का रुख किया। साल 1931 में लुटियन की डिजाइन की हुई दिल्ली का उद्घाटन हुआ और फि सड़कें, कॉलोनियां और बाजार बसाए जाने लगे, ले कन भागमभाग और भीड़ वाली दिल्ली बनने से पहले ये शहर सुकून और सस्ती होने के लिए जाना जाता था उस दौर में नई दिल्ली का विकास हो रहा था, देश आज दी की ओर बढ़ रहा था। इसके बाद दिल्ली महंगी होती गई और आज सब कुछ आपके सामने है।